ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भविष्य में अपने परिवारों के स्तंभ बनने वाले त्रासदी में मारे गए @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 06 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-155

पाकिस्तानियों की नहीं, पाकिस्तानी गधों की बढ़ी पूछ

चीन के लोग खूब खा रहे पाकिस्तानी गधे

इस्लामाबाद, 05 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तानियों की तो कहीं कोई पूछ नहीं, लेकिन पाकिस्तानी गधों की मांग खूब है। चीन के लोग बहुत स्वाद लेकर पाकिस्तानी गधों का मांस खा रहे हैं और पाकिस्तानी गधों का दूध भी पी रहे हैं। चीन में पाकिस्तानी गधों से कई दवाएं बनाई जा रही हैं और गधों की खाल का इस्तेमाल हो रहा है। आर्थिक दुनिया के जानकारों का कहना है कि पाकिस्तानी गधे अपनी जान देकर पाकिस्तानियों के लिए रोटी का इंतजाम करा रहे हैं। पाकिस्तान चीन को पाकिस्तानी गधा और गधे का मांस दोनों ही निर्यात करता है. चीन को गधे का मांस भेजने के लिए पाकिस्तान ने ग्वादर में गधा फार्म बनाया गया है। पाकिस्तानी गधे का मांस चीन का लोकप्रिय व्यंजन है। गधों के बूते पाकिस्तान के लोग जी रहे हैं। चीन पाकिस्तानी गधे खरीद रहा है और पाकिस्तान गधों को पाल रहा है। पाकिस्तान के निष्पक्ष लोग कहते हैं कि आतंकवादियों को पालने-पोसने से तो अच्छा

गधे कटवाकर पाकिस्तान के लोगों को हो रही रोटी मयस्सर

है गधे पालना। पाकिस्तान में गधों की संख्या 60 लाख 47 हजार की संख्या को पार कर गई है। पिछले एक साल में ही पाकिस्तानी गधों की संख्या एक लाख पार कर गई।

पाकिस्तान ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (पीबीएस) की रिपोर्ट कहती है कि पाकिस्तान में पिछले साल कुल गधों की जनसंख्या 59.38 लाख थी। लेकिन सालभर में यह जनसंख्या 1 लाख 9 हजार और बढ़ गई है। चीन पाकिस्तान से गधों का भारी मात्रा में आय़ात करता है। वहां इसकी खाल और मांस दोनों की ही अच्छी खासी मांग है। चीन में पाकिस्तानी गधे की खाल का इस्तेमाल करके ई-जियाओ नाम की औषधीय जिलेटिन तैयार किया जाता है। इसका इस्तेमाल पारंपरिक चीनी चिकित्सा में किया जाता है। ई-जियाओ का चीन के शेडांग प्रांत में उत्पादन किया जाता है। इसके लिए चीन को प्रतिवर्ष लाखों गधे की खाल की जरूरत होती है। लिहाजा, पाकिस्तानी गधों से चीनियों को मांस और दूध भी मिल जाता है ▶10पर

कैबिनेट मंत्रियों की बैठक में बोले प्रधानमंत्री मोदी

दुनिया ने भारत की रक्षा-शक्ति देखी

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री ने अपने काबीना मंत्रियों को बताया कि पूरी दुनिया ने भारत की रक्षा शक्ति देख ली है। अब युद्ध की प्रकृति बदल गई है और सब कुछ सिर्फ 20 मिनट में हो सकता है। स्वदेशी हथियारों ने अपनी ताकत साबित कर दी है और दिखाया है कि वे किसी से कम नहीं हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने युद्ध की बदलती प्रकृति पर प्रकाश डाला और कहा कि मेक इन इंडिया हथियार और प्लेटफॉर्म सरकार की प्राथमिकता होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमारे लक्ष्य बड़े हैं और समय कम है। हमें लक्ष्य ध्यान में रखकर काम करना होगा। पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना के शौर्य की सराहना की और कहा कि पहले लड़ाई कई-कई दिन चलती थी, लेकिन हमने 22 मिनट में ही फैसला कर दिया। पीएम मोदी ने अपने मंत्रिपरिषद से ऊंचे लक्ष्य रखने और उन्हें हासिल करने के लिए तेजी से काम करने को कहा।

स्वदेशी हथियारों की ताकत साबित हुई

मंत्रिमंडल की बैठक में बैठक में बाकायदा एक प्रस्तुति भी दी गई, जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ संघर्ष में भारत की ताकत पर जोर दिया गया। इस बात को खास तौर पर रेखांकित किया गया कि पाकिस्तान ने खुद स्वीकार किया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उसे भारी क्षति हुई। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ हालिया संघर्ष में ड्रोन के इस्तेमाल की चर्चा की और कहा कि मेक इन इंडिया हथियार सरकार की प्राथमिकता होंगे।

प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रियों को यह निर्देश दिया कि वे महत्वपूर्ण जिलों और ब्लॉकों का दौरा करें और वहां कम से कम 24 घंटे बिताएं। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिपरिषद की यह बैठक ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बैठक थी जो साढ़े तीन घंटे से अधिक समय तक चली। बैठक के दौरान कैबिनेट सचिव टीवी सामनाथन ने परिवर्तनकारी शासन के 11 वर्ष पर एक प्रेजेंटेशन दी, जिसमें एनडीए सरकार की उपलब्धियों का ब्यौरा दिया गया। इस अवसर पर केंद्र सरकार के सचिव भी मौजूद थे।

▶10पर

अमेरिका में बेबाकी से बोले भारतीय शिष्टमंडल के नेता

सिंदूर का बदला खून : थरूर

वाशिंगटन, 05 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में सर्वदलीय शिष्टमंडल की अगुवाई कर रहे कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने पाकिस्तान को फिर से साफ शब्दों में चेतावनी दी है। राजधानी वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास में एक बातचीत में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि पाकिस्तान यह कहता घूम रहा है कि हम भी आतंकवाद के शिकार हैं, हमने आतंकवाद के कारण भारत से अधिक लोगों की जान गंवाई है। इसके विपरीत हम पूछते हैं, इसमें गलती किसकी है? जैसा कि हिलेरी क्लिंटन ने 10 साल पहले कहा था। आप अपने पिछवाड़े में सांप नहीं पाल सकते और उनसे यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वे केवल आपके पड़ोसियों को ही काटें। इसलिए पाकिस्तान अब तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान द्वारा आतंकवादियों पर हमले करवा रहा है। लेकिन तालिबान को किसने बनाया जिससे तहरीक-ए-तालिबान अलग हुआ? हम सभी इसका उत्तर जानते हैं, इसलिए पाकिस्तान को अपने अंदर झांकने दें और खुद को निर्दोष बताने और इन्कार करने तथा अन्य सभी बातों का बहाना बनाने से पहले अपने अंदर गंभीरता से आत्मचिंतन करने दें।

पाकिस्तान से कहा, सुधर जाओ

शशि थरूर ने कहा, यह पाकिस्तान के बारे में नहीं है। सच कहूं तो हमें इस बात की परवाह नहीं है कि पाकिस्तान अपने साथ क्या कर रहा है। हमें इस बात की परवाह है कि पाकिस्तान हमारे और हमारे नागरिकों के साथ क्या कर रहा है। यही एकमात्र मुद्दा है। आतंकवाद को रोकें, और फिर आप जो बनना चाहते हैं, वह बन सकते हैं। हमें परेशान न करें, हमें अकेला छोड़ दें। हम पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगाने या ऐसा कुछ भी करने के लिए नहीं कह रहे हैं। हम मूल रूप से यह कह रहे हैं कि यदि आप पाकिस्तानियों से बात करना चाहते हैं, तो उन्हें बताएं कि आप इन आतंकवादियों को सुरक्षित पनाह क्यों देते हैं? आप उन्हें काम करने की अनुमति क्यों देते हैं? आप अपने पड़ोसी के खिलाफ इस तरह की गतिविधि की अनुमति क्यों दे रहे हैं?

शशि थरूर ने कहा कि हम लोगों से अक्सर यह सुनते हैं, आप पाकिस्तान से बात क्यों नहीं करते? हम किससे बात करें? हम जिन लोगों से बात करते हैं, वे या तो उन तत्वों को नियंत्रित करने में ▶10पर

दसॉ एविएशन और टाटा समूह में हुआ करार

भारत में ही बनेगी राफेल विमानों की बॉडी

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनी दसॉ एविएशन और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने गुरुवार को भारत में राफेल लड़ाकू विमानों की बॉडी (फ्यूजलॉज) बनाने के लिए समझौता किया। साझेदारी के तहत, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लड़ाकू जेट के प्रमुख हिस्से का उत्पादन करने के लिए हैदराबाद में एक अत्याधुनिक उत्पादन सुविधा स्थापित करेगी। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) ने कहा कि पहले फ्यूजलॉज (विमान का धड़) के वित्तीय वर्ष 2028 में असेंबली लाइन से बाहर आने की उम्मीद है। इस सुविधा से हर महीने दो फ्यूजलॉज के आपूर्ति की उम्मीद है।

बताया गया है कि टीएएसएल हैदराबाद में राफेल के प्रमुख संरचनात्मक खंडों के निर्माण के लिए एक अत्याधुनिक उत्पादन सुविधा स्थापित करेगी। इसमें विमान की बॉडी, पूरा पिछला भाग और अगले हिस्से का निर्माण होगा। टीएएसएल ने कहा कि उसने भारत में राफेल लड़ाकू विमान के ढांचे के निर्माण के लिए दसॉ एविएशन के साथ चार उत्पादन हस्तांतरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। यह देश की एयरोस्पेस विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को समर्थन देने की दिशा में ▶10पर

शर्मिष्ठा पनोली को कलकत्ता हाईकोर्ट से जमानत

शर्मिष्ठा को सुरक्षा देने का आदेश

कोलकाता, 05 जून (एजेंसियां)। कोलकाता पुलिस द्वारा पिछले दिनों गिरफ्तार की गई 22 साल की छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को आज कलकत्ता हाईकोर्ट ने जमानत दे दी। कोलकाता पुलिस ने शर्मिष्ठा को हरियाणा के गुरुग्राम जाकर गिरफ्तार किया था। पहलगाम हादसे के बाद सोशल मीडिया पर पाकिस्तानियों और भारतीय वर्णसंकरों द्वारा फैलाई जा रही गंदगी का जवाब देने पर बंगाल की मुस्लिम तुष्टिकरण की संकेतनारी ममता बनर्जी की पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन हिंदू देवी देवताओं के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करने और शर्मिष्ठा पनोली को गंदी और अश्लील धमकियां देने वाले पाकिस्तानी दलाल वजाहत खान को बंगाल पुलिस संरक्षण दे रही है। विडंबना यह है कि शर्मिष्ठा ने सोशल मीडिया से अपना पोस्ट हटा कर माफी भी मांग ली, लेकिन फिर भी उसे गिरफ्तार किया गया। कानून की छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को कलकत्ता हाईकोर्ट ने आज अंतरिम जमानत दे दी। यह जमानत उन्हें 10 हजार के निजी मुचलके (बॉन्ड) पर मिली है। हाईकोर्ट ने शर्मिष्ठा के विदेश यात्रा करने पर भी रोक लगा दी है। कोलकाता पुलिस ने शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी के लिए आपाधापी दिखाते हुए गुरुग्राम की स्थानीय ▶10पर

बेंगलुरु भगदड़ कांडः हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया

सरकार की नाकामियां उजागर हुईं

मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख देगा आरसीबी

बेंगलुरु, 05 जून (एजेंसियां)। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय ने घटना का स्वतः संज्ञान लिया है। अदालत में दोपहर 2.30 बजे मामले की सुनवाई शुरू हुई। कोर्ट में कर्नाटक सरकार ने माना कि व्यवस्था-भ्रम के कारण दुर्घटना हुई लेकिन इस मामले में दोषारोपण के बजाय खामियों को दुरुस्त किए जाने की जरूरत है। दूसरी तरफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) फ्रेंचाइजी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में मारे गए 11 प्रशंसकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की है। फ्रेंचाइजी ने अपने बयान में कहा है कि मृतकों के परिजनों को मुआवजे के अलावा इस दुखद घटना में घायल हुए प्रशंसकों की सहायता के लिए आरसीबी केयर्स नामक एक कोष भी बनाया जा रहा है। बुधवार को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। कर्नाटक हाईकोर्ट ने गुरुवार को चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम के पास हुई भगदड़ से संबंधित मामले की सुनवाई की। हाईकोर्ट ने कहा, हमने महाधिवक्ता के समक्ष अपनी बात रखी है। उन्होंने एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल की है, ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,00,440/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,07,160/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^{0}
न्यूनतम : 20^{0}

राहुल गांधी की हरकतों पर हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

सेना पर अपमानजनक बयान देने की आजादी नहीं

लखनऊ, 05 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सेना से जुड़े एक बयान पर दाखिल मानहानि के मामले में राहुल गांधी के खिलाए अहम टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि संविधान के तहत मिली अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में भारतीय सेना या किसी व्यक्ति के खिलाफ अपमानजनक बयान देने की आजादी शामिल नहीं है।

हाईकोर्ट ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा दिया गया बयान निस्संदेह में अच्छा नहीं है। सार्वजनिक जीवन वाले व्यक्ति से यह अपेछित होता है कि वह जनता में भाषण देते समय संयम का स्तर बनाए रखे। इस टिप्पणी के साथ जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने राहुल गांधी की उस याचिका को खारिज भी कर दिया, जिसमें उन्होंने लखनऊ की एक एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा मानहानि मामले में फरवरी 2025 में जारी समन आदेश को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने कहा कि संविधान में बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता निश्चित रूप से दी

गई है, लेकिन यह तर्कसंगत प्रतिबंधों के अधीन है। इसमें किसी व्यक्ति या भारतीय सेना के खिलाफ अपमानजनक बयान देने की स्वतंत्रता शामिल नहीं है। यह मानहानि की शिकायत बॉर्डर रोड्स ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) के पूर्व निदेशक उदय शंकर श्रीवास्तव ने दाखिल की थी। यह मामला फिलहाल लखनऊ की एक अदालत में लंबित है। शिकायत में दावा किया गया कि राहुल गांधी ने 16 दिसंबर 2022 को अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी।

यह टिप्पणी 9 दिसंबर 2022 को भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प से जुड़ी थी। शिकायत के अनुसार कि राहुल ने बार-बार अपमानजनक तरीके से कहा था कि चीन की सेना अरुणाचल प्रदेश में हमारे सैनिकों को पीट रही है और भारतीय प्रेस इस संबंध में कोई सवाल नहीं पूछेगा।

लखनऊ की अदालत ने पहली नजर में माना था कि राहुल के बयान से भारतीय सेना और उससे जुड़े लोगों और उनके परिवारों का मनोबल कम हुआ है। इस मामले में अदालत ने राहुल को पेश होने का आदेश दिया था, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

कार्टून कॉर्नर

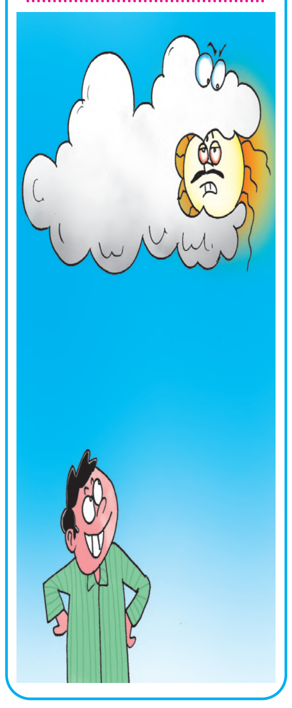

9 दिवसीय श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ 9 जून से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राम परिवार दुर्गा समिति के तत्वावधान में बेल्लारी रोड स्थित पैलेश ग्राउंड के गेट नंबर 9 प्रिंसेस श्राइन के सभागार में 9 जून से 17 जून तक श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर दोपहर 3 बजे से 6 बजे तक पद्मविभूषण तुलसी पीठाधीश्वर प्रज्ञाचक्षु संत जगद्गुरु श्री राम भद्राचार्य जी कथा का रसपान कराएंगे। इस राम कथा की तैयारियों के लिए सभी राम भक्त व धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाए पूरे जोरशोर से जुटी हुई हैं। श्री रामभद्राचार्य जी के दर्शन मात्र के लिए सनातन प्रेमी उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। 9 जून को प्रातः 10 बजे विशाल कलश यात्रा निकलेगी। तत्पश्चात दोपहर से कथा स्थल पर कथा प्रारम्भ होगी। संस्था के अध्यक्ष मिथिलेश तिवारी ने बताया कि इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने के लिए अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, गौड़ ब्राह्मण समाज, पारीक समाज, श्री सालासर बालाजी सेवा समिति, दाधीच समाज, श्री गोपी कृष्ण संकीर्तन मंडल, श्री खेतेश्वर युवाम और कर्नाटक वैष्णव समाज के साथ अन्य लोगों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। सहयोगी संस्था एकल श्री हरि वनवासी फाउंडेशन बेंगलूरु चैप्टर का विशेष सहयोग है।

अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हर साल जून के महीने में सड़क उपयोगकर्ताओं के बीच रेलवे क्रॉसिंग पर सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस गुरुवार को मनाया गया।

इस अवसर पर, बेंगलूरु डिवीजन ने केएसआर बेंगलूरु स्टेशन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर बोलते हुए, बेंगलूरु के मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने लेवल क्रॉसिंग फाटकों पर सुरक्षा नियमों का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से फाटक बंद होने पर पटरियों को पार करने का प्रयास न करने का आग्रह किया और उन्हें ऐसी परिस्थितियों में गेटमैन पर गेट खोलने के लिए दबाव न डालने की सलाह दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि फाटक बंद होने पर पटरियों पर अतिक्रमण करना बेहद खतरनाक और जानलेवा है। उन्होंने लेवल क्रॉसिंग फाटकों के पास ईयरफोन के इस्तेमाल के खिलाफ भी चेतावनी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया, मंडल सुरक्षा अधिकारी सुदर्शन भट्ट सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण एवं आमजन उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *आऊवा महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी मंडल अध्यक्ष कांता के रायसोनी के बसवनगुड़ी स्थित निवास स्थान पर आयोजित की गई। उन्होंने मंडल के सदस्यों का स्वागत उत्साह से किया। इस बार कुछ नए विषयों पर चर्चा की गई, जो सभी के लिए रोचक और ज्ञानवर्धक रही। सभी सदस्यों ने बैठक का भरपूर आनंद लिया और मनोरंजक खेलों में हिस्सा भी लिया। पिंकी इसरानी ने संचालन एवं आभार व्यक्त किया।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *बालराई जैन श्री संघ राजस्थान के तत्वावधान में आचार्य भगवंत अरविंद सागर सूरीश्वर जी की पावन निश्रा में स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में पंचाणिका महा महोत्सव श्री चन्द्रप्रभु जिन मंदिरजी के पावन प्रागण में मनाई गई। जिसमें बालराई जैन श्री संघ ने श्री जैन बंधु मंडल बेंगलूरु के सदस्यों को रात्रि परमात्मा की भक्ति भावना करने का सुनहरा अवसर दिया। बंधु मंडल के अध्यक्ष मनोज बाफना ने बालराई जैन संघ का धन्यवाद सहित आभार प्रकट किया। संघ ने बेंगलूरु से पधारे सभी बंधु मंडल के सदस्यों के भक्ति की अनुमोदना कर आभार प्रकट किया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।*

प्रेक्षा ध्यान कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के निर्देशन में अचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री संयम लता जी के पावन सानिध्य में मैसूरु रोड स्थित डीविनिटी अपार्टमेंट में अर्हम मंत्र प्रेक्षा विषय पर कार्यशाला आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ।

तत्पश्चात विजयनगर की बहनों द्वारा प्रेक्षा ध्यान गीत का संगान किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला के प्रारूप की जानकारी प्रदान की। साध्वी संयम लताजी ने अपने प्रेरणा पाथेय में कहा कि अर्हम स्वयं की अर्हताओं को जगाने का महामंत्र है। कर्मों को हराने का शस्त्र है, प्रतिभा को बढ़ाने का पथ है। अर्हम के प्रत्येक अक्षर के महत्व को साध्वी जी ने उजागर किया। इसके प्रत्येक पदों में शक्ति होती है जो विशेष प्रकार के ध्वनि तरंगों को पैदा करती है, उसका प्रभाव हमारे चित्त की चंचलता को नियंत्रित कर सकता है। अर्हम का जप हमारे शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक तीनों स्तरों पर परिवर्तन लाता है। अर्हम के उच्चारण से हमारे भीतर अध्यात्म का जागरण होता है। साध्वी मार्दव यशाजी ने अर्हम के जप लय बद्धता के साथ करवाते हुए सभा को अर्हम- मय तरंगों से तरंगित कर दिया।

साध्वी जी ने बताया कि ये प्रकंपन ऊर्जा पैदा करते हैं जिससे हमारे भीतर बिजली का संचार होता है, जो शरीर का अच्छे ढंग से संचालन करती है। कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रेक्षा ध्यान प्रशिक्षिका एवं उपासिका मंजू लूणिया ने किया। आभार ज्ञापन मेघना हिरण ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में महिला मंडल पदाधिकारी, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, उपाध्यक्ष विकास बांठिया एवं श्रावक - श्राविकाओं की उपस्थिति रही।

दक्षिण भारत की साहित्यिक गोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मंजिल ग्रुप साहित्यिक मंच की दक्षिणी शाखा दक्षिण भारत की साहित्यिक गोष्ठी बुधवार को गूगल मीट पर संपन्न हुई। कार्यक्रम मगसम की स्थापना दिवस के उपलक्ष में प्रस्तुत की गई जो एक प्रतियोगिता स्वरूप थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार उर्मिला श्रीवास्तव उर्मि ने किया तो बतौर मुख्य अतिथि डॉक्टर नागरत्ना आमंत्रित थी। मंच पर राष्ट्रीय संयोजक सुधीर सिंह सुधाकर एवं संस्था संरक्षक डॉ. सुनील परीट सादर उपस्थित रहे। संचालन रमा बहेड ने कुशलता पूर्वक किया। कार्यक्रम राष्ट्रीय गीत एवं अनीता सोनी की सरस्वती वंदना से शुरू हुआ। तत्पश्चात गद्य में वक्तव्य शुरू हुआ। पहला विषय जननी और जन्मभूमि था, जिस पर डॉक्टर सरोजा एस ने अपना वक्तव्य गागर में सागर भरते हुए दिया। दूसरा विषय मानवता का ह्रास क्यों? कारण एवं निवारण था जिस पर प्रोफेसर लता चौहान ने अपना शोध परक विस्तृत वक्तव्य रखा। तीसरा विषय संस्कार का बीजारोपण नई पीढ़ी में था। इसके वक्ता रहे डॉक्टर रंजीत कुमार जिन्होंने संस्कार के कई मायनों को बताया। चतुर्थ विषय आतंकवाद - एक दहशत था जिसे डॉक्टर संध्या जावली ने बखूबी बताया। तत्पश्चात पद्य का कार्यक्रम शुरू हुआ। जिसमें सुशील कुमार, सरला विजय सरल, कमल अरोड़ा, अनुराधा के, शोभा देशपांडे, कमल पुरोहित अपरिचित, रमा बहेड, लता चौहान एवं वीणा मेदनी थी। हास्य व्यंग में अनीता सोनी ने तो भक्ति रस में डॉक्टर कविता प्रभा एवं सुनील परीट थे। माता-पिता पर भगवती सक्सेना गौड़ एवं सुनीता लाहोटी थी। गीत गजल में गीता चौबे गूँज एवं उर्मिला श्रीवास्तव उर्मी ने गाया। कार्यक्रम राष्ट्रगान के साथ संपन्न हो गया।

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में श्री आदिनाथ जैन मंदिर हासन का 17वां ध्वज-ारोहण सम्पन्न हुआ। संघ के सभी श्रावकों ने लाभार्थी परिवार के घर से रमेशचंद, प्रवीणचंद, जीरवाला परमार के साथ नगर में भव्य वरगोड़ा निकाला और मंदिर जी की प्रदक्षिणा के पश्चात सत्रहभेदी पूजा के बाद ध्वजा लहराई। इस अवसर पर बेंगलूरु से पधारे गुरुजी तुषार भाई ने विधि पूर्वक कार्यक्रम सम्पन्न कराया।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *नलवाड़ी कृष्ण राजेंद्र वाडियार के 141वें जन्म दिवस के उपलक्ष में बेंगलूरु के विभिन्न कन्नड़ संगठनों द्वारा के आर मार्केट में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत, हंसराज मुणोत ने नलवाड़ी कृष्ण राजेंद्र वाडियार की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपने वक्तव्य में महाराजा के योगदान को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। साथ ही अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। संगठन के शिवकुमार ने मुणोत को सम्मानित किया।*

सांप के काटने से बच्चे की मौत

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में एक दिल दहला देने वाली घटना में, एक परिवार जिसका बच्चा सांप के काटने से मर गया था, ने सांप को बचाया और उसे जंगल में छोड़ दिया। 31 मई को, अमित गुरुलिंग सिंधुर, 10, को कर्नाटक के बेलगावी जिले के काकामारी गांव में घर पर सोते समय सांप ने काट लिया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। सांप तीन दिनों तक घर में रहा। लड़के का अंतिम संस्कार पूरा करने के बाद, परिवार ने सांप को मारने के बजाय, उसे बचाने का फैसला किया।

उन्होंने एक सांप संरक्षणकर्ता को बुलाया जिसने जानवर को एक थैले में बंद कर दिया। इसे अथानी तालुक के तेलसांग गांव के पास जंगल में छोड़ दिया गया। दुरादुंडप्पा काकामारी और गांव के अन्य बुजुर्गों ने सिंधुर परिवार की दयालुता की प्रशंसा की।

एमएलसी हरिप्रसाद ने मुस्लिम नेताओं से इस्तीफे वापस लेने का आग्रह किया

तटीय हिंसा की निंदा की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के तटीय क्षेत्र में तनाव के बीच, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और एमएलसी बी के हरिप्रसाद ने दक्षिण कन्नड़ जिले में कांग्रेस पार्टी से हाल ही में हुए मुस्लिम नेताओं के इस्तीफों के बारे में मेंगलूरु में मीडिया को संबोधित किया। हरिप्रसाद ने इस्तीफा देने वाले मुस्लिम नेताओं से अपने इस्तीफे वापस लेने की अपील करते हुए कहा कि वह बैठक करने नहीं आए हैं, बल्कि अपने नियमित कार्यक्रम के तहत यहां आए हैं। उन्होंने कहा कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुई हैं। किसी को हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। मैं अपने लोगों से बात करने आया हूं। उन्होंने किसी क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किए जाने की अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा मुख्यमंत्री का दौरा शिष्टाचार का मामला था। हमें मेंगलूरु को दूसरा मणिपुर नहीं बनाना चाहिए। हरिप्रसाद ने इस बात पर जोर दिया कि कर्नाटक के बाकी हिस्सों में शांति बनी हुई है, लेकिन तटीय क्षेत्र में अशांति चिंता का विषय है। उन्होंने कहा यह उत्तर प्रदेश या मणिपुर नहीं है, जहां निर्दोष लोगों की हत्या की जाती है। जब हमने अधिकारियों से कार्रवाई करने के लिए कहा, तो उन्होंने कहा कि स्थिति थोड़ी बेकाबू हो गई है, लेकिन इसे नियंत्रित कर लिया जाएगा। उन्होंने हमसे कांग्रेस कार्यकर्ताओं से बात करने के लिए कहा। हरिप्रसाद ने न्याय और संविधान के प्रति अपनी निष्ठा दोहराई और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से उम्मीद न खोने की अपील की।

उन्होंने आग्रह किया हम अपने सिद्धांतों के साथ खड़े हैं। जिन लोगों ने इस्तीफा दिया है, उन्हें अब आगे आकर अपना इस्तीफा वापस ले लेना चाहिए। किसी को भी अतिवादी मानसिकता नहीं अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा कर्नाटक में मेंगलूरु का अच्छा नाम है। हमें उस प्रतिष्ठा को नष्ट नहीं करना चाहिए। मैं सभी से बात करूंगा। हम कांग्रेस पार्टी से किसी को भी खोने के लिए तैयार नहीं हैं। इस्तीफे भावनात्मक संकट का परिणाम थे। मैं सभी से उन्हें वापस लेने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने स्वीकार किया कि सरकार में होने और कार्रवाई करने में विफल होने के कारण इस्तीफा देना पड़ता है, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस हमेशा विचारधारा पर मजबूती से खड़ी रही है। हरिप्रसाद ने कहा, इस स्थिति में पकड़े गए हमारे सदस्य निर्दोष हैं, जबकि असली मास्टरमाइंड अभी भी फरार हैं। हमारे लोगों ने इन मास्टरमाइंड के हाथों मोहरे बनकर अपनी जान गंवाई है। हम जल्द ही खुलासा करेंगे कि वे कौन हैं। उन्होंने पुलिस की अच्छे अधिकारियों के रूप में प्रशंसा की और कहा कि जब कानून और व्यवस्था विफल होती है, तो कार्रवाई करना मुख्यमंत्री और गृह मंत्री की जिम्मेदारी है।

उन्होंने आश्वासन दिया यह एक संवेदनशील क्षेत्र है, इसलिए सरकार सावधानी से कदम उठा रही है। सब कुछ ठीक हो जाएगा। मैं दृढ़ता से उनके साथ खड़ा हूं। हाल ही में बेंगलूरु में आरसीबी की जीत के जश्न के बारे में, जिसमें दुर्भाग्यपूर्ण हताहत हुए, हरिप्रसाद ने कहा आरसीबी न तो राज्य की टीम है और न ही राष्ट्रीय टीम। यह अरबपतियों के स्वामित्व में है। मैं इस घटना के बारे में ज्यादा नहीं बोलूंगा क्योंकि सीएम जवाब देंगे, लेकिन मृतकों के परिवारों को मुआवजा दिया जाना चाहिए। टीम चलाने वाले अरबपतियों को शोक संतप्त परिवारों को कम से कम 1 करोड़ रुपये देने चाहिए।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधा रोपण

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नूर स्थित केएसआरटीसी बस अड्डा परिसर में पर्यावरण जागृती वैदिके बन्नूर के अध्यक्ष महेंद्रसिंह राजपुरोहित की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधा रोपण किया गया। इस मौके पर केएसआरटीसी अधिकारी इरे गौड़ा, वेंकटेश, रामचंद्र, प्रेमा सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेंगलूरु ने अपनी छवि खो दी, भगदड़ पर भाजपा राजनीति कर रही है: डी.के. शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार गुरुवार को चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ के कारण हुई मौतों पर भावुक हो गए और कहा कि 11 लोगों की जान लेने वाली इस घटना के कारण बेंगलूरु ने अपनी छवि खो दी है। विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों पर कि पुलिस ने जश्न मनाने की अनुमति नहीं दी थी, उन्होंने कहा मैं भाजपा के इन लोगों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता। मैं केवल कर्नाटक और देश के लोगों के प्रति जवाबदेह हूं। सभी भाजपाई बकवास हैं। वे इन गंदी चीजों के मास्टरमाइंड भी हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी भाजपा और जद (एस) शवों पर

राजनीति कर रहे हैं और कहा कि राज्य सरकार ने घटना की पूरी जिम्मेदारी ली है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हमें बहुत दुख हुआ है। पीड़ित हमारे अपने परिवार के लोग हैं। हम दूसरों को दोष नहीं दे रहे हैं, हालांकि यह बहुत अप्रत्याशित रूप से हुआ है। किसी को भी इतनी भीड़ की उम्मीद नहीं थी। 18 साल (आरसीबी की जीत के इंतजार) के बाद, मुझे नहीं पता कि युवाओं में क्या उबाल था और वे सभी आ गए। यह बहस का विषय है। अब हमें भी दुख में शामिल होना चाहिए। हम मृतक का सम्मान करना चाहते हैं। मेरे सीएम भी सदमे में हैं, मेरे गृह मंत्री भी सदमे में हैं और पूरा राज्य सदमे में है। राज्य इस पर शोक मना रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कभी इतनी बड़ी भीड़ की उम्मीद नहीं की थी। जब उनसे कहा गया कि वे भावुक हो गए हैं, तो उन्होंने कहा देखिए, निश्चित रूप से यह सब परिवार के सदस्यों के बारे में है। हमने कभी इतनी बड़ी भीड़ की उम्मीद नहीं की थी। कर्नाटक की छवि, बेंगलूरु की छवि खराब हो गई है। परिवारों ने अपनों को खो दिया है। एक महिला द्वारा अपने बेटे के शव का पोस्टमार्टम न कराने के अनुरोध पर उन्होंने कहा भगदड़ में मारे गए बच्चे की मां ने कहा कि कृपया पोस्टमार्टम न करें, शव मुझे दे दें। हम यह कैसे कर सकते हैं? हमें कानूनी रास्ता अपनाना होगा। क्योंकि कल कुछ हो सकता है और (सवाल उठेंगे) कि क्या यह उचित तरीके से किया गया था? चाहे वह दुर्घटना थी, चाहे किसी ने उस पर मुहर लगाई हो या उसे चाकू मारा हो, इसकी रिपोर्ट स्वास्थ्य अधिकारियों से आनी चाहिए। पोस्टमार्टम होने पर ही हमें पता चलेगा। घटना के बाद स्टेडियम के अपने दौरे को याद करते हुए उन्होंने कहा मैंने सिर्फ गेट चेक किए।

पर्यावरण दिवस पर निकाली पदयात्रा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व पर्यावरण दिवस पर जे.पी नगर में स्थित प्रतिष्ठित विद्यालय जैन पब्लिक स्कूल द्वारा आकर्षक पदयात्रा का आयोजन किय गया। जिसमें कक्षा पाँच से दसवीं तक के 500 से ज्यादा छात्रों ने भाग लिया। बच्चों ने प्रकृति से संबंधित तख्तियाँ हाथ में पकड़ी, नारा तथा घोषणाओं का गूंजन किया। यह पदयात्रा सुबह: 9:30 बजे से दुर्गा परमेश्वरी मंदिर से शुरू हुई। सभी बच्चों ने कम से कम 5 किमी चलकर नागरिकों के अंदर

जागरूकता फैलाने की कोशिश की। यात्रा के अंत में बच्चों ने बेंगलूरु दक्षिण क्षेत्र के संसद तेजस्वी सूर्या से मुलाकात कर ज्ञापना देकर सारकी तालाब के आस पास फैले कचरे, इससे होने वाले वायू प्रदूषण, सडकों पर घूमने वाले कुत्तों से हो रही समस्याओं से अवगत कराया। पदयात्रा में विद्यालय निर्देशक वीणा गौतम चंद, प्राचार्य मंजुला कमलेश और सभी अध्यापक उपस्थित थे। संसद की ओर से छात्रों को ठंडा पेय दिया गया।

भविष्य में अपने परिवारों के स्तंभ बनने वाले त्रासदी में मारे गए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

यह एक भयानक अध्याय है कि जो लोग भविष्य में अपने परिवारों के स्तंभ बनने वाले थे और अच्छी जिंदगी जीने वाले थे, वे बुधवार की त्रासदी में मारे गए। भगदड़ में मारे गए लोगों की उम्र 14, 17, 19, 19, 20, 20, 20, 23, 26 और 29 के बीच है, जो एक दुखद तथ्य है कि जो लोग भाग्य के इस मोड़ के शिकार हुए, वे वे थे जिन्हें जीवित रहना चाहिए था।

भगदड़ में मारे गए लोगों की पहचान 14 से 29 साल के बीच की उम्र के रूप में की गई है। मृतकों में 14 वर्षीय दिव्यांथी, नौवीं कक्षा की छात्रा और 29 वर्षीय कामाक्षी देवी शामिल हैं। यह विशेष रूप से दुखद है कि मृतकों में छात्र, डॉक्टर, सीए और सॉफ्टवेयर इंजीनियर शामिल हैं।

कनकश्री बरंगाय की 9वीं कक्षा की छात्रा 14 वर्षीय दिव्यांशी, जो अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखने आई थी, को अपनी मां के सामने अपनी जान गंवाते देखना दिल दहला देने वाला है।

शिवकुमार और अश्विनी की बेटी दिव्यांशी ने दोपहर चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ में अपनी मां और मौसी रचना के साथ अपनी जान गंवा दी। इसी तरह, 19 वर्षीय चिन्मयी शेट्टी ने भी इस आपदा में अपनी जान गंवा दी और उनका अंतिम संस्कार बनशंकरी श्मशान घाट पर शोक के सागर के बीच किया गया। विराट

कोहली के कट्टर प्रशंसक शिवू (17), जो मूल रूप से यादगीर जिले के रहने वाले थे और येलहंका सरकारी स्कूल में एसएसएससी की पढ़ाई कर रहे थे, भी काल के गाल में समा गए। शिवू के माता-पिता वर्कर के रूप में काम करते हैं और अब अपने बेटे को खोने के बाद आंसू बहा रहे हैं, जो उनके भविष्य की नींव था।

इस बीच, कोलार के केजीएफ तालुक के बुदमकनाहल्ली के शिक्षक सुरेश बाबू और मंजुला की बेटी सहाना (23) ने अपनी इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी कर ली और शहर में एक निजी कंपनी में काम कर रही थी। उसके माता-पिता उसकी शादी के लिए वर की तलाश कर रहे थे। मांड्या जिले के केआर पेट तालुक के रायसमुद्रा के सिविल इंजीनियर पूर्णचंद्र (20) और हासन जिले के बेलूर के भुमिक, जो दशरहल्ली के सौंदर्या कॉलेज में पढ़ रहे थे, दोस्तों के साथ आरसीबी की जीत के समारोह में शामिल होने के बाद अपनी जान गंवा बैठे।

आपदा में मारे गए सभी लोगों का पोस्टमार्टम किया गया और शव परिजनों को सौंप दिए गए, और डॉक्टर की रिपोर्ट से पता चला कि उनमें से ज्यादातर की मौत दम घुटने से हुई। आपदा के बाद 40 से अधिक लोग अस्पताल में उपचार करा रहे हैं, जिनमें से कुछ को गुरुवार को छुट्टी दे दी गई, जबकि अन्य कथित तौर पर अभी भी अस्पताल में हैं।

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, गृहमंत्री के इस्तीफे की स्थिति

हाईकोर्ट जज जांच करें, 50 लाख मुआवजा दे सरकार: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ और उसमें 11 लोगों की मौत की जांच हाईकोर्ट के कार्यरत जजों से कराई जाए, मृतकों को कम से कम 50 लाख मुआवजा दिया जाए। उन्होंने विधान सौधा में भाजपा विधायक दल कार्यालय क्रमांक 101 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात की। उन्होंने विश्लेषण किया कि राज्य में मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री के इस्तीफे की स्थिति पैदा हो गई है। हाल ही में तेलंगाना में अल्लू अर्जुन की फिल्म की रिलीज के दौरान भगदड़ मच गई और एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहां भी कांग्रेस की सरकार थी। उन्होंने पूछा कि क्या अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार नहीं किया गया? उन्होंने मांग की कि त्रासदी के लिए राज्य सरकार को ही पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। लंदन और दुबई में आरसीबी के मालिकों ने भी इसके लिए मुआवजे की मांग की। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि यदि केरल में किसी हाथी की कुचलने से मौत हो जाती है तो 25 लाख रुपये का मुआवजा देने की घो-षणा की गई थी, यह कहते हुए कि वह हाथी कर्नाटक का है। उन्होंने कहा कि यदि मजिस्ट्रेट द्वारा जांच की जाती है तो मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के सदस्य जो

अपराधी की स्थिति में हैं, उनकी जांच नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री ने मजिस्ट्रेट द्वारा जांच का आदेश दिया है। उन्होंने पूछा कि इसका क्या मतलब है। सरकार विफलता की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने सार्वजनिक चिंता के बजाय प्रचार पागलपन को प्राथमिकता देने के लिए उनकी आलोचना की। आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान 13 वर्षीय लड़के सहित 11 लोगों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने इतनी जल्दबाजी में यह जश्न क्यों मनाया? अगर किसी और ने इसका आयोजन किया था, तो सरकार ने अनुमति क्यों दी? उन्होंने बिना पूर्व तैयारी के जश्न की अनुमति क्यों दी? टीवी पर मौतों की जानकारी आने के बावजूद उपमुख्यमंत्री चिन्नास्वामी स्टेडियम में कप चूम रहे थे। विधानसभा में सत्तारूढ़ दल की सेल्फी जारी रही। बी.वाई. विजयेंद्र ने इस तरह के अमानवीय व्यवहार के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों को विधान सौधा के सामने जश्न मनाने की क्या जरूरत थी? क्या डीसीएम ने विधान सौधा के सामने कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया, जबकि चिन्नास्वामी स्टेडियम में जश्न मनाया जा रहा था? यह फैसला कब लिया गया? उन्होंने स्पष्टीकरण मांगा। इस त्रासदी के बाद, आरसीबी की टीम के विधान सौधा के लिए रवाना होने से पहले चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ मच गई थी। एक या दो लोगों की मौत की सूचना के बावजूद मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों को विधान सौधा के सामने जश्न मनाने की क्या जरूरत थी? इसे क्यों नहीं बदला गया? उन्होंने पूछा कि मौतों की सूचना के बावजूद विधान सौधा के सामने जश्न क्यों जारी रहा। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री ने कहा कि हमें 30-40 हजार लोगों के आने की उम्मीद थी। लेकिन डेढ़ से दो लाख लोग आए, और इसे विफलता का स्पष्ट उदाहरण माना। राज्य सरकार और मुख्यमंत्री संख्या के बारे में स्पष्ट नहीं थे। उन्होंने कहा कि वहां कोई एम्बुलेंस, महिला पुलिस, स्ट्रेचर, उचित पुलिस व्यवस्था नहीं थी, और मुख्यमंत्री की आलोचना की कि वे इस तथ्य से बचने की कोशिश कर रहे हैं कि विधान सौधा के पास कोई दुर्घटना नहीं हुई थी। केवल चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई थी। कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। सरकार की गैरजिम्मेदारी के कारण 11 निर्दोष लोगों की जान चली गई है। अभी भी उचित जांच होनी बाकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इससे बच नहीं सकती है, और मुख्यमंत्री से उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश से जांच कराने का आग्रह किया। उन्होंने राज्य सरकार से उचित निर्णय लेने का आग्रह किया। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने पुलिस से सवाल किया कि अगर सरकार जिम्मेदार नहीं है, तो और कौन जिम्मेदार है।

क्या यह जीत का जश्न मंत्रियों के बच्चों के दबाव के कारण मनाया गया: शोभा करंदलाजे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने इस बात पर आपत्ति जताई है कि आरसीबी की जीत का जश्न एक आपराधिक कृत्य है और उन्होंने मांग की है कि भगदड़ की त्रासदी और 11 लोगों की मौत के मामले में इस राज्य सरकार को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। बॉरिंग अस्पताल का दौरा करने के बाद मीडिया से बात करते हुए उन्होंने इसे हत्यारी सरकार बताया। गुजरात स्टेडियम में नरेंद्र मोदीजी के कार्यक्रम के लिए 5 लाख लोग इकट्ठा हुए थे। लेकिन वहां कुछ नहीं हुआ। जब अल्लू अर्जुन की फिल्म के प्रमोशन के दौरान किसी की मौत हो गई थी, तो वहां की सरकार ने अल्लू अर्जुन को उसके घर से घसीट कर निकाला था। उन्होंने सवाल किया कि आप किसको घसीट कर लाए? उपमुख्यमंत्री को कप लेकर घूमने और उसे चूमने की क्या जरूरत थी। बेंगलूरु के डीसी का

मतलब है कि वह बेंगलूरु के प्रभारी अधिकारी हैं।

उनसे कोई जांच नहीं हो सकती। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि यह एक धोखाधड़ी वाला कदम है। उन्होंने मांग की कि इस घटना की जांच हाईकोर्ट के कार्यकारी न्यायाधीश से कराई जाए। लोगों की जान का रक्षक कौन था? उन्होंने कहा कि अगर चिन्नास्वामी स्टेडियम का गेट पहले खोल दिया जाता तो उनमें से किसी की जान नहीं जाती। उन्होंने पूछा कि क्या यह जीत का जश्न मंत्री के बच्चों के दबाव में मनाया गया।

क्या यह सरकार प्रायोजित नरसंहार नहीं है? सी.टी. रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने सवाल किया कि क्या बुधवार को आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान जो त्रासदी हुई, वह दुर्घटना नहीं थी, क्या यह सरकार प्रायोजित नरसंहार नहीं था। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से बेंगलूरु में हुई भगदड़ की घटना के बारे में कुछ सवाल पूछे और प्रेस बयान जारी किया। हजारों लोगों के इकट्ठा होने की उम्मीद के बावजूद, भीड़ प्रबंधन की उचित योजना क्यों नहीं बनाई गई? हजारों लोगों के इकट्ठा होने के बावजूद, आपातकालीन सेवाओं (फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस, मेडिकल टीम) की संख्या बहुत कम क्यों थी? क्या खुफिया विभाग ने हजारों लोगों के इकट्ठा होने की संभावना के बारे में पहले से चेतावनी नहीं दी थी? अगर दी भी थी, तो उसने उन चेतावनियों को नजरअंदाज क्यों किया? स्टेडियम की क्षमता से अधिक लोगों के इकट्ठा होने की संभावना का अनुमान क्यों नहीं लगाया गया? क्या यह गंभीर लापरवाही नहीं है? शहर में हर कोई जानता था कि बड़ी संख्या में खेल प्रेमी जुटेंगे, लेकिन सरकार चलाने वालों को ही नहीं पता था कि कितने लोग जुटेंगे। क्या आपका बयान सरकार की विफलता को स्वीकार नहीं करता? आयोजन के लिए प्रवेश और निकास द्वारों का उचित प्रबंधन न करने का क्या कारण था? क्या बेंगलूरु जैसे शहर में एक ही तरह के दो बड़े आयोजनों की आवश्यकता थी? क्या इससे भीड़ नहीं बढ़ी? पुलिस पर दबाव डालने का क्या उद्देश्य था, जबकि उन्होंने कहा था कि पुलिस नहीं है? इस आयोजन का आयोजन किसने किया - सरकार ने, कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन ने या रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु प्रबंधन ने? जिम्मेदारी के बारे में स्पष्टता क्यों नहीं है? राज्य सरकार को सिर्फ एक फ्रेंचाइजी की जीत का जश्न मनाने की क्या जरूरत थी? क्या यह सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए थी?

आरसीबी के खिताब जीतने के बारह घंटे के भीतर विधान सौधा के सामने समारोह आयोजित करना सही नहीं है। इतनी जल्दी क्या थी? क्या डी.के. शिवकुमार ने सम्मान समारोह आयोजित किया था ताकि सारा श्रेय उन्हें मिल सके? सरकार को इस जीत का श्रेय लेने की जरूरत क्यों महसूस हुई? क्या यह राजनीतिक लाभ के लिए किया गया प्रयास था? क्या सरकार की यह आपराधिक लापरवाही और प्रचार की भूख खेल प्रशंसकों की मौतों का कारण नहीं है? सरकार दावा कर रही है कि उसने केवल सुरक्षा प्रदान की। लेकिन, क्या इतने बड़े आयोजन के लिए उचित परमिट जारी करना और नियम लागू करना सरकार का कर्तव्य नहीं है? भगदड़ होने के बावजूद जश्न जारी रखने की अनुमति क्यों दी गई? क्या इसे तुरंत नहीं रोका जा सकता था? हालांकि राज्य के उपमुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्रियों सहित कई अन्य मंत्री और अधिकारी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे, लेकिन वे स्थिति को नियंत्रित करने में विफल क्यों रहे? क्या उनकी उपस्थिति केवल प्रचार के लिए थी? दुर्घटना के बाद भी स्टेडियम के अंदर जश्न तुरंत रोक दिया जाना चाहिए था। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। क्या यह सरकार और सरकार चलाने वालों की असंवेदनशीलता का प्रमाण नहीं है? आपने यह क्रिकेट एसोसिएशन का कार्यक्रम था कहकर सरकार की गलती को छिपाने और अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने का निम्न स्तर का व्यवहार किया है। क्या आप भूल गए हैं कि जब आप जानते हैं कि लोग इकट्ठा होंगे तो वहां आने वालों की सुरक्षा करना सरकार का कर्तव्य है? गैरजिम्मेदार सरकार के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर करना हमारा कर्तव्य है। यह निंदनीय है कि सरकार अपनी गलती को छिपाने के लिए तानाशाह की तरह व्यवहार कर रही है। क्या उनसे सवाल करना गलत है?

कांग्रेस सरकार जश्न मना रही टीम के साथ खड़ी है, शोकाकुल परिवारों के साथ नहीं: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा नेता आर अशोक ने गुरुवार को सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली राज्य की कांग्रेस सरकार पर कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया कि जिन लोगों ने आईपीएल ट्रॉफी उठाकर जश्न मनाया, हवाई अड्डे पर गए और आरसीबी टीम के साथ सेल्फी ली, वे भगदड़ में मारे गए लोगों के घर नहीं जाएंगे। एक्स पर एक पोस्ट में विपक्ष के नेता ने कांग्रेस सरकार को हृदयहीन करार दिया और विधान सौधा में आरसीबी टीम के लिए राज्य सरकार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह की तस्वीरें साझा कीं। एक तस्वीर में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया विराट कोहली को पगड़ी पहनाते हुए दिखाई दे रहे थे, जबकि दूसरी तस्वीर में उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार 18 साल

के इंतजार के बाद आरसीबी टीम द्वारा जीती गई आईपीएल ट्रॉफी उठाते हुए दिखाई दे रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया ट्रॉफी उठाकर और फोटो खींचकर जश्न मनाने वाले लोग मारे गए निर्दोष लोगों के परिवारों का समर्थन करने नहीं आएंगे। जो लोग कल एयरपोर्ट पर जाकर सेल्फी लेने पर खुश थे, वे आज मृतकों के घर जाकर आंसू नहीं बहाएंगे। अशोक ने आगे आरोप लगाया कि जिन्होंने क्रिकेट खिलाड़ियों को पगड़ी पहनाकर और माला पहनाकर सम्मानित किया, वे आज मृतकों की कब्र पर मिट्टी डालने भी नहीं आ सकते। उन्होंने कहा इस निर्दयी सरकार के लिए आम लोगों की जान की कोई कीमत नहीं है। उन्होंने सिद्धरामैया और शिवकुमार के इस्तीफे की मांग दोहराई। गृह मंत्री जी परमेश्वर के अनुसार, भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई है और 56 लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि घायलों में से 46 इलाज के बाद घर वापस चले गए हैं, जबकि 10 अस्पताल में हैं और डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत गंभीर नहीं है।

भगदड़ के लिए मुख्यमंत्री मांगे माफी

बिना उचित तैयारी के विजय समारोह आयोजित करना कर्नाटक सरकार की गलती: प्रमोद मुतालिक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री राम सेना के संस्थापक प्रमोद मुतालिक ने गुरुवार को कहा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को बेंगलूरु भगदड़ में हुई मौतों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और इस घटना पर राजनीति करना बंद करना चाहिए। जो कुछ हुआ है वह दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन, इस पर राजनीति करना सही नहीं है। किसी को भी इस पर दोष-ारोपण या पार्टी की राजनीति नहीं करनी चाहिए। मैं कर्नाटक में सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्ष से अपील करता हूं कि वे अपना मुंह बंद रखें। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बेंगलूरु में बिना उचित तैयारी के विजय समारोह आयोजित करना कर्नाटक सरकार की गलती थी। यह लोगों की संख्या का अनुमान लगाने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने में विफल रही। मुख्यमंत्री को ऐसी गलतियों के लिए लोगों से माफी मांगनी चाहिए। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि महाकुंभ में हुई भगदड़ की तुलना बेंगलूरु में आरसीबी के विजय समारोह में हुई

भगदड़ से करना सीएम का गलत फैसला है। उन्होंने कहा, दोनों अलग-अलग घटनाएं हैं। आप उनकी तुलना नहीं कर सकते। विपक्ष को भी राज्य सरकार पर आरोप लगाना और उसका अपमान करना बंद कर देना चाहिए। यह एक दुखद आंदोलन है और हम सभी को चुप रहना चाहिए। मुतालिक ने मांग की कि क्रिकेट खिलाड़ी और आईपीएल प्रत्येक मृतक के परिवार को 1 करोड़ का मुआवजा दें। उन्होंने कहा अगर खिलाड़ी आज जीवित हैं, तो यह उनके प्रशंसकों की वजह से है। वे न केवल मैच खेलकर पैसा कमा रहे हैं, बल्कि विज्ञापनों से भी पैसा कमा रहे हैं। आईपीएल और बीसीसीआई मैच आयोजित करके करोड़ों रुपये कमाते हैं। क्रिकेट खिलाड़ियों और आईपीएल और बीसीसीआई जैसी संस्थाओं की जवाबदेही और सामाजिक जिम्मेदारी क्या है? क्या क्रिकेट खिलाड़ी अपने साथी इंसानों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील हैं? मैंने सुना है कि वे प्रत्येक मृतक के परिवार को 5 लाख रुपये देने की योजना बना रहे हैं। यह पर्याप्त नहीं है। क्रिकेट खिलाड़ियों को भी बोझ का एक हिस्सा उठाना चाहिए।

कर्नाटक सरकार बड़े आयोजनों, समारोहों के लिए नई एसओपी तैयार करेगी: गृह मंत्री

भगदड़ के लिए जिम्मेदार चूक की पहचान करेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने गुरुवार को कहा कि कर्नाटक सरकार बड़े आयोजनों, बैठकों और समारोहों के लिए एक नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करेगी, जिसका उद्देश्य किसी भी अप्रिय घटना को रोकना है।

यह पहल बुधवार को यहां चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम के पास हुई भगदड़ के मद्देनजर की गई है, जिसमें 11 लोगों की जान चली गई थी। पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा कि सरकार स्टेडियम के पास भगदड़ के लिए जिम्मेदार चूक की पहचान करते हुए सख्त कदम उठाएगी, जहां आरसीबी टीम के आईपीएल विजय समारोह में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़े थे। इस घटना में ग्यारह लोगों की मौत हो गई है और 56 लोग घायल हो गए हैं। घायलों में से 46 उपचार के बाद घर वापस चले गए हैं, जबकि 10 अस्पताल में हैं और डॉक्टरों के अनुसार उनकी हालत गंभीर नहीं है। परमेश्वर ने कहा ऐसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से सरकार, गृह विभाग एक नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करेगा। हम निर्देश देंगे कि अब से कोई भी बड़ा आयोजन, बैठक और समारोह पुलिस विभाग द्वारा जारी निर्देशों के दायरे में ही आयोजित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं कभी न हों, यह सुनिश्चित करने के लिए एक नई एस-ओपी तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा ऐसी मौतें नहीं होनी चाहिए, निर्दोष लोगों की जान नहीं जानी चाहिए, शवों को देखकर किसी को भी दुख होता है। उनमें से कई 20-25 साल के युवा थे। वे खुशी-खुशी जश्न मनाने आए थे, उन्हें अपनी जान गंवाने की उम्मीद नहीं थी।

हम खामियों की पहचान करके सख्त कदम उठाएंगे। परमेश्वर ने कहा कि राज्य के क्रिकेट इतिहास में ऐसी घटना कभी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को एक बैठक की और बेंगलूरु शहरी उपायुक्त के नेतृत्व में घटना की गहन जांच के आदेश दिए हैं। यदि कोई चूक पाई जाती है, तो जो भी जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे विस्तृत जानकारी नहीं देना चाहते, क्योंकि जांच के आदेश दे दिए गए हैं। सरकार द्वारा पर्याप्त उपाय न किए जाने और अपनी ओर से चूक के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में गृह मंत्री ने कहा जैसा कि आप जानते हैं कि बेंगलूरु की सड़कों पर लगभग पूरी मंगलवार रात (आरसीबी की जीत के लिए) जश्न मनाया गया। फिर बुधवार को इस जश्न (टीम के शहर में उतरने के साथ) का माहौल बनाया गया। पूरा समुदाय एक तरह से जश्न के उन्माद में था। उन्होंने कहा किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि स्टेडियम की क्षमता 30 हजार के मुकाबले करीब तीन लाख लोग आएंगे। बेंगलूरु मेट्रो से मिली जानकारी के अनुसार (बुधवार को) रात 11 बजे तक करीब 8.7 लाख लोग यात्रा कर चुके थे। आप कल्पना कर सकते हैं कि कितनी भीड़ आई होगी। परमेश्वर ने कहा कि वह स्टेडियम के पास घटनास्थल का दौरा करेंगे और आरसीबी तथा कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के प्रतिनिधियों से भी चर्चा करेंगे। घटना के संबंध में कथित तौर पर एफआईआर दर्ज नहीं किए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा तकनीकी तौर पर जो भी होगा, मैं पुलिस आयुक्त तथा डीजीपी से चर्चा करूंगा।

मौतों की जिम्मेदारी कौन लेगा

मौतों की जिम्मेदारी कौन लेगा, इस बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि चूक के बारे में पता चलने पर जिम्मेदारियां तय की जा सकती हैं। विधान सौधा के सामने आरसीबी टीम के सम्मान समारोह में कोई अप्रिय घटना नहीं होने पर राहत जताते हुए उन्होंने कहा मैंने मीडिया पर कुछ लाठियां फेंके जाने के बारे में सुना है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि उन्होंने दृश्य को बाधित किया। सम्मान समारोह के आयोजन के 2-3 घंटे के भीतर ही कुछ चूक हो गई होगी। इस आर-ोप के बारे में पूछे जाने पर कि सरकार ने जल्दबाजी में कार्यक्रम आयोजित करने के खिलाफ वरिष्ठ अधिकारियों के सुझावों की अनदेखी की, उन्होंने कहा, ऐसे दावे हैं, देखते हैं किसने और कब कहा।

भगदड़ में हुई मौतों पर कोई एफआईआर नहीं, पुलिस ने 11 यूडीआर दर्ज किए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक ऐसे कदम में जिसने लोगों को चौंका दिया है, बेंगलूरु सिटी पुलिस ने 4 जून को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ के संबंध में कोई प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज नहीं की है, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी और 47 लोग घायल हो गए थे। इसके बजाय, पुलिस ने 11 अलग-अलग अप्राकृतिक मृत्यु रिपोर्ट (यूडीआर) दर्ज की हैं। एफआईआर दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर अधिकार क्षेत्र वाली अदालत को सूचित किया जाना चाहिए।

मामले की जांच में आगे की सभी घटनाओं के बारे में अदालत को अपडेट किया जाना चाहिए। लेकिन, यूडीआर के मामले में कोई आपराधिक जांच नहीं होती है, और अधिकार क्षेत्र वाले तह-सीलदार जांच की निगरानी करेंगे। इस कदम का बचाव करते हुए शहर के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि चूंकि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कथित चूक और भगदड़ के कारणों की मजिस्ट्रेट जांच शुरू की है, इसलिए मजिस्ट्रेट जांच के निष्कर्षों के आधार पर, यदि आवश्यक हुआ तो एफआईआर दर्ज की जाएगी। अधिकारी ने दावा किया अभी एफआईआर दर्ज करना मजिस्ट्रेट जांच के निष्कर्षों पर पूर्वाग्रह से ग्रसित होने के समान होगा।

बुधवार की शाम को सिद्धरामैया द्वारा की गई घोषणा के बाद, राज्य गृह विभाग ने देर रात एक आदेश जारी किया, जिसमें बेंगलूरु (शहरी) जिला उपायुक्त जगदीश जी को चूक और लापरवाही, यदि कोई हो, की जांच करने और अगले 15 दिनों के भीतर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया।

भगदड़ में ज्यादातर की मौत दम घुटने से हुई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पोस्टमार्टम जांच की प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बुधवार दोपहर चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ में ज्यादातर पीड़ितों की मौत दम घुटने से हुई। इस मामले में मरने वाले 11 लोगों का पोस्टमार्टम पूरा हो चुका है और शवों को मृतकों के परिजनों को सौंप दिया गया है। पता चला है कि ज्यादातर पीड़ितों की मौत दम घुटने और छाती पर अत्यधिक दबाव पड़ने से हुई। डॉक्टरों ने पुलिस को बताया कि उनमें से कुछ की हड्डियां टूटने के अलावा कोई अन्य लक्षण नहीं मिले हैं। 6 शवों का पोस्टमार्टम बॉरिंग अस्पताल और 5 शवों का विक्टोरिया अस्पताल में कराया गया और फिर शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया। शोक के बीच शवों को उनके घर ले जाने का दृश्य दिल दहला देने वाला था।

भगदड़ त्रासदी के लिए शिवकुमार ही जिम्मेदार: एचडी कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने बेंगलूरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर सीधे तौर पर लापरवाही, जल्दबाजी, अपरिपक्वता और मूर्खता का आरोप लगाया है। भगदड़ में ग्यारह क्रिकेट प्रशंसकों की मौत हो गई थी। मीडिया कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने मांग की कि इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार मूर्ख को मंत्रिमंडल से हटाया जाए। कर्नाटक कसाइयों की सरकार है। मुझे इस सरकार के मुख्यमंत्री के बारे में यह कहते हुए दुख हो रहा है। वे निष्क्रिय मुख्यमंत्री हैं। वे डीसीएम के सामने कोई खेल नहीं खेल रहे हैं। गृह मंत्री की तो बात ही छोड़िए। जब विधान सौधा के सामने सम्मान

चल रहा था, तब चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ में चार लोग मारे गए। यह जानने के बाद भी उन्होंने कार्यक्रम जारी रखा। विराट कोहली ने टीम को जिताने के लिए अठारह साल तक अथक परिश्रम किया। कन्नड़ लोगों का मानना है कि आरसीबी कोई फ्रेंचाइजी नहीं है, यह कर्नाटक क्रिकेट टीम है। हर कोई कह रहा था कि इस बार कप हमारा है। लोगों ने पूजा-अर्चना की थी और भगवान से प्रार्थना की थी कि आरसीबी जीते। उन्होंने दुख जताया कि इस सरकार ने लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाई है। मंगलवार की रात को आखिरकार आरसीबी की टीम ने कप जीत लिया। बधाई और अभिनंदन इतनी जल्दी क्यों किए गए? उस टीम को किसने बुलाया? इतनी जल्दी क्यों? सभी जानते हैं कि यहां डीसीएम की क्या भूमिका रही। बुधवार सुबह टीम का स्वागत करने एयरपोर्ट कौन गया था? किसने इसे कार्यक्रम के रूप में महिमामंडित किया? डीसीएम ने यह सब खुद की महिमामंडन के लिए किया। एयरपोर्ट पर कौन था? केवल डीसीएम और उनके साथी ही थे। क्या यह डीकेआरसीबी टीम है? दो तरफ कार्यक्रम करने की क्या जरूरत थी? एक तरफ होता तो काफी होता। इसके लिए पर्याप्त समय लिया जाना चाहिए था और सभी तैयारियां की जानी चाहिए थी।

आवश्यक सुरक्षा और सावधानियां बरती जानी चाहिए थी। डीसीएम ने बिना कुछ किए सिर्फ खुद को महिमामंडित करने के लिए यह सब किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी मूर्खता के कारण खेल प्रशंसकों की जान चली गई। विधानसभा के सामने डीसीएम शो के बाद स्टेडियम में आते हैं। स्टेडियम के सामने लाशें पड़ी हैं।

डीसीएम नामक यह व्यक्ति मैदान में आता है और कार्यक्रम रोकने के बजाय टॉफी पकड़कर उसे चूमता है। क्या उसने मैदान पर खेलकर कप जीता है? हो सकता है कि खिलाड़ी भी कप को चूमने में सक्षम न हों? ऐसे में इस व्यक्ति ने मौतों के बावजूद प्रचार पाने और खुद को महिमामंडित करने के लिए आरसीबी की जीत का इस्तेमाल किया। ऐसे मूर्ख को तुरंत मंत्रिमंडल से बाहर कर देना चाहिए। अगर इस मुख्यमंत्री में वाकई कोई ताकत और शक्ति है, तो उन्हें पहले ऐसे व्यक्ति को मंत्रिमंडल से बाहर करना चाहिए।

कर्नाटक में फिर भारी बारिश की संभावना 20 से अधिक जिलों के लिए अलर्ट जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण-पश्चिम मानसून कर्नाटक में और तेज होने वाला है और भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 20 से अधिक जिलों में बारिश की चेतावनी जारी की है। मई के अंत में भारी बारिश के कारण राज्य भर में कई घटनाएं और व्यवधान हुए थे, जिसके बाद फिर से बारिश हुई है। आईएमडी के पूर्वानुमानों के अनुसार, मानसून अपने सामान्य समय से पहले ही राज्य में प्रवेश कर चुका है, जिससे किसानों को राहत मिली है, जिन्होंने अब पूरे जोर-शोर से बुवाई का काम शुरू कर दिया है।

हालांकि, फिर से हुई तीव्रता ने बाढ़ और भूस्खलन की चिंता भी बढ़ा दी है, खासकर तटीय क्षेत्रों में। दक्षिण कन्नड़, उत्तर कन्नड़, उडुपी, कोडागु, बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, चामराजनगर, चिक्कबल्लापुर, बेलगावी, बीदर, धारवाड़, हावेरी, कलबुर्गी, कोप्पल, रायचूर, विजयपुरा, यादगीर और बल्लारी में बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा, दावणगेरे, हासन, रामनगर, शिवमोग्गा, तुमकुरु, कोलार, मांड्या और मैसूरु जिलों में मध्यम से भारी बारिश की उम्मीद है। मानसून की बारिश की शुरुआत के साथ ही तटीय क्षेत्र के निवासियों में बाढ़ और भूस्खलन की आशंका पहले से ही व्याप्त है। दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में लगातार बारिश ने खतरे की घंटी बजा दी है। आईएमडी ने उत्तर कन्नड़ और कोडागु के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें गरज और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। कोडागु में भूस्खलन का खतरा भी फिर से बढ़ गया है। बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु ग्रामीण, रामनगर, कोलार, चिक्कबल्लापुर, मांड्या और मैसूरु में हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। इन क्षेत्रों में एहतियाती उपाय करने की सलाह दी गई है। आईएमडी ने प्रभावित जिलों के निवासियों से सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने का आग्रह किया है क्योंकि आने वाले दिनों में भारी मानसूनी बारिश जारी रहने की संभावना है।

पालने की साड़ी में उलझकर एक वर्षीय बच्चे की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी के निट्टूर में एक वर्षीय बच्चे की पालने की साड़ी में उलझने से दुखद मौत हो गई। शिकायतकर्ता अयप्पा (27), उडुपी जिले के पुत्तुर गांव का निवासी है, जो पिछले तीन वर्षों से उडुपी में काम कर रहा है और निट्टूर में गंगाधर के स्वामित्व वाले किराए के मकान में रहता है। बुधवार सुबह, अयप्पा अपनी पत्नी और एक वर्षीय बेटी कालम्मा को पारंपरिक कपड़े के पालने (जोली) में सुलाने के बाद काम पर चला गया।

जब वह बाद में घर लौटा, तो उसने बच्ची को गंभीर हालत में पाया, और पालने को सुरक्षित रखने के लिए इस्तेमाल की गई साड़ी उसके गले में लिपटी हुई थी। वह तुरंत उसे उडुपी के एक निजी अस्पताल ले गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि बच्ची की मौत गलती से पालने से गिरने या नींद में हिलने की वजह से हुई होगी, जिससे साड़ी उसके गले में कस गई होगी। उडुपी टाउन पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है।

पुलिस ने आरसीबी, केएससीए और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए के खिलाफ एफआईआर दर्ज की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भगदड़ की घटना के कुछ घंटों बाद, कब्बन पार्क पुलिस ने गुरुवार को आरसीबी फ्रेंचाइजी, डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और अन्य गंभीर आरोपों के तहत एफआईआर दर्ज की है। कब्बन पार्क थाने के पुलिस निरीक्षक गिरीश ए. के. द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने आरोपियों पर धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 115 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 118 (स्वेच्छा से खतरनाक तरीकों से चोट पहुंचाना या गंभीर चोट पहुंचाना), 190 (अपराधों के लिए गैरकानूनी सभा के सदस्यों की जिम्मेदारी), 132 (सरकारी कर्मचारी को उसके कर्तव्य का पालन करने से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और 125 (लापरवाही या लापरवाही के कारण मानव जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) के तहत आरोप लगाए हैं। शिकायत के अनुसार, पुलिस ने मंगलवार रात स्टेडियम के अंदर और आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी, जहां हजारों प्रशंसक फाइनल मैच में आरसीबी की जीत का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए थे। मंगलवार को शाम करीब 6 बजे केएससीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शुभेंदु घोष ने बुधवार को विजय उत्सव आयोजित करने के लिए पुलिस को एक अनुरोध प्रस्तुत किया था, जिसे सुरक्षा कारणों और यातायात मुद्दों को देखते हुए अस्वीकार कर दिया गया था। हालांकि प्रबंधन ने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम की घोषणा की और लोगों को कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। इसका संज्ञान लेते हुए, सुरक्षा उपायों और यातायात व्यवस्था के बारे में चर्चा करने के लिए एक आपातकालीन बैठक आयोजित की गई और सुरक्षा के लिए अतिरिक्त बल लगाया गया। शिकायत में कहा गया है कि सम्मान कार्यक्रम और क्रिकेट टीम को एचएएल हवाई अड्डे से ताज वेस्ट एंड होटल से विधान सौधा परिसर तक ले जाने के लिए विधान सौधा में आवश्यक सुरक्षा की व्यवस्था की गई थी। इस बीच, कार्यक्रम के लिए स्टेडियम में लाखों लोग जमा हो गए और आयोजकों के असमंजस के कारण भीड़ बेकाबू हो गई क्योंकि स्टेडियम में लोगों को प्रवेश की अनुमति कैसे दी जाए, जबकि स्टेडियम की क्षमता करीब 35,000 है। शिकायत में दावा किया गया है कि इस कारण भीड़ को प्रवेश देने के लिए और अधिक गेट खोले गए, जिससे भगदड़ और हंगामा हुआ। एफआईआर में कहा गया है कि इस घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और 64 लोग घायल हो गए, जबकि कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

जनगणना और जातीय गिनती पर ममता बनर्जी का दांव

कुल ओबीसी आरक्षण का बड़ा हिस्सा मुस्लिमों को

140 नए ओबीसी समूह में 97 मुस्लिम समुदाय के

कोलकाता, 05 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कुल ओबीसी आरक्षण का एक बड़ा हिस्सा मुस्लिम समुदायों को दे दिया गया है। मुस्लिम तुष्टिकरणवादी ममता सरकार का कहना है कि मुस्लिम समुदाय सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हैं और इसलिए उन्हें आरक्षण की आवश्यकता है।

पश्चिम बंगाल में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण का मुद्दा इन दिनों गरमाया हुआ है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार ने हाल ही में एक नया ओबीसी सर्वे पूरा किया है, जिसमें 140 नए उप-समूहों को ओबीसी कैटेगरी में शामिल करने की बात कही जा रही है। सरकार इस रिपोर्ट को 9 जून 2025 से शुरू होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र में पेश करने जा रही है और संकेत दिए हैं कि 17 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण नीति को बरकरार रखा जाएगा। बंगाल में ओबीसी आरक्षण दो श्रेणियों में बंटा हुआ है। पहला ओबीसी ए- इसमें 10 प्रतिशत आरक्षण है और कुल 81 समुदाय शामिल हैं,

जिनमें से चौंकाने वाले 56 मुस्लिम समुदाय से हैं। ओबीसी बी- इसमें 7 प्रतिशत आरक्षण है और कुल 99 समुदाय शामिल हैं, जिनमें से 41 मुस्लिम समुदाय से हैं।

इसका मतलब यह है कि बंगाल के कुल ओबीसी आरक्षण का एक बड़ा हिस्सा मुस्लिम समुदायों को दिया गया है। बंगाल सरकार का तर्क है कि ये मुस्लिम समुदाय सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े हैं और इसलिए उन्हें आरक्षण की आवश्यकता है। सरकार का दावा है कि ये फैसले दो सर्वे और पिछड़ा वर्ग आयोग की सुनवाई जैसी तीन-स्तरीय प्रक्रिया के बाद लिए गए हैं।

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब मई 2024 में कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल सरकार द्वारा जारी किए गए करीब 12 लाख ओबीसी प्रमाणपत्रों को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट ने अपने कड़े फैसले में साफ तौर पर कहा था कि धर्म ही इन समुदायों को ओबीसी घोषित करने का एकमात्र मानदंड प्रतीत होता है। भारतीय संविधान के तहत आरक्षण केवल सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन के आधार पर दिया जा सकता है, धर्म के आधार पर नहीं। हाईकोर्ट ने पाया कि बंगाल सरकार ने कई मुस्लिम समुदायों को केवल उनके धर्म के आधार पर ओबीसी सूची में डाल दिया, जो असंवैधानिक है।

कोर्ट का मानना है कि इससे आरक्षण के मूल सिद्धांत का उल्लंघन होता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी बंगाल सरकार को इन उप-समूहों के सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन को स्पष्ट करने के लिए कहा था, न कि केवल धार्मिक पहचान के आधार पर उन्हें शामिल करने के लिए। भजपा यह मुद्दा उठा रही है कि अगर धर्म के आधार पर आरक्षण दिया जाता है, तो हिंदू और अन्य समुदाय के जो सच्चे हकदार ओबीसी हैं, उन्हें उनके अधिकारों से वंचित किया जाएगा। यह एक ऐसा मुद्दा है जो हिंदू मतदाताओं के बीच अपील कर सकता है।

हाईकोर्ट का फैसला सीधे तौर पर बंगाल सरकार पर धर्म आधारित आरक्षण देने का आरोप लगाता है, जो एक गंभीर संवैधानिक उल्लंघन है। यह आरोप ममता सरकार की धर्मनिरपेक्षता की छवि को धूमिल करता है और उस पर मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने की राजनीति का आरोप लगता है। बंगाल सरकार को बार-बार अदालतों से फटकार मिल रही है, जो उसकी नीतियों की वैधता पर सवाल उठाती है। 12 लाख ओबीसी प्रमाणपत्रों का रद्द होना सरकार के लिए एक बड़ा झटका है और उसकी प्रशासनिक क्षमता पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है।

बंगाल सरकार ने दावा किया है कि उसने तीन-स्तरीय प्रक्रिया का पालन किया है, लेकिन हाईकोर्ट के फैसले से पता चलता है कि यह प्रक्रिया शायद उतनी पारदर्शी और संवैधानिक नहीं थी जितनी होनी चाहिए थी। तेजी से नए सर्वे को पूरा करना भी संदेह पैदा करता है कि क्या यह पूरी तरह से वैज्ञानिक और निष्पक्ष तरीके से किया गया है। सुप्रीम कोर्ट की समय-सीमा और लाखों नौकरी आवेदकों के प्रभावित होने का दबाव सरकार को तेजी से फैसले लेने पर मजबूर कर रहा है, जिससे गलतियों की संभावना बढ़ जाती है।

बंगाल सरकार अब नए सर्वे को विधानसभा में पेश करेगी और हो सकता है कि यह मामला एक बार फिर कानूनी और राजनीतिक रूप से गरमा भी सकता है। यह देखना बाकी है कि सुप्रीम कोर्ट इस नए सर्वे और उसमें शामिल 140 उप-समूहों पर क्या रुख अपनाता है, और क्या बंगाल में ओबीसी आरक्षण का मुद्दा एक नई राजनीतिक लड़ाई का कारण हो सकता है।

यूएसबीआरएल परियोजना से आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा

आजीविका के अवसर होंगे पैदा : मोदी

जम्मू, 05 जून (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज चिनाब ब्रिज का उद्घाटन करने से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना से आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और आजीविका के अवसर पैदा होंगे।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, कल छह जून वास्तव में जम्मू-कश्मीर के मेरे बहनों और भाइयों के लिए एक विशेष दिन है। करीब 46,000 करोड़ रुपये की प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा रहा है, जिसका लोगों के जीवन पर बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यूएसबीआरएल परियोजना सभी मौसम में कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी और श्री माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर तक वंदे भारत ट्रेनों के परिचालन से आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा आजीविका के अवसर सामने आयेंगे।

उन्होंने कहा, चिनाब रेल पुल वास्तुकला की एक असाधारण उपलब्धि होने के अलावा जम्मू-श्रीनगर के बीच संपर्क को बेहतर बनाएगा। अंजी पुल भारत के पहले केबल-स्टेड रेल पुल के रूप में एक चुनौतीपूर्ण इलाके में खड़ा है।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी व्यवस्थाओं की समीक्षा करने और रेलवे अधिकारियों के साथ बैठक की अध्यक्षता करने के लिए कटरा पहुंचे हैं।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री सुबह करीब 11 बजे

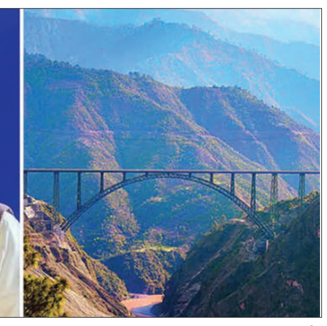

चेनाब पुल का उद्घाटन करेंगे और पुल के डेक का दौरा करेंगे। इसके बाद अंजी पुल का दौरा करेंगे और उसका उद्घाटन करेंगे।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री कटरा में वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे और 46,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और लोकार्पण करेंगे। श्री मोदी कटरा के स्पोर्ट्स स्टेडियम में रैली को भी संबोधित करेंगे। वह राष्ट्रीय राजमार्ग-701 पर रफियाबाद से कुपवाड़ा तक सड़क चौड़ीकरण परियोजना और एनएच-444 पर शोपियां बाईपास सड़क के निर्माण की 1,952 करोड़ रुपये की लागत की आधारशिला रखेंगे। इसके अलावा वे श्रीनगर में राष्ट्रीय राजमार्ग-1 पर संग्राम जंक्शन और राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर बेमिना जंक्शन पर दो फ्लाईओवर परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। वह कटरा में 350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले श्री माता वैष्णो देवी चिकित्सा उत्कृष्टता संस्थान की आधारशिला भी रखेंगे। यह रियासी जिले का पहला मेडिकल कॉलेज होगा जो क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री की कटरा यात्रा से पहले अंतिम तैयारियों की समीक्षा की।

डॉ. सिंह ने एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कल दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल, चेनाब ब्रिज के उद्घाटन के स्थल पर अंतिम क्षणों की तैयारियां। कश्मीर के लिए वंदेभारत को हरी झंडी दिखाने के लिए कटरा रेलवे स्टेशन को पूरी तरह से सजाया गया है।

श्री अब्दुल्ला ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की कल की यात्रा के लिए व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के लिए दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल चिनाब ब्रिज का दौरा किया। कल जम्मू-कश्मीर के लिए एक ऐतिहासिक दिन है, जब आखिरकार घाटी देश के बाकी हिस्सों से रेलवे लिंक के जरिए जुड़ जाएगी, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री करेंगे।

प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। गत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के प्रतिशोध में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद श्री मोदी का केंद्र शासित प्रदेश में यह पहला दौरा होगा।

सरकार ने नीलाम की जनरल मुशर्रफ की जमीन

1.30 करोड़ में बिकी बागपत की शत्रु सम्पत्ति

नई दिल्ली/बागपत, 05 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ का भारत से नामोनिशान मिट गया। उत्तर प्रदेश के बागपत में मुशर्रफ की 13 बीघा जमीन की सरकार ने ऑनलाइन नीलामी कर दी। जमीन को 1 करोड़ 38 लाख 16 हजार रुपए में खरीदा गया है। प्रशासन ने इस जमीन की कीमत 39 लाख रुपए रखी थी, लेकिन नीलामी में इसकी बोली तीन गुना अधिक लगी। जमीन को ठेकेदार पंकज, ट्रांसपोर्टर और प्रॉपर्टी डीलर मनोज गोयल और गाजियाबाद की फर्म जेके स्टील ने खरीदा है।

1947 बंटवारे से पहले परवेज मुशर्रफ के माता-पिता ने यह जमीन खरीदी थी। वे बागपत के कोताना गांव के मूल निवासी थे। पाकिस्तान जाने के बाद यह जमीन उनके चचेरे भाई के नाम हो गई, लेकिन ये कृषि जमीन शत्रु संपत्ति में ही दर्ज रही। इस नीलामी के बाद अब पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति का नाम बागपत की मिट्टी से साफ हो गया है। कानूनी दस्तावेजों में भी उनका नाम हट गया है। इससे पहले साल 2024 में परवेज के भाई की जमीन को नीलामी में दो किसानों ने 1.40 करोड़ रुपए में खरीदा था।

प्रधानमंत्री आज आएंगे जम्मू कश्मीर, सुरक्षा के कड़े प्रबंध

जम्मू, 05 जून (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में कश्मीर के इतिहास में दर्ज होने जा रही 6 जून की तारीख के लिए तैयारियां पूरी हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए प्रदेश प्रशासन और केंद्रीय एजेंसियां कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहतीं।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक की रेल यात्रा के शुभारंभ के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां पहुंच रहे हैं। पहलगाम हिंसा और उसके प्रतिकार में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू कश्मीर पहुंच रहे प्रधानमंत्री मोदी के लिए पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सुरक्षा बल की मदद में सैकड़ों ड्रोन, लड़ाकू हेलीकॉप्टर और खोजी कुत्ते भी तैनात हैं।

प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर जम्मू कश्मीर में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया

है और वरिष्ठ पुलिस, अर्धसैनिक बल, सेना और खुफिया अधिकारी व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी 272 किलोमीटर लंबे उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेलवे लिंक के पूरा होने पर वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने से पहले भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के प्रतीक चेनाब पुल और भारत के पहले केबल-स्टेड अंजी पुल का उद्घाटन करने वाले हैं, जो घाटी को सीधी ट्रेन कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

घुसपैठ और राष्ट्रविरोधी एवं विध्वंसकारी तत्वों की आवाजाही रोकने के लिए सीमाओं और अंदरूनी इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। संदिग्ध व्यक्तियों के घरों पर छापेमारी तेज कर दी गई है, जिनमें ओवर ग्राउंड वर्कर और सीमा पार से सक्रिय आतंकवादियों के रिश्तेदार शामिल हैं।

मोदी रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों के ऊपर वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए आधार शिविर कटरा में 46,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, उनका उद्घाटन करेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। लगभग 43,780 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 272 किलोमीटर लंबी यूएसबीआरएल परियोजना में 36 सुरंगें (119 किलोमीटर तक फैली हुई) और 943 पुल शामिल हैं।

यह परियोजना कश्मीर और देश के बाकी हिस्सों के बीच हर मौसम में निर्बाध रेल संपर्क स्थापित करती है जिसका उद्देश्य क्षेत्रीय गतिशीलता को बदलना और सामाजिक-आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री मोदी श्री माता वैष्णो देवी कटरा से श्रीनगर और वापस दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाएंगे। वे निवासियों, पर्यटकों, तीर्थयात्रियों और अन्य लोगों के लिए एक तेज, आरामदायक और विश्वसनीय यात्रा विकल्प प्रदान करेंगे।

आईआरसीटीसी ने ब्लॉक की 2.5 करोड़ फर्जी यूजर आईडी

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे को पिछले 5 महीनों में 2.9 लाख संदिग्ध पीएनआर का पता चला है। ये वो सामान्य और तत्काल टिकट हैं, जिसे बुकिंग शुरू होने के 5 मिनट के अंदर खरीदे गए थे। भारतीय रेलवे के आईआरसीटीसी पोर्टल से तत्काल टिकट बुक करना लगभग असंभव काम जैसा है। सुबह 10 बजे पोर्टल खुलते ही पेज फ्रीज होना, पेमेंट गेटवे क्रैश होना और कुछ देर बाद ही उपलब्ध सीटें खत्म होना आम बात है। इसके पीछे की गुत्थी अब रेलवे ने सुलझा ली है। आईआरसीटीसी ने खुलासा किया है कि इसके पीछे कौन है?

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, जनवरी से मई 2025 में 2.5 करोड़ फर्जी यूजर आईडी बंद कर दी गई है। इनमें से कई खाते एजेंटों या सॉफ्टवेयर से जुड़े थे, जो सिस्टम में खामियों का फायदा उठा रहे थे। इसके अलावा 20 लाख यूजर आईडी को दोबारा जांच के लिए रखा गया है। जानकारी के मुताबिक इस दौरान राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर 134 शिकायतें दर्ज की गईं, 6800 से ज्यादा डिस्पोजेबल ईमेल डोमेन को ब्लॉक किया गया।

डिस्पोजेबल ईमेल का इस्तेमाल यात्रियों से ज्यादा पैसे वसूलने के लिए किया जाता है। धोखाधड़ी करने वाले एजेंट हर संपर्क या काम के लिए एक अलग आईडी का इस्तेमाल करता है जिसे डिस्पोजेबल ईमेल कहा जाता है। सभी टिकटों के जल्दी बुक हो जाने की समस्या कुछ खास ट्रेनों और रूटों पर ज्यादा है। इसलिए ऐसे यूजर्स को ब्लॉक करना थोड़ा आसान रहा। अधिकारियों का कहना है कि आईआरसीटीसी ने सिस्टम में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं। संदिग्ध डोमेन और आईडी को ब्लॉक करने के अलावा एंटी-बॉट सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया है। पोर्टल पर ट्रैफिक बढ़ने पर बेहतर तरीके से निपटने के लिए एक प्रमुख कंटेंट डिलीवरी नेटवर्क के साथ साझेदारी की गई है। इसमें आम लोगों के इस्तेमाल करने और स्वचालित मशीन के इस्तेमाल के बीच का अंतर समझा जा सकेगा।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को उत्तम युद्ध सेवा पदक

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में रक्षा अलंकरण समारोह 2025 (दूसरे चरण) के दौरान 92 विशिष्ट सेवा अलंकरण प्रदान किए। विशिष्ट वीरता, अदम्य साहस और कर्तव्य के प्रति असाधारण प्रदर्शन के लिए यह सम्मान प्रदान किए गए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रक्षा अलंकरण समारोह 2025 (द्वितीय चरण) के दौरान डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को उत्तम युद्ध सेवा पदक से सम्मानित किया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद उजागर लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई काफी चर्चा में रहे थे। ऑपरेशन से जुड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस में वे मीडिया से मुखातिब हुए थे। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति, लक्ष्यों और परिणामों के बारे में विस्तार से बताया था।

दरअसल, राष्ट्रपति ने बुधवार

को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में रक्षा अलंकरण समारोह 2025 (दूसरे चरण) के दौरान सशस्त्र बलों, भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कर्मियों को 92 विशिष्ट सेवा अलंकरण प्रदान किए। विशिष्ट वीरता, अदम्य साहस और कर्तव्य के प्रति असाधारण प्रदर्शन के लिए 30 परम विशिष्ट सेवा मेडल (पीवीएसएम), पांच उत्तम युद्ध सेवा मेडल (यूवाईएसएम) और 57 अति विशिष्ट सेवा मेडल (एवीएसएम) प्रदान किए गए।

राष्ट्रपति की ओर से सेना के अधिकारियों को मिले सम्मान के बाद रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर सम्मानित वीरों को बधाई दी और उनका मनोबल बढ़ाया। रक्षा मंत्रालय ने लिखा कि यह सम्मान हमारे जवानों की बहादुरी, समर्पण और कड़ी मेहनत को सलाम करने का तरीका है। यह पदक सिर्फ सम्मान नहीं हैं, बल्कि उनके त्याग और देशभक्ति की पहचान हैं।

डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ही वह अफसर हैं, जिनके पास पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल काशिफ ने संघर्ष विराम की गुहार लगाई थी। इस बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम को लेकर अस्थायी सहमति बनी थी। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने अक्तूबर 2024 को डीजीएमओ के पद की जिम्मेदारी संभाली थी। इससे पहले वे चिनार कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) के पद पर तैनात थे। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को कश्मीर घाटी और नियंत्रण रेखा पर आतंकवाद विरोधी अभियानों का विशेषज्ञ माना जाता है। ऑपरेशन सिंदूर में भी इनकी अहम भूमिका रही है

प्रधानमंत्री ने 200 देवी इलेक्ट्रिक बसों को किया रवाना

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर आज राजधानी में 200 देवी इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रधानमंत्री ने दीर्घकालीन विकास और हरित शहरी परिवहन को प्रोत्साहन देने की दिल्ली सरकार की पहल के अंतर्गत पीएमआई इलेक्ट्रो कंपनी द्वारा निर्मित इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाते हुये कहा कि यह पहल हरित और स्वच्छ दिल्ली के निर्माण में योगदान करेगी। उन्होंने कहा कि यह कदम दिल्ली के नागरिकों के 'जीवन में सुगमता' में भी वृद्धि करेगा।

राजधानी में 30 ग्रीन रूटों पर ये बसें संचालित की जायेगी। इस मौके पर इस मौके पर दिल्ली में 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल के तहत पीएमआई ने 10,000 सीड कार्ड भी वितरित किये।

रामदरबार की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुए सीएम

13वें सरयू जयंती महोत्सव का भी हुआ शुभारंभ

अयोध्या, 05 जून (एजेंसियां)। गोरक्षपीठाधीश्वर और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने 53वें जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार को पवित्र नगरी अयोध्या पहुंचे। इस विशेष दिन पर उन्होंने श्रीरामलला मंदिर में विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया और भगवान श्रीराम की आरती उतारी। मुख्यमंत्री का यह दौरा धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व से परिपूर्ण रहा, जिसमें वे विभिन्न मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए और श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामकथा हेलीपैड पर उतरने के बाद सबसे पहले हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान बजरंगबली की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। हनुमानगढ़ी में पूजा के बाद वे श्रीरामलला मंदिर की ओर रवाना हुए।

श्रीरामलला मंदिर पहुंचकर मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीराम की विधिवत पूजा की और उनकी आरती उतारी। इस दौरान मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयघोष के साथ उत्साहपूर्ण माहौल बनाया। मुख्यमंत्री ने भक्तों के साथ संवाद किया और उनकी शुभकामनाएं स्वीकारीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम मंदिर के

प्रथम तल पर स्थापित राम दरबार में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लिया। इस समारोह में माता जानकी के साथ सिंहासन पर विराजमान भगवान श्रीराम, उनके साथ खड़े भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न के विग्रहों के साथ-साथ भगवान बजरंगबली के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा वैदिक विधि-विधान से संपन्न हुई। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा। सफेद संगरमर से बनी प्रतिमाएं अलग ही शोभा बिखेर रही थीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में गंगा दशहरा के पावन पर्व पर अभिजित मुहूर्त में आज श्रीराम दरबार के साथ मन्दिर परिसर के सभी नवनिर्मित देवालयों में एक साथ सामूहिक मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा हुई।

मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला मंदिर के मुख्य परिसर में स्थित अन्य मंदिरों में भी गये, जहां विभिन्न देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। श्रीराम दरबार और शेषावतार के साथ जिन मन्दिरों में प्राण प्रतिष्ठा हुई वे हैं परकोटा के ईशान कोण पर स्थित शिव मंदिर, अग्निकोण में गणेशजी, दक्षिणी भुजा के मध्य में हनुमानजी, नैऋत्य कोण में सूर्य, वायव्य कोण में मां भगवती के साथ परकोटा की उत्तरी भुजा के मध्य में अन्नपूर्णा माता प्रतिष्ठित हुईं। ये सभी प्रतिमाएं सफेद संगमरमर से निर्मित हैं। इन सभी मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा समारोह वैदिक रीति से संपन्न हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री ने सक्रिय रूप से भाग लिया। त्रिदिवसीय समारोह के अंतिम दिन प्रातः साढ़े छह बजे से आह्वानित देवताओं का यज्ञमंडप में पूजन प्रारम्भ हुआ जो दो घंटे चला। इसके पश्चात नौ बजे से हवन शुरू हुआ जो घंटे भर चला। बाद में केंद्रीयकृत व्यवस्था के अंतर्गत एक साथ सभी देवालयों में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान प्रारम्भ हुआ।

मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान श्रीराम मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने जय श्रीराम के जयघोष के साथ अपनी भक्ति और उत्साह का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने उपस्थित

श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और उनके साथ अपने जन्मदिन की खुशी साझा की। श्रद्धालुओं ने उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके दीर्घायु की कामना की। इस दौरान श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास, महासचिव चंपत राय, स्वामी गोविंद देव गिरि जी महाराज सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने आंजनेय सेवा संस्थान में आयोजित 13वें सरयू जयंती महोत्सव का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में अयोध्या के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय महत्व को रेखांकित करते हुए नदियों के पुनर्जनन, विकास कार्यों और उत्तर प्रदेश की नई पहचान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों से कह दिया गया है कि वो अपने अपने जिले की एक नदी को पुनर्जीवित करें। नदियों में न सीवर डाला जाए, न नाले गिराए जाएं, न मरे हुए जानवर फेंके जाएं। साथ ही नदियों के किनारे व्यापक रूप से पौधरोपण अभियान चलाया जाए। इस वर्ष 35 करोड़ पौधों का रोपण नदियों के किनारे किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नदियां धरती माता का आधार हैं और इनके संरक्षण से ही पर्यावरण, जीव-जंतु और मानव जीवन सुरक्षित रह सकता है। उन्होंने मां सरयू के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान राम ने अयोध्या का जिक्र करते हुए मां सरयू का नाम लिया था। सरयू अयोध्या की आत्मा है और इसका संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने गंगा दशहरा के अवसर पर मां गंगा के अवतरण की चर्चा की। उन्होंने कहा कि अयोध्या में ही भगवान भगीरथ ने अपने पूर्वज महाराज सगर के पुत्रों के उद्धार के लिए लंबी साधना की और मां गंगा को धरती पर लाए। मां गंगा न केवल मुक्ति और भुक्ति का कारक हैं, बल्कि भारत और विश्व का अन्न भंडार भी इन्हीं के कारण समृद्ध है। मां गंगा का मैदानी भाग दुनिया की सबसे उर्वर भूमि है।उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ

का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया ने मां गंगा के तट पर आयोजित इस महोत्सव को देखा, जो भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने अयोध्या के विकास कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि 10 साल पहले जो असंभव लगता था, वह आज संभव हो चुका है। आज अयोध्या का वैभव देखकर लोग अभिभूत और आश्चर्यचकित हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या में अब 4-लेन और 6-लेन की सड़कें, वाटर एटीएम और अन्य जनसुविधाओं का विकास हुआ है। अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण पूरा हो चुका है, और यह शहर देश की पहली सोलर सिटी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि सूर्यवंश की राजधानी अयोध्या का सोलर सिटी बनना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि अयोध्या के इस वैभव ने न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे भारत का सम्मान विश्व पटल पर बढ़ाया है। आज जो भी अयोध्या आता है, वह अभिभूत होकर जाता है। अयोध्या की यह प्रगति उत्तर प्रदेश और भारत की नई पहचान का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की प्रगति पर गर्व जताते हुए कहा कि यूपी अब नये भारत का उत्तर प्रदेश बन रहा है। यह विकास के नए कीर्तिमान रच रहा है। आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, दंगा और अपराधमुक्त वातावरण, नौजवानों के लिए रोजगार, महिलाओं और व्यापारियों के लिए भयमुक्त माहौल यूपी की नई पहचान है। उन्होंने कहा कि पहले लोग उत्तर प्रदेश का नाम सुनकर नाक-भौं सिकोड़ते थे, लेकिन आज यूपी का नाम गौरव की अनुभूति कराता है। उन्होंने कहा कि अयोध्या धाम की तरह ही आज पूरा उत्तर प्रदेश चमक रहा है। यूपी अब विकास, संस्कृति और आधुनिकता का संगम बन चुका है।

मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण को आपदा प्रबंधन से जोड़ा। उन्होंने कहा कि नदियां रहेंगी, तभी धरती माता, पर्यावरण और जीव-जंतु सुरक्षित रहेंगे। इससे प्राकृतिक आपदाएं भी हमारा बाल बांका नहीं कर पाएंगी। उन्होंने सभी से नदियों और पर्यावरण के संरक्षण में योगदान देने की अपील की। उन्होंने राम मंदिर में देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के लिए सभी सनातन धर्मावलंबियों को बधाई दी और अयोध्या के वैभव को विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज सरयू जयंती महोत्सव के साथ-साथ राम मंदिर में देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा का पावन अवसर है। इसके लिए मैं देश-दुनिया के सभी सनातन धर्मावलंबियों को हार्दिक बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि अयोध्या आज एक नए युग की शुरुआत का साक्षी बन रही है। भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा ने 500 वर्षों के लंबे इंतजार को समाप्त कर भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण को गति दी है।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जगद्गुरू स्वामी संतोषाचार्य जी महाराज सतुआ बाबा, महंत अवधेश दास जी महाराज, महंत रामशरण दास जी महाराज, महंत राजकुमार दास जी महाराज, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, मिथिलेश नंदनीशरण जी महाराज, रामदास जी महाराज, गिरीश दास जी महाराज, वैदेहीवल्लभ जी महाराज, महंत शशिकांत दास जी महाराज, जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह, विधायकगण वेद प्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, अमित सिंह चौहान, चंद्रभानू पासवान, अभय सिंह सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री समेत कई ने दी बधाई

सीएम योगी के जन्मदिन पर शुभकामनाओं का लगा तांता

भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी बधाई दी

लखनऊ, 05 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 53वें जन्मदिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत सरकार के वरिष्ठ मंत्री, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल और उत्तर प्रदेश सरकार के शीर्ष पदाधिकारियों समेत पूरे देश से शुभकामनाओं का तांता लग गया। सोशल मीडिया पर योगी आदित्यनाथ, लोकप्रिय मुख्यमंत्री और हिंदू हृदय सम्राट जैसे ट्रेंड्स दिनभर छाए रहे। इन हैशटैग के माध्यम से सोशल मीडिया यूजर्स ने मुख्यमंत्री को देश का सर्वाधिक लोकप्रिय मुख्यमंत्री करार देते हुए सार्वजनिक जीवन में अनुशासन, सेवा और विकास का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सभी का शुभकामनाओं के लिए आभार जताते हुए उत्तर प्रदेश के निरंतर विकास का अपना संकल्प दोहराया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में यूपी के विकास के लिए अथक काम किया है, जिससे राज्य के लोगों की जीवन गुणवत्ता में सुधार हुआ है। उन्हें लंबी और स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं।

प्रधानमंत्री की शुभकामना पर सीएम योगी ने कहा, मन को आत्मीयता, प्रेरणा और ऊर्जा से अभिसिंचित करती मंगलमयी शुभकामनाओं के लिए आपका हार्दिक आभार आदरणीय प्रधानमंत्री जी! आपकी शुभेच्छाएं अक्षय ऊर्जा का स्रोत हैं और 25 करोड़ प्रदेशवासियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के संकल्प की पूर्ति हेतु अथाह शक्ति प्रदान करती हैं। नेशन फर्स्ट की भावना से दीप्त आपके यशस्वी मार्गदर्शन में विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश की संकल्पना की सिद्धि के पथ पर उत्तर प्रदेश अविराम गतिशील है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने योगी को बधाई देते हुए कहा, डबल इंजन सरकार जन-जन तक विकास और गरीब कल्याण के लाभ पहुंचा रही है। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य और सुदीर्घ जीवन की कामना करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने बधाई संदेश में कहा, हाल के वर्षों में उन्होंने राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। विकास और लोक कल्याण की दृष्टि से वे लगातार परिश्रम कर रहे हैं। ईश्वर उन्हें उत्तम स्वास्थ्य एवं लंबी आयु प्रदान करें।

सीएम योगी को बधाई और शुभकामनाएं देने वालों केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक समेत प्रदेश मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायक और नौकरशाह शामिल हैं।

यूपी पुलिस में होंगी 19 हजार सिपाहियों की भर्ती

दारोगा के पद पर भी होगी बहाली

अग्निवीरों को मिलेगा 20 प्रतिशत आरक्षण

लखनऊ, 05 जून (एजेंसियां)। यूपी पुलिस में जल्द ही 24 हजार पदों पर सीधी भर्ती होने जा रही है। जल्द ही इसका विज्ञापन जारी किया जाएगा। इस भर्ती में करीब 4500 पदों पर दरोगा की नियुक्ति होनी है। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। शासन की हरी झंडी मिलते ही इसका विज्ञापन जारी कर अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन मांगे जाएंगे। आगामी 15 जून तक विज्ञापन जारी हो सकता है। पहले यह अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह में जारी करने की तैयारी थी। इस भर्ती में सेना से आए अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा।

डीजीपी मुख्यालय ने भर्ती बोर्ड को सिपाही के 19,220 पदों और उप निरीक्षक के 4543 पदों पर भर्ती का प्रस्ताव बीते दिनों भेजा था। इनमें सिपाही पीएसी के 9837, सिपाही पीएसी महिला वाहनी के 2282, सिपाही नागरिक पुलिस के 3245, सिपाही पीएसी/सशस्त्र पुलिस 2444, सिपाही विशेष सुरक्षा बल के 1341 और घुड़सवार पुलिस के 71 पद (कुल 19220) पद शामिल थे। इसी तरह उप निरीक्षक के 4543 पदों का प्रस्ताव भेजा गया था, जिसमें उप निरीक्षक नागरिक पुलिस के 4242 पद, उप निरीक्षक नागरिक पुलिस/प्लाटून कमांडर महिला वाहिनी बदायूं, गोरखपुर, लखनऊ के 106 पद, प्लाटून कमांडर/उप निरीक्ष सशस्त्र पुलिस के 135 पद, उप निरीक्षक/प्लाटून कमांडर विशेष सुरक्षा बल के 60 पद शामिल हैं। अब इन पदों पर भर्ती के लिए बोर्ड द्वारा विज्ञापन जारी करने की तैयारी है। बता दें कि मंगलवार को कैबिनेट ने उप निरीक्षकों की भर्ती में तीन वर्ष की छूट देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। सिपाही और उप निरीक्षक के पदों पर भर्ती के लिए करीब 35 लाख आवेदन आने की उम्मीद जताई जा रही है। बता दें कि बीते दिनों सिपाही नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती के लिए करीब 48 लाख आवेदन आए थे। भर्तियों में अधिकांश पद पीएसी आदि के होने की वजह से 35 लाख से अधिक आवेदन होने की संभावना जताई जा रही है।

अग्निवीरों को इस पुलिस भर्ती में 20 फीसदी आरक्षण मिलेगा। यूपी पुलिस में सिपाही, पीएसी, सिपाही घुड़सवार और फायरमैन की सीधी भर्ती में आरक्षण दिया जाएगा। इसके लिए 20 फीसदी पदों को आरक्षित कर क्षैतिज आरक्षण दिया जाएगा। साथ ही अग्निवीर के रूप में की गई सेवा अवधि को घटाते हुए अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट भी दी जाएगी। अग्निवीरों का पहला बैच 2026 में सेवा से बाहर आएगा। इसमें 25 फीसदी अग्निवीरों को सशस्त्र बलों में शामिल होने का अवसर दिया जाएगा। शेष 75 अग्निवीर सशक्त और कार्य कुशल होकर समाज की मुख्यधारा में दोबारा शामिल होंगे।

हरियाणा, मध्य प्रदेश, सिक्किम आदि प्रदेशों में पुलिस भर्ती में अग्निवीरों को 10 से 20 फीसदी तक आरक्षण देने की घोषणा हो चुकी है।

महंत नृत्यगोपाल दास के 87वें जन्मदिन पर बोले योगी

सनातन की मजबूत नींव पर आकार ले रहा विकसित भारत

अयोध्या, 05 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष और मणिरामदास छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास जी महाराज के 87वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने अयोध्या के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की मजबूत नींव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प साकार हो रहा है। डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से अयोध्या में त्रेतायुगीन वैभव की वापसी हो रही है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन अत्यंत अभिभूत करने वाला और आनंदमयी है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे पूज्य महंत नृत्यगोपाल दास जी के जन्मदिवस समारोह में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ।

मैं उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि पूज्य संतों की दिव्य साधना और आशीर्वाद के कारण ही भारत नए भारत के रूप में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिना रुके और डिगे विकसित भारत के संकल्प को

साकार करने में जुटे हैं।

मुख्यमंत्री ने राम मंदिर आंदोलन और प्राण प्रतिष्ठा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद गत वर्ष 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। आज रामदरबार और राम मंदिर में देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा का कार्य भी पूर्ण हुआ है। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण सनातन धर्म की मजबूत नींव का प्रतीक है। उन्होंने काशी, महाकाल, केदारपुरी और सोमनाथ मंदिरों के सौंदर्यीकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि इन मंदिरों पर सनातन धर्म की मजबूत नींव टिकी है। इस नींव पर मजबूत और भव्य भारत का निर्माण हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने मणिरामदास छावनी के गौरवशाली इतिहास का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 18वीं सदी से 21वीं सदी तक, इस छावनी की 300 वर्षों की कठोर साधना का इतिहास रहा है। साक्षात माता जानकी ने इस परंपरा के संत को दर्शन दिए, जिसके कारण यह परंपरा फली-फूली। उन्होंने कहा कि महंत नृत्यगोपाल दास के नेतृत्व में राम जन्मभूमि आंदोलन को सफलता मिली और आज अयोध्या विश्व की सुंदरतम नगरी के रूप में विकसित हो रही है।

मुख्यमंत्री ने डबल इंजन सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अयोध्या में त्रेतायुगीन वैभव की वापसी हो रही है। रामायण में वर्णित चौड़ी सड़कों और बाग-उपवनों वाली अयोध्या आज साकार हो रही है। उन्होंने कहा कि पहले अयोध्या में रामभक्तों पर गोलियां चलती थीं, लेकिन आज श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत होता है।

यूपी में एयरोस्पेस और डिफेंस निवेश को लगेंगे पंख

रोजगार और रक्षा उत्पादन में आएगी तेजी

लखनऊ, 05 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने डिफेन्स एवं एयरोस्पेस सेक्टर में भारी निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एयरोस्पेस तथा रक्षा इकाई एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2024 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को अधिसूचित किया है। इसके अंतर्गत राज्य के 6 डिफेन्स नोड (अलीगढ़, आगरा, लखनऊ, कानपुर, झांसी और चित्रकूट) विकास के केंद्र बनेंगे। सरकार का मानना है इन क्षेत्रों में एयरोस्पेस और रक्षा उद्योगों की स्थापना के लिए प्रचुर संभावनाएं हैं। सरकार का लक्ष्य है कि इन नोड्स के माध्यम से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, स्थानीय उत्पादन और रोजगार के अवसरों में भारी वृद्धि हो। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) को नोडल एजेंसी नामित किया है। इसी क्रम में शासनादेश के तहत एसओपी को लागू किया गया है, जिससे निवेश प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, अनुमोदन की तीव्रता और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया जा सकेगा। यह नीति न केवल मेक इन इंडिया पहल को मजबूती देगी, बल्कि स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार के नए द्वार भी खोलेगी।

संपादकीय

इस कोरोना का यथार्थ

कोरोना वायरस का संक्रमण लगातार फैलता जा रहा है। हमारी निगाह संक्रमित मरीजों की संख्या पर थी। आश्वस्त किया जा रहा था कि कोरोना वायरस की यह नस्ल उतनी भयावह नहीं है, जितनी हम कोरोना की तीन लहरों के दौरान देख और झेल चुके हैं। यह नस्ल संक्रामक जरूर है, तेजी से फैलती है, लेकिन अपेक्षाकृत मारक नहीं है, लिहाजा चिंता न करें, लेकिन सावधानी जरूर बरतें। अब देश में संक्रमित लोगों की संख्या 4000 को पार कर चुकी है और दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी हस्तक्षेप कर केंद्र सरकार से स्टेटस रपट तलब की है, तब हम भी कुछ चिंतित हुए हैं। शुक्र है कि अदालत ने सरकार को नोटिस नहीं भेजा, क्योंकि देश में सैंपल कलेक्शन और पैथ लैब को लेकर कोई मानक प्रक्रिया ही नहीं है। जांच की गुणवत्ता पर भी सवाल उठते रहे हैं, क्योंकि पैथ लैब की रपटों में गहरी भिन्नता है। यह कोरोना की पूर्व लहरों के दौरान महसूस किया जा चुका है। फिलहाल केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक आदि राज्यों में संक्रमण का ज्यादा प्रभाव देखा गया है। अकेले केरल में ही संक्रमित मरीजों की संख्या 1500 के पास पहुंच चुकी है। आर्थिक राजधानी मुंबई और देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। फिलहाल मौतों की संख्या आधा दर्जन है और 146 करोड़ की आबादी वाले देश में यह आंकड़ा नगण्य है। अभी तक जो मौतें हुई हैं, वे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, निमोनिया, गुर्दे की पुरानी बीमारी, एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम आदि पहले से ही मौजूद बीमारियों के कारण हुई हैं, लेकिन चिकित्सकों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि कोरोना संक्रमण का असर कितना था? जिन राज्यों में संक्रमण तेजी से फैल रहा है, वे बेहतर संसाधनों और स्वास्थ्य ढांचे वाले राज्य हैं, लिहाजा उनकी जिम्मेदारी अधिक है कि संक्रमण का न्यूनतम विस्तार होना चाहिए। 2020-22 के दौरान भी कोरोना की शुरुआत इसी तरह हुई थी। अंततः 5.3 लाख मौतें दर्ज की गईं। जो मौतें दर्ज नहीं की जा सकीं, उनका आंकड़ा भी काफी होगा! गैर-सरकारी संगठन और एजेंसियां यह संख्या 45-47 लाख मानती हैं। बहरहाल उतनी दहशत में आने की जरूरत नहीं है, क्योंकि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) का कहना है कि ज्यादातर कोरोना संक्रमण हल्के हैं। उन्होंने एलएफ-7, एक्सएफजी, जेएन-1 और एनबी-1.8.1 जैसे कुछ सब-वेरिएंट की पहचान की है। उनमें एलएफ-7, एक्सएफजी और जेएन-1 सबसे सामान्य हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मई, 2025 तक ऐसे कोरोना वायरस को 'वेरिएंट्स अंडर मॉनिटरिंग' के वर्ग में रखा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन में मुख्य वैज्ञानिक रह चुकीं सौम्या स्वामीनाथन ने भी कहा है कि यह 2020-21 के भयानक दौर की वापसी का संकेत नहीं है, लेकिन इसके मायने ये भी नहीं हैं कि इसको हल्के में लिया जाए। चूंकि भारत में 70 फीसदी से अधिक आबादी में कोरोना का टीकाकरण हो चुका है, लिहाजा महामारी विशेषज्ञों और मेडिकल बिरादरी का मानना है कि कोरोना का मौजूदा वेरिएंट 'मौसमी फ्लू' से कुछ ही ज्यादा है। लेकिन थाईलैंड की खबर है कि वहां करीब 2.5 लाख लोग कोरोना की गिरफ्त में आ चुके हैं। यह सही है कि इस संक्रमण के लक्षण हल्के हैं, लेकिन पहले से गंभीर बीमारियों के शिकार लोगों, बच्चों और बुजुर्गों को किसी भी तरह की लापरवाही भारी भी पड़ सकती है। भारत में सिर्फ कोरोना का ही संकट नहीं है, लेकिन एच5एन1, डेंगू, चिकनगुनिआ, निपाह, जीका आदि खतरनाक वायरसों की घर-घर चर्चा है। ये संक्रमण भी फैलते हैं और मौतें भी होती हैं। हमने इनसे सबक सीखे हैं। जन स्वास्थ्य मशीनरी में जहां भी कमजोर कड़ी दिखाई देती है, उसे बेनकाब किया जाता है। हालांकि इन पर भी सवाल हैं। वायरस की नस्ल की पहचान करने में ही लंबा वक्त खर्च हो जाता है, संक्रमण के अनुपात में ऐसी प्रयोगशालाएं बेहद कम हैं, जिनमें पूरी तरह जांच के उपकरण हों। क्या हमने उनकी जिम्मेदारी तय की है? हमारी निगरानी प्रणालियां, स्वास्थ्य ढांचा और सामुदायिक देखभाल भी पर्याप्त नहीं हैं। कोरोना इस बार खतरा साबित न हो, लेकिन हम नहीं जानते कि कब, कहां और कौन-सा वायरस फैल सकता है और हम मौत के मुहाने तक पहुंच सकते हैं। बहरहाल, चिंतित होने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्कता बरतना बहुत जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर इससे निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम कर लेने चाहिएं।

> हमारी निगाह संक्रमित मरीजों की संख्या पर थी। आश्वस्त किया जा रहा था कि कोरोना वायरस की यह नस्ल उतनी भयावह नहीं है, जितनी हम कोरोना की तीन लहरों के दौरान देख और झेल चुके हैं। यह नस्ल संक्रामक जरूर है, तेजी से फैलती है, लेकिन अपेक्षाकृत मारक नहीं है, लिहाजा चिंता न करें, लेकिन सावधानी जरूर बरतें। अब देश में संक्रमित लोगों की संख्या 4000 को पार कर चुकी है और दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी हस्तक्षेप कर केंद्र सरकार से स्टेटस रपट तलब की है, तब हम भी कुछ चिंतित हुए हैं। शुक्र है कि अदालत ने सरकार को नोटिस नहीं भेजा, क्योंकि देश में सैंपल कलेक्शन और पैथ लैब को लेकर कोई मानक प्रक्रिया ही नहीं है। जांच की गुणवत्ता पर भी सवाल उठते रहे हैं, क्योंकि पैथ लैब की रपटों में गहरी भिन्नता है। यह कोरोना की पूर्व लहरों के दौरान महसूस किया जा चुका है। फिलहाल केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक आदि राज्यों में संक्रमण का ज्यादा प्रभाव देखा गया है।

आप का नजरिया

क्यों रूठा खेत से पर्यावरण

सेब के पौधों के नीचे बंदर की बर्बरता के निशान उस बागबान से पूछें जिसकी फसल को जंगली जानवर तबाह कर देते हैं। निकली ये आहें हमारी ही जमीं की, हम समझते पर्यावरण चोरी हो गया। मजबूर किसान या बागबान आवारा पशुओं, वन्य प्राणियों या बंदरों से आजिज होकर अंततः अपने इर्द-गिर्द की हरियाली को ही रुखसत करता है। हिमाचल में पर्यावरणीय चेतना खेत के बजाय, जंगल में योद्धा है, जहां से निकल वन्य प्राणी या तो खेत खोद रहे हैं या फलोत्पादन की वजह रोक रहे हैं। हर फसल से मिट्टी का स्वास्थ्य पूछा जाता है, तो खेत से बहती हवा का रास्ता घर तक पूछा जाता। पूरी घाटियां कभी खेती के गीत गाती थीं, आज मानवीय प्रगति के नश्तर लिए कंक्रीट के जंगल उगा रही हैं। आश्चर्य है खेत को बंजर बनाने की प्रक्रिया को हमने पर्यावरण संरक्षण में नहीं समझा। पर्यावरण अनुकूल खेती तब होगी, अगर खेत आवारा पशुओं या बंदरों से बच जाएंगे। खाद में रसायन और झाड़ में कीटनाशक कम होंगे। पर्यावरण के प्रति जागरूकता का अर्थ धरती-परिवेश से जुड़ाव है, लेकिन हमारे जीवन से सामुदायिक भावना ही विलुप्त हो चुकी है। जीवन के प्रति हमारी संवेदना, घर के व्यक्तित्व में रिसाव और जीवनशैली में शहरीकरण की घुसपैठ से सब कुछ बदल गया। हम कभी पर्यावरण को अपनी दिनचर्या और परिवेश से रिश्ते में महसूस करते थे। अब न तो खेत हमारे करीब रहा और न ही खेत हरियाली के लायक रहा। भूमि सुधार कानून में सामाजिक उत्थान की परिकल्पना तो की, लेकिन अधिकारों की नई जंग में खेत का चरित्र बदल गया। मुजारों को मिली जमीन अब खेती की तपस्या के बजाय बिक्री का सामान हो गई। लैंड सीलिंग एक्ट ने वास्तव में खेत के आचरण की ही सीलिंग कर दी। राजनीति जो सोचती है, उसके विपरीत यथार्थ के प्रश्न संबोधित होते हैं। जहां से चारा मिलता था या जिस चरागाह में पशुधन को जीने का गुजारा मिलता था, वहां वनीकरण की कोंपलों में चीड़ के सख्त दरख्त ने, किसान के पशुओं से रिश्ते भी सख्त कर दिए। आधुनिकता और आधुनिक उपकरणों की सुविधा ने मिट्टी से हल छीन लिया, तो सारा पशुधन आवारा बन कर खेत को चरागाह मानने लगा। कभी नौतोड़ जमीनों का आबंटन इस शर्त पर हुआ कि लैंडलैस किसान फसल उगाएंगे, लेकिन ये जमीनें भी बिक कर पर्यावरण विरोधी हो गईं। पर्यावरण विरोधी हो गया गांव का घराट, क्योंकि इसके पत्थर नवनिर्माण में लग गए। जो राज्य बाहरी प्रदेशों से दूध आयातित करता हो, वहां पर्यावरणीय क्षति की तहजीब बन रही है। लोग खेतों को खेती से दूर रखकर पालतू पशुओं को भी डिपो का सस्ता राशन खिला रहे हैं। अब खेत तक नहीं आती कूहल, लेकिन पूरी बरसात जब आती है तो मिट्टी का क्षरण मांग करता है कि जल-पोषक तत्व प्रबंधन किया जाए। आश्चर्य यह कि पर्यावरण के नाम पर जंगल की वकालत में हमारी योग्यता की जमीन पर भी कोई मंजर न रहा। हम पराली तो नहीं, घास के लिए जंगल जलाते हैं। अब पुनः कोशिश है कि जैविक या प्राकृतिक खेती की सुगंध पर्यावरण में फैले। पांगी घाटी हो या लाहुल-स्पीति के खेत, वहां खेती से जुड़ा पर्यावरण मानवीय जीवन के वास्तविक आधार को पुष्ट करता है। हाइड्रोपोनिक्स व पारंपरिक मिट्टी आधारित खेती की तरफ मुड़ेंगे, तो घर आंगन तक पर्यावरण का सौहार्द आएगा।

प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा

बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की जटिल पर्यावरण समस्या

ललित गर्ग

> जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है।

बढ़ते तापमान, बदलते जलवायु एवं ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इंसानों को प्रकृति, पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति सचेत करने के लिये विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून को मनाया जाता है, जो पर्यावरण, प्रकृति एवं पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय दिवस है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोज्य यह दिवस दुनिया भर के लाखों लोगों को हमारे ग्रह की सुरक्षा और पुनर्स्थापना के साझा मिशन के साथ एकजुट करता है। बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया की एक गंभीर एवं जटिल समस्या है, इसीलिये 2025 में इस दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने पर केंद्रित है। कोरिया गणराज्य वैश्विक समारोह की मेज़बानी करेगा। दशकों से प्लास्टिक प्रदूषण दुनिया के हर कोने में फैल चुका है, यह हमारे पीने के पानी, हमारे खाने, हमारे शरीर, हमारे पर्यावरण में समा रहा है। इस प्लास्टिक कचरे की गंभीर समस्या से निपटने का एक वैश्विक संकल्प निश्चित ही एक समाधान की दिशा बनेगा। हर साल 430 मिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है, जिसमें से लगभग दो-तिहाई केवल एक बार उपयोग के लिए होता है और जल्दी ही फेंक दिया जाता है। 1973 से संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में पर्यावरण जागरूकता के लिए यह दिवस सबसे बड़ा वैश्विक अभियान बन गया है, जो आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए 150 से अधिक देशों के विशाल वैश्विक दर्शकों को शामिल करता है। गत वर्ष इस दिवस की मेजबानी करते हुए सऊदी अरब ने भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सकारात्मक प्रयासों का जश्न मनाया और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले निजी और परोपकारी संगठनों के लिए अधिक समर्थन और वित्त पोषण की घोषणा की। यह सर्वविदित है कि इंसान व प्रकृति के बीच गहरा संबंध है। इंसान के लोभ, सुविधावाद एवं तथाकथित विकास की अवधारणा ने पर्यावरण का भारी नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण न केवल नदियां, वन, रेगिस्तान, जलस्रोत सिकुड़ रहे हैं बल्कि ग्लेशियर भी पिघल रहे हैं, तापमान का 50 डिग्री पार करना जो विनाश का संकेत तो है ही, जिनसे मानव जीवन भी असुरक्षित होता जा रहा है। इन वर्षों में बढ़ी हुई गर्मी एवं तापमान ने न केवल जीवन को जटिल बनाया बल्कि अनेक लोगों की जान भी गयी। पूरी दुनिया में बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है, संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र को मृत क्षेत्रों में बदल रहा है और मानव जीवन पर तरह-तरह के खतरे पैदा कर रहा है। प्रकृति को पस्त करने, वायु एवं जल

प्रदूषण, कृषि फसलों पर घातक प्रभाव, मानव जीवन एवं जीव-जन्तुओं के लिये जानलेवा साबित होने के कारण समूची दुनिया में बढ़ते प्लास्टिक एवं माइक्रोप्लास्टिक के कण एक बड़ी चुनौती एवं संकट है। पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जतायी गई थी। दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसे तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण-अध्ययन चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, प्रकृति, पर्यावरण, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी एक गंभीर संकट है। संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है। ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है। दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है। इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना न केवल प्रकृति, कृषि, पर्यावरण वरन मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है। जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए और सरकारों को इस संकट से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये योजनाएं बनानी चाहिए, इसके लिये इस वर्ष की थीम से व्यापक बदलाव की संभावनाएं हैं। माइक्रोप्लास्टिक हमारे वातावरण का एक हिस्सा बन चुके हैं। प्लास्टिक की बहुलता एवं निर्भरता के कारण मौत हमारे सामने मंडरा रही है। हम चाहकर भी प्लास्टिकमुक्त जीवन की कल्पना नहीं कर पा रहे हैं, प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को देखते हुए विभिन्न देशों की सरकारों ने ठान लिया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए कोई जगह नहीं होगी। भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व में ही देश को स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्लास्टिक कचरे से मुक्त करने की अपील करते हुए एक महाभियान का शुभारंभ कर चुके हैं। प्लास्टिक के कारण देश ही नहीं, दुनिया में विभिन्न तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके सीधे खतरे दो तरह के हैं। एक तो प्लास्टिक में ऐसे बहुत से रसायन होते हैं, जो कैंसर का कारण माने जाते हैं। इसके अलावा शरीर में ऐसी चीज जा रही है, जिसे हजम करने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है, यह भी कई तरह से सेहत की जटिलताएं पैदा कर रहा है। इसलिए आम लोगों को ही इससे मुक्ति का अभियान छेड़ना होगा, जागृति लानी होगी। शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है। अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 हजार प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं। पिछली सदी में जब प्लास्टिक के विभिन्न रूपों का अविष्कार हुआ, तो उसे विज्ञान और मानव सभ्यता की बहुत बड़ी उपलब्धि माना गया था, अब जब हम न तो इसका विकल्प तलाश पा रहे हैं और न इसका उपयोग ही रोक पा रहे हैं, तो क्यों न इसे विज्ञान और मानव सभ्यता की सबसे बड़ी असफलता एवं त्रासदी मान लिया जाए? अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे ने यहां बारिश के पानी के नमूने जमा किए। ये नमूने सीधे आसमान से गिरे पानी के थे, बारिश की वजह से सड़कों या खेतों में बह रहे पानी के नहीं। जब इस पानी का विश्लेषण हुआ, तो पता चला कि लगभग 90 फीसदी नमूनों में प्लास्टिक के बारीक कण या रेशे थे, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि हम इन्हें आंखों से नहीं देख पाते। लगातार पांव पसार रही माइक्रोप्लास्टिक की तबाही इंसानी गफलत को उजागर तो करती रही है, लेकिन समाधान का कोई रास्ता प्रस्तुत नहीं कर पाई। ऐसे में अगर विश्व पर्यावरण दिवस पर प्लास्टिक के संकट का दूर करने की कुछ ठानी है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। प्लास्टिक प्रदूषण की उससे भी ज्यादा खतरनाक एवं जानलेवा स्थिति है, यह एक ऐसी समस्या बनकर उभर रही है, जिससे निपटना अब भी दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है। कुछ समय पहले एक खबर ऐसी भी आई थी कि एक चिड़ियाघर के दरियाई घोड़े का निधन हुआ, तो उसका पोस्टमार्टम करना पड़ा, जिसमें उसके पेट से भारी मात्रा में प्लास्टिक की थैलियां मिलीं, जो शायद उसने भोजन के साथ ही निगल ली थीं। कनाडाई वैज्ञानिकों द्वारा माइक्रोप्लास्टिक कणों पर किए गए विश्लेषण में चौंकाने वाले नतीजे मिले हैं। विश्लेषण में पता चला है कि एक वयस्क पुरुष प्रतिवर्ष लगभग 52000 माइक्रोप्लास्टिक कण केवल पानी और भोजन के साथ निगल रहा है। इसमें अगर वायु प्रदूषण को भी मिला दें तो हर साल करीब 1,21,000 माइक्रोप्लास्टिक कण खाने-पानी और सांस के जरिए एक वयस्क पुरुष के शरीर में जा रहे हैं। अमेजन एवं फिलीपकार्ट जैसे आनलाइन व्यवसायी प्रतिदिन 7 हजार किलो प्लास्टिक पैकेजिंग बैग का उपयोग केवल भारत में करते हैं। इन कम्पनियों को भी प्लास्टिकमुक्त दुनिया के घेरे में लेने के लिये कठोर कदम उठाने चाहिए। संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं।

देश दुनिया से

कर्म, विकर्म और अकर्म

जैसे जैसे मुझे जीवन की कुछ समझ आ रही है, वैसे-वैसे सिर्फ एक बात साफ नजर आनी शुरू हुई है कि अगर हम सचमुच जीवंत जीवन जीना चाहते हैं, तो हमें प्रकृति के नजदीक जाना होगा और प्राकृतिक जीवन जीना होगा, या प्रकृति को अपने जीवन में उतारना होगा। बचपन से ही हम 'असतो मा सद्गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योर्मामृतं गमय' प्रार्थना गाते आए हैं जिसका अर्थ है कि हे प्रभु, हमें असत्य से सत्य की ओर ले चलो, अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो, मृत्यु से अमरता की ओर ले चलो। आइए, इस प्रार्थना पर थोड़ा गहराई से विचार करें। हम कहीं भी हों, परिवार में, दोस्तों में, नौकरी अथवा व्यवसाय में, या फिर समाज में, समस्याएं तो आती ही हैं। समस्याएं जीवन का शाश्वत सत्य हैं। जीवन है तो समस्याएं हैं, चुनौतियां हैं, फर्क यही है कि उन चुनौतियों के प्रति हमारा दृष्टिकोण क्या है और हम समस्याओं से कैसे निबटते हैं। समस्या आने पर हमारी प्रतिक्रिया हमारे जीवन को परिभाषित करती है। हमारी योग्यता के साथ-साथ हमारा व्यवहार भी हमारे जीवन का पैमाना गढ़ता है। अनुशासन में रहकर अपने काम में मन लगाना, पूरे मनोयोग से काम करना हमारी सफलता का कारण बनता है। जब हम मन लगाकर काम करते हैं तो हमारी कुशलता बढ़ती चलती है और हम एक्सपर्ट बन जाते हैं। इससे हमारा सम्मान बढ़ता है और प्रमोशन अथवा सफलता के अवसर बढ़ जाते हैं। जैसे-जैसे हम वरिष्ठ पदों पर आगे बढ़ते हैं, वैसे-वैसे अपने सहकर्मियों से हमारे संबंधों का महत्त्व बढ़ता चला जाता है। यह समझना आवश्यक है कि सहकर्मियों से सार्थक मेलजोल हमारी सफलता की सीढ़ी है। इससे हमें सफलता ही नहीं, खुशी भी मिलेगी। खुशी के बिना सफलता अधूरी ही नहीं, अर्थहीन है क्योंकि हमने सफल माने जाने वाले लोगों को, अमीर लोगों को, शक्तिशाली और समर्थवान लोगों को भी आत्महत्याएं करते हुए देखा है। अपने आप में ही सीमित हो जाने वाले लोग अकेले पड़ जाते हैं, पैसा और साधन होने के बावजूद किसी को अपना दुख बता नहीं पाते और सारा जीवन निराशा में बिता देते हैं, यही नहीं कभी-कभी तो आत्महत्या जैसे अतिवादी कदम भी उठा लेते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि हम केवल सफलता की दौड़ का घोड़ा बन कर न रह जाएं, बल्कि अपने आप से भी प्यार करना सीखें, मनचाही हॉबी विकसित करें और खुश रहें। अच्छा स्वास्थ्य, सफल कैरिअर और खुशनुमा जीवन ही हमारी जीवंतता की निशानी हैं, इसलिए हमें सदैव प्रयत्न करना चाहिए कि हम खुद पर भी ध्यान दें, अपने लिए समय निकालें, सैर करें, प्रकृति का आनंद लें, ठीक से भोजन करें और खुश रहें। जीवन में खुशियों और सफलता का यही एकमात्र मंत्र है। अब इसी को एक और नजरिये से भी देखते हैं। हम भारतीय लोग श्रीमद्भगवद्गीता को हर तरह के ज्ञान का सार मानते हैं और आदर्श जीवन की संहिता का-सा सम्मान देते हैं। भगवान श्री कृष्ण ने इसमें भक्ति योग, कर्म योग, राज योग और ज्ञान योग की व्याख्या की है। इसके साथ ही उन्होंने निष्काम कर्म की महत्ता को रेखांकित किया है। सात्विकता की, अध्यात्म की राह कोई भी हो, उन सब में कर्म एक अनिवार्य अंश है। हम कर्म के बिना रह ही नहीं सकते क्योंकि चाहे यह सायास हो या अनायास, पर जीवित रहने के लिए सांस लेना भी तो एक कर्म ही है। सांस लेना एक कर्म है, सोचना एक कर्म है। जीवन भर हम कर्म तो करते ही रहते हैं। कर्म की इसी महत्ता का परिणाम है कि भगवान श्री कृष्ण ने बार-बार जोर देकर अर्जुन को निष्काम कर्म के लिए प्रेरित किया है। निष्काम कर्म को समझना हो तो हमें कर्म, विकर्म और अकर्म के भेद को समझना होगा। हमारे दिमाग में दिन भर में जो विचार चलते रहते हैं, उनमें से कोई विचार हमारी कोई इच्छा बन जाए, कामना बन जाए, चाहत बन जाए तो हम उस पर फोकस हो जाते हैं। अब शुरू होता है इच्छापूर्ति के लिए काम। हम किसी भी तरह से अपनी उस इच्छा को, उस सपने को साकार करना चाहते हैं। इच्छा साकार हो जाए तो कुछ देर के लिए हम खुश हो जाते हैं और फिर किसी नई इच्छा की पूर्ति में लग जाते हैं। इच्छा पूरी न हो पाए, हमारा सपना साकार न हो पाए तो हम निराश हो जाते हैं, क्रोधित हो जाते हैं, शिकायतें करने लगते हैं, किस्मत को, हालात को या परमात्मा को दोष देने लग जाते हैं। जीवन में दुखों का मूल यही है। कामनापूर्ति के लिए किया गया हर काम हमारा 'कर्म' है। हम विद्यार्थी हों, नौकरी में हों, व्यवसाय में हों, वैज्ञानिक हों, खिलाड़ी हों, अभिनेता हों, राजनीतिज्ञ हों या कुछ भी और हों, अगर हम अपनी जिम्मेदारी पूरी न करें, काम न करने के बहाने खोजते रहें, तो यह 'विकर्म' है। काम से भाग जाना, काम न करना, अधूरे मन से काम करना, दिखावे का काम करना आदि सब विकर्म के उदाहरण हैं। अर्जुन कुरुक्षेत्र में युद्ध के मैदान में कौरवों की सेना के सामने खड़े हैं और युद्ध से विचलित हो रहे हैं। युद्ध से बचना संभव नहीं है, उस समय युद्ध उनका कत्र्तव्य है, तो भी अर्जुन निराश हैं, और युद्ध के मैदान में होने के बावजूद हथियार छोडक़र अपने रथ के पिछले हिस्से में जा बैठे, अगर वे युद्ध न करते तो यह उनका 'विकर्म' होता।

कुछ अलग

बड़ा जूता, अधिक पॉलिश

यह एक अजब हृदयहीन विसंगति है कि यहां मौत की पालिश से लोकप्रिय राजनीति के जूते को चमकाया जाता है। जूता जितना बड़ा हो, पालिश भी उतनी ही ज्यादा लगती है। बेशक हर मरने वाला प्रताड़ित होता है। सदियों से ऐसा ही होता चला आया है, लेकिन मारने वाले से बचाने वाला बड़ा है, जैसे स्थापित स्वर्णिम सूत्र आजकल नहीं चलते। अब तो यह देखना होता है कि मरने वाला है कौन? किस वर्ग का है, किस जाति का है? क्या वह किसी मुद्दे को उठाते हुए मरा या किसी विद्रोही अभियान में नारा लगाते हुए? वह क्या किसी चलती सडक़ पर अवरोध बन रहा था या अवरोध को उखाड़ कर रास्ता साफ कर रहा था? सीधी बात कहें, तो जो मर गया, क्या उसे किसी लिहाज से शहीद कहा जा सकता है? क्या वह किसी नारे को सार्थक कहते हुए बलिदान हुआ, या कि वैसे ही किसी अंधाधुंध वाहन की चपेट में आकर मर गया। देखिये जो तो सडक़ों पर पड़े नए-पुराने गड्ढा पहलवानों की चपेट में आ गए या नशे से बदमस्त किसी धनकुबेर के वाहन की चपेट में आए, वे सबसे अभागे हैं, क्योंकि इस मौत के प्रतिकार की चिल्लाहट लोकप्रिय राजनीति का कोई बड़ा बूट नहीं चमकाती। ये मामूली और पुरानी बातें हैं। अगर नशा माफिया की कृपा से मदमस्त धनकुबेर आधी रात को वाहन भगाते हैं, और कोई दीन-हीन फुटपाथी इसकी चपेट में आ गया, तो यह अवैध नशों द्वारा बांटा जाने वाला वह पुराना दुर्भाग्य है कि जिसके फलस्वरूप हर रोज या सप्ताह या महीने में फुटपाथी लोग काल-कलवित होते रहते हैं, या मृतकों का आंकड़ा बढ़ाते हैं। इसमें अधिक से अधिक एक विरोधी वक्तव्य प्रकाश में आएगा, कि लीजिये नशा माफिया पर लगाम लगाने का प्रण चुनावी एजेंडे में था, पूरा नहीं हुआ। इस बार हमें वोट देकर सत्ता की बागडोर दे दो, हम इसे पूरा कर देंगे। और अगर सडक़ों पर खुदे नए-पुराने गड्ढों से जान गई, तो यह मामला प्रशासन के निकम्मेपन का है, या बढ़ते हुए स्थानीय भ्रष्टाचार का है, जिसमें ऐन बारिश से पहले बनी बनाई सडक़ों को खोद स्मार्ट सिटी अभियान चलते हैं, की टिप्पणी बनती है। मौसम से लेकर पावर कट के झंझावात में लोग लुढक़ कर अपनी जान से जाते हैं। अधिक से अधिक यह भ्रष्टाचार के विरुद्ध रोना रोने का मामला है, जो इतना पुराना हो गया कि अब तो खबरों का फुटनोट बनता है, लोकप्रिय राजनीति का जूता क्या चमकाएगा? देश भ्रष्टाचार के सूचकांक में एक पायदान और चढ़ गया। यह जानना आजकल इतनी सामान्य बात हो गई है, जितनी कि यह जानना कि इस भीड़ भरे देश में अगर कोरोना का टीका भी कतार तोड़ आसानी से लगवाना हो तो किसी प्रभावशाली संपर्क की सीढ़ी का सहारा लो। वह छत पर तुरंत पहुंचा देगा।

दृष्टि कोण

पर्यावरण संरक्षण पर आश्रित मानव जीवन

आज पर्यावरण संरक्षण को लेकर देशव्यापी और विश्वव्यापी सेमिनार हो रहे हैं। कार्यशालाओं में व्याख्यान दिए जा रहे हैं और स्कूली विद्यार्थियों द्वारा रैलियां निकाली जा रही हैं। लेकिन धरातल पर प्रदूषण की मार और बदहाल तस्वीर यत्र, तत्र और सर्वत्र देखी जा सकती है। भारतीय संस्कृति एवं शास्त्रों में आज से हजारों वर्ष पूर्व पर्यावरण की सुरक्षा और वृक्षों को लेकर अनेक प्रार्थनाएं पढने को मिलती हैं। मत्स्य पुराण में कहा गया है कि, '10 कुओं के बराबर एक बावड़ी होती है, 10 बावडियों के बराबर एक तालाब होता है, 10 तालाबों के बराबर एक पुत्र होता है और 10 पुत्रों के बराबर एक वृक्ष होता है।' लेकिन हम लोग क्या कर रहे हैं, बेरहमी से वृक्षों का कटान कर रहे हैं। भारत की ज्ञान परंपरा कितनी विवेकसम्मत रही है इसका जीवंत उदाहरण यजुर्वेद के इस मंत्र से बढिया और कोई नहीं हो सकता है जिसमें साधक द्वारा जगत के समस्त जीवों, वनस्पतियों और प्रकृति में शांति बनी रहे, इसकी प्रार्थना की गई है : 'ओउम द्यौ : शान्तिरन्तरिक्षं शान्तिः पृथ्वी शान्तिरापः शान्तिरोषधयः शान्तिः। वनस्पतयः शान्तिर्विश्वे देवाः शान्तिर्ब्रह्म शान्तिः सर्व शान्तिः शान्तिरेव शान्तिः सा मा शान्तिरेधि॥ ओउम शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥' अर्थात- 'हे जगत के परमसत्ता परब्रह्म-परमेश्वर, शांति स्थापित करें, तीनों लोकों में, जल में, धरती में और आकाश में, अन्तरिक्ष में, अग्नि में, पवन में, औषधि में, वनस्पति, वन में, उपवन में सम्पूर्ण विश्व में, अवचेतन में शांति करें। जीवमात्र के हृदय में, मुझमें, तुझमें शांति करें। जगत के कण कण में शांति हो। ओउम शांति शांति शांति।' स्पष्ट है कि आज हमें अपनी प्राचीन संस्कृति में निहित इन्हीं ज्ञान परंपराओं का अनुपालन करने की आवश्यकता है। विश्व ने प्लास्टिक प्रदूषण से हो रही बर्बादी को लेकर 45वें विश्व पर्यावरण दिवस की थीम- 'प्लास्टिक प्रदूषण की समाप्ति' को इस बार भी यदि अपनी थीम घोषित किया है, तो आप इस एकमात्र तथ्य से अंदाजा लगा सकते हैं कि आज प्लास्टिक प्रदूषण को लेकर परिस्थितियां कितना भयावह रूप ले चुकी हैं। हम सभी जानते हैं कि यह जानलेवा पदार्थ प्राणियों की जिंदगी के लिए घातक है। विश्व की कुल पेट्रोलियम खपत का 4 फीसदी प्लास्टिक के उत्पादों के निर्माण हेतु इस्तेमाल किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार आज पूरे विश्व में प्रति वर्ष 500 अरब प्लास्टिक थैलियों का प्रयोग किया जाता है और हर साल 80 लाख टन प्लास्टिक कचरा समुद्र में गिराया जाता है जो कि समुद्री पर्यावरण एवं महासागरीय जीव जंतुओं, मछलियों तथा वनस्पतियों के लिए बेहद घातक है। आज दुनिया के महासागरों, नदियों और झीलों में 2000 ट्रकों के बराबर प्लास्टिक कचरा प्रतिदिन फेंका जाता है और प्लास्टिक प्रदूषण अब एक वैश्विक समस्या बन चुकी है। ग्लोबल एलायंस ऑफ हेल्थ एंड पॉल्यूशन तथा डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में जितने लोग कुपोषण, टीबी, मलेरिया से नहीं मरते उससे कहीं ज्यादा पर्यावरण प्रदूषण से मरते हैं। हिमाचल प्रदेश को प्रकृति का भरपूर प्यार, स्नेह, सान्निध्य और आशीर्वाद प्राप्त है और शायद प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के दृष्टिगत ही हिमाचल प्रदेश सरकार ने एक कानून के अंतर्गत 15 अगस्त 2009 से प्लास्टिक थैलियों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी थी। हिमाचल सरकार ने थर्मोकोल से बनी प्लेटों, डूनों और गलासों के प्रयोग पर भी रोक लगाई हुई है, जोकि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। यह सही है कि आजकल हमारे विद्यालयों में प्राइमरी कक्षाओं से ही विद्यार्थियों को अपने परिवेश और पर्यावरण से जुड़े पाठों को पढ़ाया जाता है और पर्यावरण जागरूकता को लेकर कई प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर सामाजिक जागरूकता एवं चेतना जगाने का कार्य भी बढ़-चढक़र किया जाता है, फिर भी पर्यावरण प्रदूषण का खतरा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। विज्ञान के क्षेत्र में हुई नई खोजों और आविष्कारों से भले ही आज हमारी जीवनशैली क्यों न बदल गई हो, लेकिन प्रकृति को हुए नुकसान और बिगड़े हुए संतुलन का जिम्मा कौन उठाएगा यह सवाल बरकरार है। जल, वायु, ध्वनि, प्लास्टिक और औद्योगिक प्रदूषण से हमारी प्रकृति को नुकसान पहुंच रहा है तो वहीं हमारे बच्चों के स्वास्थ्य को भी खतरा उत्पन्न हो गया है। ऋतु चक्कर गड़बड़ा गया है तो कार्बन डाइऑक्साइड की बढ़ती मात्रा के कारण ग्लोबल वार्मिंग का खतरा बढ़ गया है।

राजशाही समर्थकों का काठमांडू केन्द्रित प्रदर्शन समाप्त, जिला केंद्रित प्रदर्शन की बनी रणनीति

काठमांडू, 05 जून (एजेंसियां) ।

देश में राजशाही की वापसी को लेकर चलाए जा रहे काठमांडू केन्द्रित प्रदर्शन समाप्त होने की घोषणा करते हुए आगे से जिला और शहर केंद्रित प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई है।

राजशाही की वापसी को लेकर संयुक्त रूप से आंदोलन कर रहे सभी राजनीतिक दल और संस्थाओं की बुधवार को हुई बैठक के बाद काठमांडू केन्द्रित प्रदर्शन को स्थगित करने का निर्णय किया गया। इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन की अनुपस्थिति में हुई इस बैठक में पहले चरण के आंदोलन के समाप्ति की घोषणा की गई।

संयुक्त जन आंदोलन संघर्ष समिति की तरफ से इसके संयोजक नवराज सुवेदी ने बुधवार की देर रात को बयान जारी करते हुए आने वाले दिन में जिला और शहर केंद्रित प्रदर्शन होने की जानकारी दी है। उन्होंने इन प्रदर्शनों में नेपाली सेना, नेपाल पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों के अवकाश प्राप्त अधिकारियों और जवानों को अधिक से अधिक सहभागी होने की अपील की है।

बताया जा रहा है कि राजशाही की मांग को लेकर संयुक्त रूप से आंदोलन में उतरे राजनीतिक दल और संस्थाओं के बीच में मनमुटाव के कारण काठमांडू केन्द्रित प्रदर्शन को स्थगित करते हुए इसे प्रथम चरण का आंदोलन समाप्त होने की बात कही गई है। इस बैठक से राजेन्द्र लिंगदेन की अनुपस्थिति ने उनके बीच में चल रहे आपसी विवाद की खबरों को और अधिक बल दिया है। बैठक के दौरान दूसरे बड़े नेता कमल थापा के बोलने के समय भी काफी हंगामा हुआ था।

न्यूज ब्रीफ

संयुक्त राष्ट्र ने मेजर जनरल डिओदातो अबागनारा को युनिफिल का नया प्रमुख नियुक्त किया

UNITED NATIONS

न्यूयॉर्क/बेरूत। संयुक्त राष्ट्र ने लेबनान में तैनात संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूनिफिल) के नए प्रमुख के रूप में मेजर जनरल डिओदातो अबागनारा की नियुक्ति की घोषणा की है। वे लेफ्टिनेंट जनरल आरोल्डो लाजारो साएन्ज का स्थान लेंगे। यूनिफिल की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि अबागनारा अब इस महत्वपूर्ण शांति मिशन का नेतृत्व करेंगे, जो दक्षिण लेबनान में इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष विराम की निगरानी करता है। हालांकि 2006 के युद्ध के बाद आधिकारिक तौर पर संघर्ष विराम लागू है, लेकिन इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच सीमा पार हमले अब भी जारी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने हाल के महीनों में दक्षिण लेबनान में हवाई हमले तेज किए हैं, जिनमें बेरूत के दक्षिणी उपनगरों को भी निशाना बनाया गया है, ये इलाके हिज्बुल्लाह का गढ़ माने जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र का यह मिशन क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए 1978 से कार्यरत है और फिलहाल इसमें लगभग 10,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सैनिक तैनात हैं। नए प्रमुख अबागनारा को एक जटिल और संवेदनशील सुरक्षा माहौल में शांति स्थापना और मध्यस्थता की जिम्मेदारी संभालनी होगी।

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों का बड़ा अभियान, 14 आतंकवादी ढेर

पेशावर ,05 जून। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के अफगानिस्तान सीमा से सटे एक कबायली जिले में बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को सैन्य मीडिया विंग ने जानकारी दी कि खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए इस अभियान में 14 आतंकवादियों को मार गिराया गया है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह अभियान 2 और 3 जून, 2025 को उत्तरी वजीरिस्तान जिले के दत्ता खेल में चलाया गया, जहाँ आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी।ढ्ढस्क्कक्र के बयान में कहा गया कि सुरक्षा बलों ने इलाके में एक आतंकवादी ठिकाने पर छापा मारा। इस दौरान हुई भीषण गोलीबारी में 14 आतंकवादी मारे गए। बयान में यह भी कहा गया कि क्षेत्र में अन्य आतंकवादियों का सफाया करने के लिए अभियान अभी भी जारी है। पाकिस्तानी सुरक्षा बल देश से आतंकवाद के खतरे को पूरी तरह से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और लगातार काम कर रहे हैं।

यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब हाल ही में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (ञ्जञ्जक्क) के कम से कम 41 आतंकवादी अफगानिस्तान से पाकिस्तान में घुसपैठ की कोशिश के दौरान उत्तरी वजीरिस्तान के कबायली जिले बिबक घर इलाके के पास मुठभेड़ में मारे गए थे।

मस्क बोले- बिल रुकवाने सांसद को फोन करें, अन्यथा दिवालिया हो जाएगा अमेरिका

वॉशिंगटन। टेस्ला के सीईओ और अरबपति कारोबारी एलन मस्क अब अपने दोस्त और अमेरिकी राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। उन्होंने एक्स पर आव्हान किया है कि अमेरिका लाया जा रहा बिल देश को दिवालिया बना देगा। ऐसे में जरुरी है कि लोग अपने सांसद और सीनेटर को फोन करके इसका विरोध करें। इस बीच टेस्ला सीईओ एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप के नए कानून पर एक और हमला किया है। ट्रंप सरकार में सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) की जिम्मेदारी संभालने वाले मस्क ने गुरूवार को इस बिल को लेकर नए हमले किए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इस बिल से अमेरिका कर्ज तले डूब जाएगा। मस्क ने एक्स पर लिखा, अपने सीनेटर को फोन करें, अपने सांसदों को फोन करें, अमेरिका को दिवालिया बनाना ठीक नहीं है! इस विधेयक को खत्म करें।मस्क, ट्रंप के नासा प्रशासन का नेतृत्व करने के लिए उनके एक सहयोगी के नामांकन को वापस लेने के फैसले से भी नाराज हैं। मामले से परिचित लोगों के मुताबिक इसाकमैन के करीबी सहयोगी मस्क ने उन्हें नासा का नेतृत्व सौंपने की वकालत की थी, जिसे ट्रंप सरकार ने खारिज कर दिया है। इस फैसले से मस्क नाराज हो गए हैं।

नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाला यूरोप रूस से जमकर खरीद रहा खास सामान

लंदन, 05 मई (एजेंसियां) ।

दुनिया को नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाला यूरोप अब खुद रूस से भारी मात्रा में एक खास सामान खरीद रहा है। यह सामान है उर्वरक (फर्टिलाइजर), जो यूरोपीय कृषि के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बावजूद, यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस से उर्वरक आयात में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिसके कारण कई सवाल उठ रहे हैं। यह वही यूरोप है, जिसने भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर सवाल उठाए थे। पिछले कुछ वर्षों में, यूरोपीय संघ ने रूस से तेल और गैस आयात को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। लेकिन उर्वरक के मामले में स्थिति एकदम उलट है। डीडब्ल्यू की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, रूस से यूरोप के उर्वरक आयात का हिस्सा 2022 में 17 प्रतिशत से बढ़कर अब लगभग 30 प्रतिशत हो गया है। साल 2024 में ही, उर्वरक आयात में 33 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, जिसका मूल्य करीब 2 अरब डॉलर (लगभग 1.75 अरब यूरो) है। यह उर्वरक मुख्य रूप से नाइट्रोजन-आधारित हैं, जिनका उत्पादन प्राकृतिक गैस पर निर्भर है। रूस, सस्ती गैस की उपलब्धता के कारण, इन उर्वरकों को यूरोपीय उत्पादकों की तुलना में कम कीमत पर बेच पाता है।

रूस पर निर्भरता की ये है मूल वजह - रूस दुनिया का एक प्रमुख उर्वरक उत्पादक और निर्यातक देश है। नाइट्रोजन-आधारित उर्वरक यूरोपीय कृषि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। मैकालेस्टर कॉलेज (यूएसए) के भूगोल विशेषज्ञ और संयुक्त राष्ट्र के खाद्य सुरक्षा और पोषण विशेषज्ञ पैनल के सदस्य प्रोफेसर विलियम मोसले के अनुसार, रूस सस्ती गैस का उपयोग करके इन उर्वरकों को कम लागत पर उत्पादित करता है, जिसके कारण वह यूरोपीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बना हुआ है। हालांकि, यह निर्भरता यूरोप के लिए जोखिम भरी साबित हो रही है। रूस ने हाल ही में उर्वरक निर्यात पर 10 प्रतिशत का अस्थायी निर्यात शुल्क लगाया है, जिसका उद्देश्य युद्ध प्रयासों के लिए धन जुटाना बताया जा रहा है। इसके अलावा, रूस ने 2023 में अतिरिक्त मुनाफे पर कर लगाकर लगभग 3.15 अरब यूरो जुटाए, जिनमें से 600 मिलियन यूरो उर्वरक आयात से आए।

ईरान, अफगानिस्तान समेत दुनिया के 12 देशों को नहीं मिलेगी अमेरिका में एंट्री

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ईरान, अफगानिस्तान समेत दुनिया के 12 देशों के नागरिकों की अमेरिका में एंट्री पर बैन लगा दिया है। उन्होंने बुधवार को इसकी घोषणा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल ही में इससे जुड़े एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें यह कहा गया कि आतंकवादियों और अन्य खतरों से सुरक्षा के लिए यह कदम बेहद जरूरी था।जानकारी के मुताबिक ट्रंप का यह आदेश 9 जून 2025 को आधी रात से लागू हो जाएगा। आदेश में बताया गया है कि इस तारीख से पहले जारी किए गए वीजा रद्द नहीं किए जाएंगे। ट्रंप ने एक वीडियो जारी कर कहा है कि इन देशों की सूची में और भी नाम जोड़े जा सकते हैं। ट्रंप ने कहा, हम ऐसे लोगों को अपने देश में नहीं घुसने देंगे जो हमें नुकसान पहुंचाना चाहते हैं।ट्रंप ने कहा कि जिन देशों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं वे आतंकवादियों को पनाह देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह देश वीजा सुरक्षा पर सहयोग करने में और अपने देश के नागरिकों की पहचान सत्यापित करने में भी विफल रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि इन देशों के नागरिक आपराधिक इतिहास का रिकॉर्ड रखते हैं और वीजा की अवधि से अधिक समय तक अमेरिका में रहते हुए पाए गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हाल ही में कोलोराडो में हुए हमले का भी जिक्र किया। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी ऐसे कदम उठा चुके हैं। उन्होंने पहले कार्यकाल में सात मुस्लिम बहुल देशों के यात्रियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। हालांकि ट्रंप के बाद राष्ट्रपति बने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 2021 में इन प्रतिबंधों को हटा दिया था। बाइडेन ने इस फैसले को अमेरिकी मूल्यों पर एक धब्बा भी बताया था। ट्रंप ने जिन देशों के नागरिकों पर यह प्रतिबंध लगाया है उनमें अफगानिस्तान, म्यांमार, चाड, कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, इरिट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन का नाम शामिल है। ट्रंप ने कहा है कि इन देशों के अलावा सात अन्य देशों, बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला के लोगों के प्रवेश पर आंशिक रूप से प्रतिबंध लगाया जाएगा।

गाजा युद्ध पर विरोध के बीच आयरलैंड की प्रमुख यूनिवर्सिटी ने इजराइल से तोड़े संबंध

डबलिन, 05 जून (एजेंसियां) ।

आयरलैंड की प्रतिष्ठित ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन ने बुधवार को घोषणा की कि वह इजराइल के साथ अपने सभी शैक्षणिक और कारोबारी संबंध समाप्त कर रहा है। यह निर्णय गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाइयों और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों के कथित उल्लंघनों के विरोधस्वरूप लिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह कदम कैंपस में हुए लगातार छात्र आंदोलनों और विरोध प्रदर्शनों के बाद उठाया, जिनमें इज़राइल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी।

स्थानीय मीडिय के अनुसार, विश्वविद्यालय के बोर्ड ने छात्रों को एक ईमेल भेजकर सूचित किया कि अब ट्रिनिटी कॉलेज किसी भी इजराइली कंपनी के साथ व्यापार नहीं करेगा। इजराइल आधारित सभी कंपनियों से पूंजी निवेश वापस लेगा और इजराइली विश्वविद्यालयों के साथ छात्र एवं फैकल्टी आदान-प्रदान कार्यक्रमों में कोई नया समझौता नहीं करेगा।

बयान में कहा गया है कि यह निर्णय इजराइल द्वारा अंतरराष्ट्रीय और मानवीय कानूनों के निरंतर उल्लंघन के मद्देनजर लिया गया है।

इस फैसले को छात्रों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने बड़ी जीत बताया है। वहीं, इजराइल समर्थक समूहों ने इस निर्णय की आलोचना करते हुए कहा है कि इससे शैक्षणिक स्वतंत्रता और संवाद को नुकसान पहुंचेगा।

गौरतलब है कि ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन आयरलैंड का सबसे पुराना और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय है और इसके इस फैसले को यूरोप में बढ़ते इजराइल विरोधी शैक्षणिक रुख का संकेत माना जा रहा है।

इजरायली हमले के बाद नुकसान का जायजा लेते हुए फिलिस्तीनी

गाजा में एक शरणार्थी शिविर पर हुए इजरायली हमले के बाद नुकसान का जायजा लेते हुए फिलिस्तीनी। इस शिविर में कई लोग रह रहे थे।

ट्रंप को पुतिन की दो टूक : यूक्रेन के हवाई हमलों का जवाब तो देना ही पड़ेगा

मॉस्को,05 जून (एजेंसियां) ।

यूक्रेन द्वारा रूस के सैन्य हवाई अड्डों पर किए गए बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है। पुतिन ने ट्रंप से फोन पर बातचीत में कहा कि यूक्रेन ने हमारे हवाई अड्डों पर हमला किया है और इसका जवाब तो देना ही होगा। इस संबंध में ट्रंप ने जानकारी देते हुए कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बहुत दृढ़ता से बुधवार को उन्हें फोन पर बताया कि वह सप्ताहांत में हुए रूसी हवाई अड्डों पर यूक्रेन के ड्रोन हमले का जवाब देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि पुतिन के साथ उनकी एक लंबी बातचीत हुई और यह एक अच्छी बातचीत थी, लेकिन यह ऐसी बातचीत नहीं थी जिससे तत्काल शांति स्थापित हो सके।

व्हाइट हाउस के अनुसार, अमेरिका को इस अभियान की अग्रिम सूचना नहीं थी। अमेरिका ने 24 फरवरी, 2022 से शुरू हुए

आक्रमण को रोकने के लिए हाल ही में कूटनीतिक प्रयास किया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में यह नहीं बताया कि यूक्रेन के हमले का जवाब देने के पुतिन के वादे पर उनकी क्या प्रतिक्रिया है, लेकिन उनके पोस्ट में उस हताशा का कोई संकेत नहीं दिखा जो ट्रंप ने हाल के हफ्तों में अपने रूसी समकक्ष के साथ युद्ध को लम्बा खींचने के लिए व्यक्त की थी।

ट्रंप ने युद्ध को जल्द खत्म कराने की बार-बार बात कही और यहां तक कहा कि वह शपथ लेने से पहले इसे पूरा कर लेंगे, लेकिन हाल के हफ्तों में उन्होंने पुतिन के साथ धैर्य खो दिया, सार्वजनिक रूप से उनसे लड़ाई बंद करने की अपील की। यह 19 मई के बाद से पुतिन के साथ ट्रंप की पहली ज्ञात बातचीत थी। ट्रंप के अनुसार, इस दौरान उन्होंने ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भी चर्चा की।

हैवान बने पाकिस्तान के कारोबारी ने हिंदू युवक को बेरहमी से पीटा, बहन गिड़गिड़ाती रही

कराची, 05 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार किसी से छिपा नहीं है। वायरल हो रहे एक वीडियो में साफ दिख रहा है कि एक हिंदू युवक को कारोबारी सलमान फारुख एक हिंदू युवक को बेरहमी से पीट रहा है और पीड़ित की बहन गिड़गिड़ाते हुए उससे दया की भीख मांग रही है।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि सलमान फारूक खुद सुधीर के हाथ पकड़े हुए है और उसकी गाड़ी में बैठे हुए उनके निजी सुरक्षा गार्ड लगातार सुधीर को थप्पड़ मारते हैं। कल्पना को वीडियो में अपने भाई के लिए दया की भीख मांगते हुए, हाथ जोड़कर रोते हुए सुना जा सकता है कि प्लीज उसे मत मारिए, लेकिन सलमान फारूक और उनके गार्ड्स पर इसका कोई असर नहीं हुआ। कल्पना का रोना, चिल्लाना और विनती करना भी उन्हें नहीं रोक सका।

यह घटना कराची के इत्तेहाद इलाके की बताई जा रही है। यहां एक हिंदू युवक सुधीर धुन राज

ब्यूटी पार्लर में काम करने वाली अपनी बहन कल्पना के साथ मोटरसाइकिल पर जा रहा था। बताया जा रहा है कि सुधीर की बाइक गलती से सलमान फारूक की गाड़ी से छू गई। इसके बाद जो हुआ वह कैमरे में कैद हो गया।

घटना के एक चश्मदीद, मुहम्मद सलीम की शिकायत के आधार पर गिजरी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर में सलमान फारूक और उनके सहयोगियों के खिलाफ हत्या की धमकी, शारीरिक हमला, एक महिला का उत्पीड़न, और मौखिक दुर्व्यवहार जैसे गंभीर आरोप शामिल किए गए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि फारूक को सोमवार देर रात कराची में गिरफ्तार किया गया। उनके साथ उनके सशस्त्र सहयोगी भी हिरासत में लिए गए।

जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, पाकिस्तान के भीतर और बाहर से भारी आलोचना शुरू हो गई। ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर लोग इस घटना को न सिर्फ रोड रेज बता रहे हैं, बल्कि एक धार्मिक अल्पसंख्यक हिंदू युवक के खिलाफ लक्षित हिंसा के रूप में भी देख रहे हैं। कई यूजर्स ने सवाल उठाए कि क्या पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के लिए कोई इंसाफ है क्या केवल अमीर और ताकतवर लोग ही कानून से ऊपर हैं।

यूक्रेन के छोटे और कम लागत के ड्रोनों ने रुस में मचाई तबाही

कीव। यूक्रेन ने रूस पर ड्रोन से जो सबसे बड़ा हमला किया था, उसे दुनिया की 'सबसे साहसी' ड्रोन स्ट्राइक में गिना जा रहा है। इस ऑपरेशन का नाम था ऑपरेशन स्पाइडरवेब और इसमें 100 से ज्यादा सस्ते, लेकिन बेहद स्मार्ट ड्रोन यूज़ किए गए थे। नतीजा ये हुआ कि रूस के मिलिट्री एयरबेस पर खड़े करीब 40 लॉन्ग-रेंज बमवर्षक और कई फाइटर प्लेन तबाह हो गए। रुस को तकरीबन 7 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। अब सवाल ये उठ रहा है कि क्या एक लाख के ड्रोन अब 800 करोड़ के जेट को हरा सकते हैं क्या अब एफ-35 जैसे फाइटर जेट बन जाएंगे इतिहास यूक्रेन का ये हमला रूस के पांच अलग-अलग क्षेत्रों में एक साथ किया गया। रूस के डिफेंस मिनिस्ट्री के मुताबिक ये ड्रोन रूस के कई टाइम जोन में फैले एयरफील्ड्स तक पहुंचे और वहां मौजूद अत्याधुनिक बमवर्षकों को खाक कर दिया। टीयू-95 और टीयू-22एम जैसे जेट जो यूक्रेन पर मिसाइल्स दागने के लिए जाने जाते थे, अब कबाड़ बन गए हैं। ए-50 जैसे एयरक्राफ्ट जो हवा में दुश्मन का पता लगाते थे, अब खुद शिकार हो गए। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इस ऑपरेशन को 'ब्रिलियंट' कहा और दावा किया कि इसे तैयार करने में 1 साल, 6 महीने और 9 दिन लगे थे। यही नहीं, ऑपरेशन की प्लानिंग उस बिल्डिंग से की गई जो रूस की एफएसबी के हेडक्वार्टर के पास थी। इसका मतलब ये हमला सिर्फ टेक्नोलॉजी का नहीं, हिम्मत और साइकोलॉजिकल वॉरफेयर का भी था। ये बात अब सामने आ चुकी है कि ये हमले पहले से रूस के अंदर स्मगल किए गए एफपीवी ड्रोन से किए गए। इन ड्रोन को छोटे मोबाइल वुडन हाउस में छिपाकर रखा गया था। जब सही वक्त आया, तब उन घरों की छतें रिमोट से खुलीं और ड्रोन उड़ते हुए आसमान में निकल गए।

आरबीआई का नया आदेश : एटीएम में अब छोटे नोट होंगे उपलब्ध, 500 रुपए के नोट भी जारी रहेंगे

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एटीएम से पैसे निकालने को और अधिक सरल बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। अब बैंकों और व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटरों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके एटीएम में कम से कम एक कैसेट में 100 या 200 के नोट नियमित रूप से उपलब्ध हों। यह कदम आम जनता के लिए खासा राहत भरा साबित होगा क्योंकि इससे छोटे नोटों में पैसे निकालना आसान हो जाएगा और रोजमर्रा के लेन-देन में सुविधा बढ़ेगी।

आरबीआई के मासिक बुलेटिन के मुताबिक मार्च 2025 तक देश में करीब 2.20 लाख बैंक एटीएम और 36 हजार व्हाइट लेबल एटीएम कार्यरत हैं। इन सभी एटीएम में चार कैसेट होती हैं, जिनमें से कम से कम एक कैसेट में 100 या 200 के नोट रखने का निर्देश अब अनिवार्य कर दिया गया है। रिजर्व बैंक ने 30 सितंबर 2025 तक यह लक्ष्य रखा है कि 75 फीसदी एटीएम में यह व्यवस्था लागू हो जाए। इसके बाद 31 मार्च 2026 तक 90 फीसदी एटीएम को कम से कम एक कैसेट में 100 या 200 के नोट उपलब्ध कराना होगा।

जीनस पावर को मिला 30000 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली। जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने पिछले पांच वर्षों में अपने शेयर मूल्य में लगभग 2700 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जो 15 रुपए से बढ़कर 419 रुपए तक पहुंच गया है। इस अद्वितीय वृद्धि ने निवेशकों को 1 लाख के निवेश से 28 लाख रुपए का लाभ दिलाया है। कंपनी के पास 31,302 करोड़ का ऑर्डर बुक है, जो उसके मौजूदा मार्केट कैप से दोगुना है। इसमें स्मार्ट मीटरिंग प्रोजेक्ट्स शामिल हैं, जो भारत सरकार की रिफॉर्म-आधारित पावर डिस्ट्रीब्यूशन स्कीम के तहत हैं। कंपनी ने हाल ही में 3,121.42 करोड़ का स्मार्ट मीटरिंग ऑर्डर भी जीता है।

न्यूज ब्रीफ

वित्त मंत्री देश की आर्थिक स्थिति पर चर्चा करेंगीं

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा करने वाली हैं। इस उच्च स्तरीय पैनल की 29वीं बैठक 10 जून को वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) में होगी, जिसमें वित्त क्षेत्र के नियामक और भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शामिल होंगे। वित्त वर्ष 2025 में भारत की 6.5 प्रतिशत की विकास दर की समीक्षा की जाएगी, जिसे पिछले चार सालों में सबसे धीमी दर घोषित किया गया है। इस बैठक में भारतीय अर्थव्यवस्था की जल्दी बढ़ी गति और चुनौतियों का मुकाबला भी महत्वपूर्ण चर्चा के लिए होगा। एफएसडीसी की बैठक में डिजिटल धोखाधड़ी, वित्तीय स्थिरता, और विकास के नए मार्गों पर भी चर्चा की जाएगी। इस समीक्षा से देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

पिछले पांच वर्ष में 84 प्रतिशत बढ़ी स्टेनलेस स्टील की खपत, वित्त वर्ष 2020-21 में भारत में स्टेनलेस स्टील की खपत 26.1 लाख टन थी

मुंबई। पिछले पांच वर्ष में घरेलू स्टेनलेस स्टील की खपत 84 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 48 लाख टन तक पहुंच गई। उद्योग संगठन भारतीय स्टेनलेस स्टील विकास संघ (आईएसएसडीए) के अनुसार वित्त वर्ष 2020-21 में भारत में स्टेनलेस स्टील की खपत 26.1 लाख टन थी। वित्त वर्ष 2021-22 में यह बढ़कर 34.6 लाख टन हो गई। आईएसएसडीए के एक अधिकारी ने ग्लोबल स्टेनलेस-स्टील एक्सपो 2025 (जीएसएसई 2025) में कहा कि यह मांग बुनियादी ढांचे, रेलवे, हवाईअड्डे, मेट्रो आदि क्षेत्रों से प्रेरित है। आंकड़ों के अनुसार 2022-23 में मांग सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 39.4 लाख टन हो गई थी। 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में 48 लाख टन तक पहुंचने से पहले 2023-24 में 44.9 लाख टन थी। उन्होंने कहा कि मांग मुख्य तौर पर भवन एवं निर्माण, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, रेलवे व परिवहन आदि क्षेत्रों से खपत में मजबूत वृद्धि से प्रेरित रही। भारतीय स्टेनलेस स्टील विकास संघ (आईएसएसडीए) के अनुसार देश में स्टेनलेस स्टील की मांग के अगले दो से तीन वर्ष में सालाना आधार पर सात से आठ प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

ब्रिटानिया के लिए बिस्कुट बनाने वाली कंपनी होगी बंद

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में मुंबई उच्च न्यायालय का फैसला खारिज कर ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीआईएल) के लिए तीन दशक से अधिक समय तक बिस्कुट बनाने वाली कंपनी को बंद करने की मंजूरी प्रदान कर दी। उच्च न्यायालय के 17 फरवरी, 2023 के आदेश के खिलाफ दायर हरिनगर शुगर मिल्स लिमिटेड (एचएसएमएल) की अपील पर यह फैसला सुनाया गया। एचएसएमएल ने पहले अपने कर्मचारियों को सद्भावना 10 करोड़ रुपये देने की पेशकश की थी। लेकिन अदालत ने इस राशि को बढ़ाकर 15 करोड़ रुपये कर दिया और आठ सप्ताह के भीतर इसका भुगतान करने को भी कहा। अदालत ने कहा, यह देखते हुए कि इस कंपनी के बंद होने से कुछ कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है और कुछ अन्य बिना किसी गलती के बेरोजगार हो सकते हैं, हम एचएसएमएल के इस कदम की सराहना करते हैं। इस तरह के बयान को रिकॉर्ड में दर्ज किया जाता है।' एचएसएमएल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता ने सद्भावना राशि बढ़ाने पर निर्णय लेने का काम अदालत पर छोड़ दिया था।

पीयूष गोयल ने मिलान में इतालवी व्यापार जगत के नेताओं से मुलाकात की

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को इटली के उप-प्रधानमंत्री के साथ सह-अध्यक्षता बैठक से पहले कई इतालवी सीईओ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि वे निरंतर विकास के लिए भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का किस तरह से सर्वोत्तम लाभ उठा सकते हैं। गोयल फ्रांस में भारत-फ्रांस आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित अपनी गतिविधियों को पूरा करने के बाद इटली के अपने दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने गुरुवार को 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, इटली के उप-प्रधानमंत्री के साथ सह-अध्यक्षता बैठक से पहले मिलान में इतालवी व्यापार जगत के कई नेताओं से मुलाकात की। पीयूष गोयल ने पोस्ट किया, इंजीनियरिंग और विनिर्माण तकनीक कंपनी पोग्गीपोलिनी एस.पी.ए. के सीईओ मिशेल पोग्गीपोलिनी से मुलाकात की। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में देश की बढ़ती भूमिका को देखते हुए, भारत में कंपनी के लिए प्रौद्योगिकी, नवाचार और विनिर्माण अवसरों पर उत्पादक चर्चाओं में शामिल हुए। उन्होंने एसओएल ग्रुप के महानिदेशक डेनियल फोर्नी से भी मुलाकात की, जो तकनीकी और चिकित्सा गैसों के उत्पादन, अनुप्रयुक्त अनुसंधान और विपणन के क्षेत्र में एक इतालवी बहुराष्ट्रीय कंपनी है और इस बात पर चर्चा की कि समूह भारत में प्रमुख क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति का और विस्तार कैसे कर सकता है। गोयल ने इतालवी लाइटिंग दिग्गज आईमून की सीईओ सुश्री लॉरा टारक्विनियो और उनकी टीम से मुलाकात की। उन्होंने लिखा है कि हमने स्मार्ट लाइटिंग समाधानों के लिए भारत में उपलब्ध निवेश के अपार अवसरों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

इसके अलावा वाणिज्य मंत्री ने वाणिज्यिक प्रशीतन विशेषज्ञ इप्टा समूह के सीईओ मार्को नोसिवेली से भी मुलाकात की। गोयल के अनुसार, भारत के तेजी से बढ़ते खुदरा और कोल्ड चेन क्षेत्रों के साथ हमने चर्चा की कि कंपनी किस तरह अवसर का लाभ उठा सकती है और भारत में स्थायी प्रशीतन समाधानों में योगदान दे सकती है। गोयल ने आगे लिखा, एक्सल और ट्रांसमिशन सिस्टम के वैश्विक निर्माता कैरारो ग्रुप के वाइस चेयरमैन टॉमसो कैरारो से मिलकर अच्छा लगा, जिसकी भारत में मजबूत उपस्थिति है।

इटली के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर आए केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लिखा है, उप-प्रधानमंत्री एवं विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री महामहिम एंटोनियो तजानी द्वारा आयोजित एक शानदार रात्रिभोज में शामिल होकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। एक प्रतिष्ठित सभा को संबोधित करने और भारत-इटली के बीच आर्थिक संबंधों को गहरा करने पर सार्थक चर्चा करने का सौभाग्य मिला। ब्रेशिया में पिनाकोटेका टोसियो मार्टिनेंगो संग्रहालय ने वास्तव में समग्र अनुभव को समृद्ध किया। उत्कृष्ट कला से घिरा, माहौल खूबसूरती से सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाता है जिसे हमारे दोनों देश गहराई से महत्व देते हैं। हमारी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने की उम्मीद है।

अब 10 हेक्टेयर में भी बन सकेगी सेमीकंडक्टर यूनिट

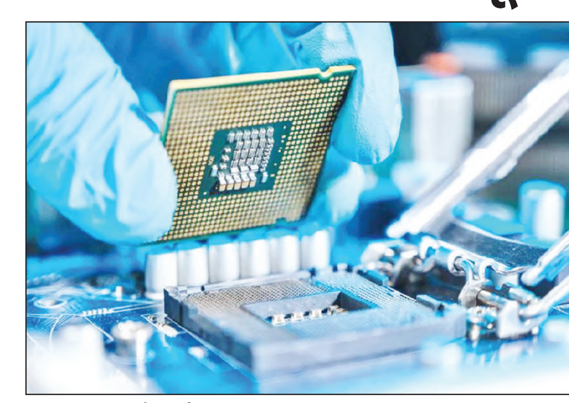

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में स्थापित की जाने वाली इकाइयों के लिए नियमों में सुधार किया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक गजट अधिसूचना में ऐसी एसईजेड इकाइयों की स्थापना के लिए न्यूनतम भूमि की आवश्यकता को 50 हेक्टेयर से घटाकर 10 हेक्टेयर कर दिया है। व्यापक बदलावों में सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले मॉड्यूल, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड और अन्य उत्पादों के विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। नये निर्देशों के अनुसार इस क्षेत्र में निवेश करने वाली इकाइयों के लिए और भारी निवेश करने की सुविधा प्रदान की गई है। सेमीकंडक्टर मिशन में एक चरण के सफल समापन के बाद सरकार अब अगले चरण की योजना कर रही है। इसका उद्देश्य भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र

विभिन्न छूट और नए मानदंडों के माध्यम से उत्पादन को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य

बनाना है। इस नये दिशानिर्देश के तहत सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में उत्पादन करने वाली इकाइयों को सरकारी मदद और समर्थन का अधिक मौका मिलेगा।

एसईजेड इकाइयों के लिए 5 साल में शुद्ध विदेशी मुद्रा अर्जित करना आवश्यक है। यह एसईजेड अधिनियम के तहत तमाम लाभों का फायदा उठाने की शर्तों में शामिल है। उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 2021 में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) को शुरू किया गया था।

उसका उद्देश्य देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले उत्पादन के लिए एक दमदार परिवेश का निर्माण करना है ताकि भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण एवं डिजाइन के एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके। सरकार अब सेमीकंडक्टर मिशन के अगले चरण को शुरू करने की तैयारी कर रही है।

इंडिजीन से बाहर निकला कार्लाइल ग्रुप

वैश्विक निवेश कंपनी कार्लाइल समूह को खुले बाजार लेनदेन के जरिये डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी इंडिजीन में अपनी 10.20 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,447 करोड़ रुपये में बेचकर कंपनी से बाहर निकल गया। एनएसई के पास उपलब्ध थोक सौदे के आंकड़ों के अनुसार, मेरिका के कार्लाइल समूह ने अपनी इकाई सीए डॉन इन्वेस्टमेंट्स के जरिये 2.44 करोड़ से अधिक शेयर बेचे। यह इंडिजीन में 10.20 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है।कंपनी ने ये शेयर 591.02-591.84 रुपये प्रति इक्विटी के मूल्य दायरे में बेचा। 10.20 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,447 इससे सौदा मूल्य 1,447.17 करोड़ रुपये बैठता है। इस बीच प्रेमजी इन्वेस्ट से जुड़ी पीआई ऑपर्च्युनिटीज एआईएफ वी, कैपिटल ग्रुप, सोसायटी जनरल, लक्जमबर्ग स्थित ईस्टब्रिज ग्रुप और एबाकस एसेट मैनेजर ने कुल मिलाकर इंडिजीन में 627 करोड़ रुपये में 1.06 करोड़ शेयर यानी 4.42 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। शेयर 591-591.48 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे में खरीदा गया, जिससे कुल सौदे का मूल्य 626.85 करोड़ रुपये रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में इंडिजीन के शेयरों के अन्य खरीदारों की जानकारी फिलहाल नहीं मिल पायी है।इंडिजीन का शेयर एनएसई में 4.07 प्रतिशत टूटकर 594.50 रुपये पर बंद हुआ।

अडाणी समूह ने 75,000 करोड़ कर का भुगतान किया, पिछले वर्ष से 29 प्रतिशत अधिक

नई दिल्ली, 04 जून (एजेंसियां)।

अदाणी समूह के एकाधिक कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024-25 में क्षेत्रिय कर का भुगतान करने के लिए कुल 75,000 करोड़ रुपये का योगदान दिया है। इस राशि में कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा के लिए भी धन अलग किया गया है। एक बयान में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 के लिए अदाणी समूह का कुल योगदान 29 प्रतिशत बढ़कर 74,945 करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 58,104 करोड़ रुपये से अधिक है। सूचीबद्ध कंपनियों में अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अदाणी सीमेंट लिमिटेड, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड और अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड शामिल है।

उनकी संतुलित योगदान ने समूह को एक उच्च स्तर पर ले जाने में मदद की है। समूह ने अपनी सात सूचीबद्ध कंपनियों के माध्यम से सार्वजनिक रिपोर्ट के आंकड़ों को साझा किया है जो उनके सामर्थ्य और सामाजिक योगदान को प्रकट करते हैं। बयान में कहा गया कि समूह की सात सूचीबद्ध कंपनियों अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड, अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड, अदाणी पावर लिमिटेड, अदाणी टोटल गैस लिमिटेड और अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड द्वारा प्रकाशित स्वतंत्र वार्षिक रिपोर्ट के आंकड़े इसमें शामिल हैं। इस भारी कर भुगतान से स्पष्ट होता है कि अदाणी समूह अपने सामाजिक दायित्वों का पूरा निर्वहन कर रहा है और वित्तीय स्थिति में मजबूती दिखा रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 05 जून (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। हालांकि आखिरी वक्त में हुई बिकवाली के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक ऊपरी स्तर से फिसल गए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 5,970.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,460.49 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 42,436.05 अंक के स्तर पर कारोबार

करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.16 प्रतिशत उछल कर 8,801.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,804.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 184.86 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,276.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में खरीदारी का माहौल बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजारों में से इकलौता निक्केई इंडेक्स 161.73 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 37,585.72 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.34 प्रतिशत उछल कर 24,799 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 21,673.91 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,802.34 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,127.12 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,139.80 के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 127.01 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,781.04 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत मजबूत होकर 3,378.82 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,905.65 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

प्राइम वॉलीबॉल लीग को मिला नया सदस्य, गोवा गार्जियंस बना 10वां फ्रेंचाइज़ी

मुंबई, 05 जून (एजेंसियां)।

भारत की सबसे तेज़ी से बढ़ती खेल लीगों में शामिल प्राइम वॉलीबॉल लीग ने अपने विस्तार की घोषणा करते हुए गोवा गार्जियंस को 10वीं फ्रेंचाइज़ी के रूप में शामिल किया है। गोवा पर आधारित यह टीम लीग के चौथे सीज़न में पहली बार मैदान में उतरेगी, जिसकी शुरुआत 2 अक्टूबर 2025 से होगी।

लीग का चौथा सीज़न 2 अक्टूबर से होगा शुरू, 8 जून को केलिकट में होगा प्लेयर ऑक्शन

गोवा गार्जियंस टीम का मालिकाना हक़ राजू चेकुरी के पास है, जो नेतेनरिच कंपनी के चेयरमैन, प्रेसिडेंट और सीईओ हैं।

खेलों के प्रति गहरी रुचि रखने वाले चेकुरी ने कहा, गोवा गार्जियंस के साथ प्राइम वॉलीबॉल लीग में शामिल होना सिर्फ एक टीम लॉन्च नहीं, बल्कि भारतीय वॉलीबॉल में एक दीर्घकालिक निवेश है। हमारा लक्ष्य है भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की एथलेटिक प्रतिभा को निखारना और उन्हें वैश्विक मंच प्रदान करना। उन्होंने कहा, मेरा सपना है कि भारत अगले दशक में ओलंपिक में वॉलीबॉल में प्रतिस्पर्धा करे।

इसके लिए हमें एक लीग, एक सोच बनकर मिलकर काम करना होगा ताकि खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक्सपोजर और प्रशिक्षण मिल सके। गोवा गार्जियंस इसी मिशन के लिए समर्पित है। प्राइम वॉलीबॉल लीग के मार्केटिंग पार्टनर बेसलाइन वेंचर के मैनेजिंग डायरेक्टर और को-फाउंडर तुशीन मिश्रा ने कहा, हर सीज़न में एक नई टीम का आना यह दर्शाता है कि लीग की पहुंच और लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

गोवा गार्जियंस के आने से लीग को और मजबूती मिलेगी और अधिक भारतीय खिलाड़ियों को खुद को साबित करने का मंच मिलेगा। पीवीएल के सीईओ जॉय भट्टाचार्य ने कहा, गोवा गार्जियंस एक बेहतरीन जोड़ है। चेकुरी की दूरदर्शिता और खेल के प्रति उनका समर्पण हमें भरोसा दिलाता है कि यह टीम कुछ खास लेकर आएगी।

वॉलीबॉल पहले से ही भारत में लोकप्रिय खेल है और इस नई टीम की एंट्री इस बढ़ती लोकप्रियता का प्रतीक है। गोवा गार्जियंस अब लीग में अहमदाबाद डिफेंडर्स, बेंगलुरु टॉरपीडोज़, कालीकट हीरोज़, चेन्नई ब्लिट्ज, दिल्ली तूफ़ान्स, हैदराबाद ब्लैक हॉक्स, कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स, कोलकाता थंडरबोल्ट्स और मुंबई मेटियर्स के साथ मुकाबला करेगी।

लीग के चौथे सीज़न का प्लेयर ऑक्शन 8 जून को केलिकट में आयोजित होगा, जिसे प्राइम वॉलीबॉल लीग के यूट्यूब चैनल पर लाइव देखा जा सकेगा। इसके बाद 2 अक्टूबर से शुरू होगा सीज़न 4, जो दर्शकों को रोमांचक मुकाबले और विश्वस्तरीय वॉलीबॉल का अनुभव देगा।

न्यूज़ ब्रीफ

इंडोनेशिया ओपन 2025: पी.वी. सिंधु प्री-क्वार्टर फाइनल में हारीं, ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी भी बाहर

जकार्ता। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु का इंडोनेशिया ओपन 2025 में सफर गुरुवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग के हाथों हार के साथ समाप्त हो गया। सिंधु ने मैच की अच्छी शुरुआत की और पहले गेम में 10-16 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए गेम 21-18 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे गेम में चोचुवोंग ने आक्रामक खेल दिखाया और 10 अंकों की बढ़त बनाते हुए गेम 21-10 से जीत लिया। निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ी लंबे समय तक बराबरी पर रहीं, लेकिन आखिरी क्षणों में चोचुवोंग ने बढ़त बनाते हुए गेम 21-18 से जीतकर मैच अपने नाम किया। ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी भी हारी महिला युगल मुकाबले में भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी जापान की युकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो के खिलाफ 13-21, 22-24 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। पुरुष युगल में भारत की उम्मीदें बरकरार भारत की चुनौती टूर्नामेंट में अभी बाकी है, क्योंकि पुरुष युगल वर्ग में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी आज बाद में अपने मुकाबले में उतरेगी।

भारत के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित, बेन स्टोक्स करेंगे कप्तानी

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत के खिलाफ शुरू होने वाली रोथसे टेस्ट सीरीज़ के पहले मैच के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबला 20 जून से लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जाएगा। टीम की कमान एक बार फिर कप्तान बेन स्टोक्स के हाथों में होगी। खास बात यह है कि सरे के ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी बार जून 2022 में हेडिंग्ले में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना डेब्यू मैच खेला था। हालांकि हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज़ के दौरान उनकी उंगली में चोट लगी थी और फिलहाल वे मेडिकल निगरानी में हैं। ब्रायडन कार्स, जैकब बेटल और क्रिस वोक्स की भी टीम में वापसी हुई है। ये तीनों खिलाड़ी दिसंबर में न्यूजीलैंड दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे। वहीं, तेज़ गेंदबाज़ गस एटकिंसन को ज़िम्बाब्वे के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण चयन से बाहर कर दिया गया है। इंग्लैंड और भारत के बीच कुल पांच टेस्ट मैचों की सीरीज़ खेली जाएगी, जिसका अंतिम मुकाबला 4 अगस्त को लंदन के किआ ओवल में होगा।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग: अमेरिकन स्ट्राइकर्स को हराकर ट्रांस टाइटंस फाइनल में पहुंची

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रही इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग के पहले सेमीफाइनल मैच में ट्रांस टाइटंस ने अमेरिकन स्ट्राइकर्स के खिलाफ 7 रन से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ट्रांस टाइटंस ने फाइनल में जगह पक्की कर ली। बुधवार शाम को हुए इस मुकाबले में अमेरिकन स्ट्राइकर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी टाइटंस के खिलाड़ी शुरू से ही हावी नजर आए और निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान 239 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा कर दिया। टाइटंस के कप्तान ऋषि धवन ने शानदार खेल दिखाते हुए 40 गेंदों पर ताबड़तोड़ 90 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज जेस्सी राइडर ने 31 रनों की पारी खेली। अंत में सुमित वर्मा (44) और नमन शर्मा (48) ने स्कोर को बड़ा बनाने में मदद की। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिकन स्ट्राइकर्स 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 232 रनों तक ही पहुंच पाई। अमेरिकन स्ट्राइकर्स के बल्लेबाज शोएब खान (42), अयान खान (38), प्रदीप सांगवान (35), इशान मलहोत्रा (38) ने छोटी ही सही, लेकिन उपयोगी परियां खेलीं। हालांकि इतना नाकाफी रहा और टीम फाइनल में पहुंचने से चूक गई। मैच के दौरान पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री मेनका गांधी, बॉलीवुड सिंगर अल्तमश फरीदी और शादाब फरीदी मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

हेले मैथ्यूज की चोट से वेस्टइंडीज को झटका इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में खेलना संदिग्ध

लंदन,05 जून (एजेंसियां)।

वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हेले मैथ्यूज के इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मैच में खेलने पर संशय बना हुआ है। उन्हें पहले वनडे के दौरान डर्बी में फील्डिंग करते समय बाएं कंधे में चोट लग गई थी, जिसके चलते वे दूसरे मुकाबले से बाहर रहीं। अब उनकी यह चोट गंभीर हो गई है और वे गुरुवार को लंदन में विशेषज्ञ से परामर्श लेंगी।

वेस्टइंडीज की महिला टीम के कोच शेन डिट्ज़ ने दूसरे वनडे में 143 रन की हार के बाद कहा, वह गुरुवार सुबह लंदन जा रही हैं, उम्मीद है कि हमें अच्छी खबर मिले।

इंग्लैंड महिला टीम ने पहला वनडे 108 रन से जीतने के बाद अब तीसरे वनडे में जीत के साथ दौरे पर टी20 और वनडे दोनों सीरीज को क्लीन स्वीप करने का मौका बना लिया है। इंग्लैंड ने टी20 सीरीज पहले ही 3-0 से अपने नाम कर ली है।

हेले मैथ्यूज ने टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था और प्लेयर ऑफ द सीरीज बनी थीं। उन्होंने 177 रन बनाए, जिसमें 137.20 की स्ट्राइक रेट और 88.50 की औसत रही। कैंटरबरी में उन्होंने नाबाद शतक जड़ा, जबकि चेल्म्सफोर्ड में 71 रन बनाने के साथ-साथ 3 विकेट भी लिए।

पहले वनडे में मैथ्यूज के साथ 91 रन की साझेदारी करने वाली ओपनर कियाना जोसेफ भी दूसरे मैच में बीमार होने के कारण नहीं खेल सकीं। कोच डिट्ज़ ने उनके तीसरे मैच में खेलने की उम्मीद जताई है। उन्होंने कहा, वह बस में बहुत बीमार लग रही थीं, इसलिए उन्हें आराम के लिए वापस भेज दिया। उम्मीद है कि दो दिन में ठीक हो जाएंगी।

दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज की ओर से 20 वर्षीय रीयलीना ग्रिमंड ने डेब्यू पर 53 रन की पारी खेली। वे दोनों ओपनर्स की गैरमौजूदगी में ज़ायडा जेम्स के साथ पारी की शुरुआत करने उतरीं। डिट्ज़ ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, उन्होंने यह दिखा दिया कि वे इस स्तर पर खेलने की काबिलियत रखती हैं। अगर उन्होंने मेहनत जारी रखी तो एक लंबा और सफल करियर उनका इंतजार कर रहा है।

इसके अलावा जनीलिया ग्लासगो ने भी अपनी सिर्फ पांचवीं वनडे पारी में 24 गेंदों में 44 रन ठोंककर प्रभावित किया। दूसरी ओर इंग्लैंड की ओर से एमी जोन्स और टैमी ब्यूमोंट ने लगातार दूसरे वनडे में शतकीय पारियां खेलीं। डर्बी में 222 रन की साझेदारी के बाद, लीसेस्टर में दोनों ने 202 रन जोड़े। जोन्स ने 98 गेंदों में 129 रन बनाए, जबकि ब्यूमोंट ने ठंड के बावजूद 109 गेंदों में 106 रन की पारी खेली। ब्यूमोंट ने जोन्स की तारीफ करते हुए कहा, मैं उस पर गर्व करती हूं कि उसने अपने पहले शतक के बाद इस पारी को और बेहतर अंदाज़ में दोहराया। हम दोनों की बैटिंग स्टाइल अलग है, जिससे गेंदबाजों को चुनौती मिलती है। इंग्लैंड ने 366 रन बनाए जो उनका अब तक का दूसरा सबसे बड़ा वनडे स्कोर है। इसके अलावा एम्मा लैम्ब ने 55 रन और सोफिया डंकली ने 19 गेंदों में 31 रन की तेजतर्रार पारी खेली। तीसरा और अंतिम वनडे शनिवार को टॉनटन में खेला जाएगा, जहां इंग्लैंड क्लीन स्वीप की कोशिश करेगा, जबकि वेस्टइंडीज की नजर सम्मान बचाने पर होगी।

बनारस के युवा क्रिकेटर बोले, भुवनेश्वर है आरसीबी की जीत के असली नायक

वाराणसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 18 साल के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के प्रशंसकों में खुशी की लहर है। इस जीत से टीम के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के खिताब जीतने का सपना भी पूरा हुआ है। इसी कारण जीत के बाद विराट भावुक नजर आये थे। वहीं यहां के स्थानीय क्रिकेटरों के अनुसार टीम की जीत में गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की अहम भूमिका रही है हालांकि उन्हें इसका श्रेय नहीं मिला। इन युवा क्रिकेटरों के अनुसार भुवनेश्वर ने पंजाब किंग्स के दो अच्छा बल्लेबाजों को आउट कर मैच अपनी टीम की ओर मोड़ दिया था। अगर वह ये विकेट नहीं लेते तो मैच हाथ से फिसल जाता हालांकि इन क्रिकेटरों ने विराट की मेहनत और जुनून की प्रशंसा की पर साथ ही कहा कि जीत में हर खिलाड़ी का योगदान होता है। इनका कहना है कि विराट ने इस मैच में सबसे ज्यादा रन बनाए, जिसकी वजह से टीम ने बड़ा स्कोर बना पायी। वहीं एक प्रशंसक ने कहा कि उन्हें पहले ही टीम की जीत का भरोसा था। उन्होंने कहा कि विराट ने जिस तरह पूरे टूर्नामेंट में टीम को प्रेरित किया, और बाकी खिलाड़ियों ने साथ निभाया। उससे लग रहा था कि इस बार जीत उसे ही मिलेगी। ह जीत उन सभी प्रशंसकों के लिए भावनाओं से भरी रही, जो सालों से टीम के ट्रॉफी जीतने का इंतजार कर रहे थे।

चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में 11 लोगों की मौत पर आरसीबी ने जताया शोक

बेंगलुरू ,05 जून (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम के स्वागत समारोह से पहले बड़ा हादसा हो गया। बुधवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भारी भीड़ के चलते मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 33 लोग घायल हो गए।

घटना के बाद आरसीबी फ्रेंचाइज़ी ने एक बयान जारी कर दुख जताया। बयान में कहा गया, आरसीबी इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करती है और प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करती है। मीडिया रिपोर्ट्स के माध्यम से जो दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं सामने आई हैं, उनसे हम अत्यंत व्यथित हैं। हम सभी की सुरक्षा और भलाई को सर्वोपरि मानते हैं।

टीम के स्वागत के लिए जुटी थी हजारों की भीड़ आरसीबी के पहले आईपीएल खिताब के जश्न के तहत एक ओपन बस परेड और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। इसी को लेकर स्टेडियम के बाहर हजारों प्रशंसक एकत्र हुए थे। लेकिन भीड़ पर काबू न पाने के कारण भगदड़ मच गई।

मुख्यमंत्री ने की मुआवजे की घोषणा

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि भगदड़ में 11 लोगों की जान गई है और 33 लोग घायल हैं। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवज़ा देने की घोषणा की है।

कार्यक्रम में किए गए बदलाव

आरसीबी फ्रेंचाइज़ी ने बताया कि जैसे ही उन्हें इस हादसे की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत कार्यक्रम को छोटा कर दिया और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन किया। बयान में आगे कहा गया, स्थिति की जानकारी मिलते ही हमने कार्यक्रम में तत्काल बदलाव किए और प्रशासन के मार्गदर्शन का पूरी तरह पालन किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चीन के लोग ...

और गधों की खाल से उनकी दवा भी तैयार हो जाती है।

आधिकारिक आंकड़ा बताता है कि चीन में हर साल करीब 60 लाख पाकिस्तानी गधे कटते हैं। ब्रिटेन की पशु कल्याण संस्था द डंकी सैंक्चुअरी ने अपनी रिपोर्ट में यह आंकड़ा प्रस्तुत किया है। चीन की गधा-मांग पूरी करने के लिए पाकिस्तान के ग्वादर शहर में स्लॉटर हाउस खोल दिया गया है। इस बूचड़खाने का संचालन भी चीनी कंपनी हांगेंग ट्रेड करती है। गधों के लिए पाकिस्तान ने चीन के साथ बाकायदा एक समझौता किया है। गधों के निर्यात से पाकिस्तान पैसे कमा रहा है। गधों की कमी से उत्साहित पाकिस्तान ने न केवल ग्वादर बल्कि कराची में गधा-फार्म खोल लिया है।

ग्वादर के बूचड़खाने में पाकिस्तानी गधों की कटाई होती है और वहां से गधों का मांस, हड्डियां और खाल चीन भेजे जाते हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं अनुसंधान मंत्रालय का कहना है कि पाकिस्तान ने चीन के साथ 2,16,000 गधों की खाल और मांस की सालाना आपूर्ति का करार किया है। पाकिस्तान के खाद्य सुरक्षा और अनुसंधान मंत्री राणा तनवीर हुसैन ने चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में कहा था कि यह करार न केवल निर्यात को बढ़ावा देगा बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया था कि पाकिस्तानी गधों की नस्लों को संरक्षित करने के लिए सख्त नियम लागू किए जाएंगे।

पाकिस्तान की गधा-इकोनॉमी ने सामाजिक और सांस्कृतिक बहस को भी जन्म दिया है, पाकिस्तान के कई पशुप्रेमी और गैर सरकारी संगठन इस व्यवसाय को अनुचित मानते हैं और वे इसके खिलाफ अभियान चला रहे हैं। ग्वादर में बूचड़खाना बनने का बलूचिस्तान के लोगों ने कड़ा विरोध किया था। ग्वादर बलूचिस्तान में ही है। यहां के लोग चीनी प्रोजेक्ट्स से हमेशा से नाखुश रहते हैं। इनका आरोप है कि पाकिस्तान सरकार चीन के साथ मिलकर इनके संसाधनों का दोहन कर रही है।

दुनिया ने भारत...

पीएम मोदी ने मंत्रियों और सचिवों से कहा कि वे पिछले 10 साल की उपलब्धियों की तुलना उसके पहले के 10 वर्षों से न करें और आने वाले साल के लिए निर्धारित लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें।जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग की सचिव देबाश्री मुखर्जी ने अपने मंत्रालय के कैच द रेन अभियान पर एक प्रस्तुति दी। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि मनरेगा के फंड का इस्तेमाल जल संरक्षण कार्यों के लिए किया जाना चाहिए, जैसा कि अन्य पीएमएवाई-जी योजनाओं में किया जाता है। पीएम मोदी ने अपने मंत्रिपरिषद से ऊंचे लक्ष्य रखने और उन्हें पाने के लिए कड़ी मेहनत करने को कहा। बैठक में अलग-अलग मंत्रालयों की खास उपलब्धियों को दिखाया गया। सरकार इन उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएगी, क्योंकि 9 जून को मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला साल पूरा हो रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, हम जो भी काम करें, वह क्वालिटी का काम हो। पूरा विश्व हमारी तरफ देख रहा है। जो भी प्रोजेक्ट हैं, उन्हें जल्दी-जल्दी पूरा करें। उनमें दखलंदाजी न करें। नीति आयोग ने आकांक्षी जिला प्रोजेक्ट को लेकर प्रेजेंटेशन दिया। कैबिनेट मीटिंग में यह जानकारी भी दी गई कि जल्दी ही सभी मंत्रालय सेंट्रल विस्टा में बने नए सचिवालय में शिफ्ट होंगे, जहां काम करने के लिए अधिक जगह मिलेगी।

सिंदूर का...

असमर्थ हैं या अनिच्छुक हैं जो हमें नुकसान पहुंचा रहे हैं। यदि आप एक नागरिक सरकार से बात कर रहे हैं और नागरिक सरकार को यह भी नहीं पता है कि सेना हमें मारने के लिए सीमा पार आतंकवादियों को भेज रही है, तो हम किससे बात करें? हमें बात क्यों करनी चाहिए?राहुल गांधी के हालिया बयान और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के सवाल पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रति हमारे मन में बहुत सम्मान है। हम अपने लिए बस इतना ही कह सकते हैं कि हमने कभी किसी से मध्यस्थता करने के लिए नहीं कहा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने साफ-साफ कहा, मुझे लगता है कि अमेरिका ने कुछ समय से यह समझ लिया है कि भारत का रुख बहुत स्पष्ट है। वह यह है कि हमारे सिर पर बंदूक तानने पर कोई बातचीत नहीं होगी। समस्या यह है कि हम उन लोगों से बात नहीं करेंगे, जो हमारे सिर पर बंदूक तान रहे हैं। मेरा मतलब है कि अगर आपका पड़ोसी अपने रोटवीलर को आपके बच्चों को काटने के लिए छोड़ देता है या आपके बच्चों के साथ बुरा व्यवहार करता है और फिर कहता है कि चलो बात करते हैं। ऐसे में आप उससे तब तक बात नहीं करेंगे, जब तक कि वह उन रोटवीलर को या तो कहीं बाहर छोड़ आए या उन्हें बंद नहीं कर दे या उसे सुला न दे। यह इतना ही सरल है। आप उन लोगों से बात नहीं करने जा रहे हैं जो आपके मंदिरों पर बंदूक तान रहे हैं। ऐसा नहीं होने जा रहा है।शशि थरूर के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि बिलावल भुट्टो अपने प्रतिनिधिमंडल को शांति प्रतिनिधिमंडल कह रहे हैं, यह काफी विडंबनापूर्ण है कि पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल शांति की भाषा बोल रहा है। यह शैतान की ओर से शास्त्रों की बात किए जाने जैसा है। एक ऐसा देश जो असफल जनरलों को फील्ड मार्शल बनाकर नकली नायक बनाने की कोशिश कर रहा है, वे नहीं जानते कि असली नेता कैसे दिखते हैं। पाकिस्तान सस्ते चीनी आयातों पर जीवित रहा है, जिसमें सैन्य हार्डवेयर भी शामिल है, जो युद्ध के मैदान में विफल रहा है। इसलिए शायद उनके लिए उच्च गुणवत्ता वाले, उच्च क्षमता वाले सैन्य हार्डवेयर के साथ-साथ सीमा के दूसरी तरफ मजबूत लोकतांत्रिक नेतृत्व को पचाना मुश्किल है।

अमेरिका में भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक शानदार चुना गया नाम है। उन्होंने इसकी अहमियत भी समझाई। ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद पर अपने रुख को उजागर करने के लिए सरकार के बड़े कूटनीतिक प्रयासों के तहत प्रतिनिधिमंडल प्रमुख वैश्विक राजधानियों का दौरा कर रहा है। बुधवार (स्थानीय समय) को अमेरिका में नेशनल प्रेस क्लब में एक संवाद सत्र के दौरान थरूर ने कहा कि सिंदूर का रंग खून के रंग से बहुत अलग नहीं है। यहां तक कि उन्होंने हिंदी मुहावरा खून का बदला खून का इस्तेमाल किया और कहा कि यहां यह सिंदूर का बदला खून था। इसका अर्थ है आतंकवादियों द्वारा सिंदूर के साथ किए गए व्यवहार के जवाब में खून।जब उनसे पूछा गया कि भारत ने आतंकवाद विरोधी कार्रवाई के लिए ऑपरेशन सिंदूर नाम क्यों चुना? तो उन्होंने जवाब दिया, ऑपरेशन सिंदूर वास्तव में मुझे लगा कि यह चुना गया एक शानदार नाम है। सिंदूर, अगर कुछ अमेरिकी इसके बारे में नहीं जानते हैं, तो यह एक प्रतीक है, जो हिंदू परंपरा में विवाहित महिलाओं के माथे पर लगाया जाता है। यह व्यापक रूप से प्रचलित है। कुछ गैर-हिंदू भी इसे करते हैं, लेकिन अधिक सजावटी उद्देश्यों के लिए, लेकिन गंभीरता से कहा जाए तो सिंदूर विवाह समारोह के समय लगाया जाता है। उसके बाद हर दिन विवाहित महिलाएं इसे लगाती हैं। इसलिए हम इन क्रूर आतंकवादियों के बारे में बहुत सचेत थे, जिन्होंने, पुरुषों को उनकी पत्नियों और बच्चों के सामने गोली मार दी, लेकिन महिलाओं को छोड़ दिया। जब एक पत्नी ने कहा कि मुझे भी मार दो, तो उसे कहा गया कि नहीं, तुम वापस जाओ और उन्हें बताओ कि हमने क्या किया है।उन्होंने कहा कि उस सिंदूर को वास्तव में 26 भारतीय महिलाओं के माथे से मिटा दिया गया था। हम सबसे पहले सिंदूर मिटाने की उस घटना का बदला लेना चाहते थे, लेकिन दूसरी बात यह कोई संयोग नहीं है कि सिंदूर का रंग चमकीला सिंदूरी लाल है, जो खून के रंग से बहुत अलग नहीं है। कई मायनों में एक हिंदी मुहावरा है कि खून का बदला खून। यहां यह सिंदूर का बदला खून होगा। यानि सिंदूर के साथ जो कुछ भी किया गया, उसके जवाब में खून।

भारत में ही ...

एक महत्वपूर्ण कदम है। दसॉ एविएशन के चेयरमैन और सीईओ एरिक ट्रैपियर ने कहा, पहली बार राफेल की बॉडी का उत्पादन फ्रांस के बाहर किया जाएगा। यह भारत में हमारी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। टीएएसएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी व प्रबंध निदेशक सुकरन सिंह ने कहा कि यह साझेदारी भारत की एयरोस्पेस यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, भारत में सम्पूर्ण राफेल विमान का निर्माण टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की क्षमताओं में बढ़ते विश्वास तथा डसॉल्ट एविएशन के साथ हमारे सहयोग की मजबूती को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा, यह कदम भारत की एक आधुनिक, मजबूत एयरोस्पेस विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने में की गई उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाता है कि भारत अब वैश्विक प्लेटफार्मों का समर्थन कर सकता है।

शर्मिष्ठा पनोली को ...

अदालत से कहा था शर्मिष्ठा का परिवार फरार था। जबकि शर्मिष्ठा के पिता पृथ्वीराज पनोली ने कहा है कि कोलकाता पुलिस ने उनके परिवार को लेकर गलत दावे पेश किए हैं। पृथ्वीराज ने कहा कि जिस दिन पुलिस कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट लेने गई, मैं खुद कोलकाता पुलिस के साथ बैठा था। इसके बावजूद कोलकाता पुलिस ने कहा कि हमारा परिवार फरार है। यह बिल्कुल गलत है।

शर्मिष्ठा की गिरफ्तारी और जेल तक मिल रही धमकियों पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सीधा हस्तक्षेप किया था। आयोग ने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया कि शर्मिष्ठा पनोली की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए। आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने बताया कि शर्मिष्ठा को गिरफ्तार होने के बाद से बलात्कार और जान से मारने की कई धमकियां मिल रही थीं, जिसके बाद आयोग ने यह कदम उठाया।

शर्मिष्ठा की जमानत अर्जी पर सुनवाई के दरम्यान पिछले दिनों कलकत्ता हाईकोर्ट ने फूहड़ टिप्पणी करते हुए कहा था कि जमानत नहीं मिली तो कोई आसमान नहीं टूट पड़ेगा। ऐसा कमेंट करने वाले हाईकोर्ट को खदीजा शेख वाले मामले में ऐसा क्यों नहीं लगा था। तब तो खदीजा शेख को यह कहते हुए फौरन जमानत दे दी गई थी कि लड़की की जिंदगी खराब नहीं की जा सकती। जबकि खदीजा युवती है और शर्मिष्ठा पनोली एक लड़की। प्रगतिशील दिखने के फैशन पर चलने वाली अदालतों को नूपुर शर्मा की त्रासदी भी याद नहीं रहती, जिन्होंने बदतमीज मौलाना को माकूल जवाब दिया तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें खुलेआम गंदी गालियां दी गईं और सिर तन से जुदा करने की धमकियां दी गईं, इस पर अदालतों ने कोई संज्ञान क्यों नहीं लिया?

सरकार की ...

जिसे रिकॉर्ड में लिया गया है। रजिस्ट्री को निर्देश दिया जाता है कि इस स्वत: संज्ञान को स्वत: संज्ञान रिट याचिका के रूप में पंजीकृत किया जाए। कोर्ट ने 10 जून को याचिका को फिर से सूचीबद्ध करने को कहा है।सुनवाई के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कोर्ट को बताया कि हम सबसे पहले यह अनुरोध करना चाहेंगे कि कोई दोषारोपण न हो। हम केवल तथ्यों को उसी रूप में प्रस्तुत करना चाहते हैं, जैसा कि वे घटित हुए थे। हम कोई प्रतिकूल दृष्टिकोण नहीं अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए 1000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया था। स्टेडियम की क्षमता 35,000 है। आमतौर पर केवल 30,000 टिकट ही बिकते हैं। इस बार लगभग 2.5 लाख लोग यह सोचकर आए कि प्रवेश नि:शुल्क है।सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) शशि किरण शेट्टी ने बताया कि समारोह में नि:शुल्क प्रवेश की घोषणा के कारण भारी भीड़ उमड़ी, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हुई। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार इस मामले को विरोधात्मक तरीके से देखने का इरादा नहीं रखती है, बल्कि यह समझने का प्रयास कर रही है कि चूक कहां हुई ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियां न दोहराई जाएं। महाधिवक्ता ने बताया कि पूरे शहर में सुरक्षा बल तैनात थे, लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर स्थिति अनियंत्रित हो गई। हर व्यक्ति यह सोच रहा था कि बस वह एक और अंदर जा रहा है, जबकि असल में वहां भारी जनसैलाब था।कोर्ट ने कहा कि ऐसे बड़े सार्वजनिक आयोजनों के लिए स्पष्ट मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) होनी चाहिए। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि ऐसी जगहों पर एम्बुलेंस और निकटवर्ती अस्पतालों की जानकारी स्पष्ट होनी चाहिए। इस पर महाधिवक्ता ने स्वीकार किया कि एम्बुलेंस मौजूद थीं, लेकिन इतनी बड़ी आपात स्थिति के लिए पर्याप्त नहीं थीं। महाधिवक्ता ने बताया कि इस मामले में मजिस्ट्रेट जांच शुरू कर दी गई है और यह 15 दिनों में पूरी हो जाएगी। सभी मौतें और घायल होने की घटनाएं कुल 21 में से केवल तीन गेटों पर हुईं।उन्होंने कोर्ट को बताया, सरकार ने इसे अत्यंत गंभीरता से लिया है और सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं, जिसमें कार्यक्रम प्रबंधन एजेंसी भी शामिल है। हम संभावित चूकों की जांच कर रहे हैं, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। जांच अधिकारी ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर लोगों से साक्ष्य और जानकारी साझा करने की अपील की है। सभी गवाहियों की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी और अदालत में पेश की जाएगी। पूरी पारदर्शिता है, कुछ भी छिपाया नहीं जा रहा है।पीआईएल याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता जी आर मोहन ने बताया कि मुफ्त प्रवेश की घोषणा आईपीएल फ्रेंचाइजी के प्रतिनिधि द्वारा की गई थी। भारी भीड़ के बावजूद, केवल तीन गेट खुले रखे गए, जिससे अड़चनें और अराजकता पैदा हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता अरुणा श्याम ने अदालत से निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए एक स्वतंत्र एजेंसी नियुक्त करने पर विचार करने का आग्रह किया। कर्नाटक सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि शहर के पुलिस आयुक्त, डीसीपी और एसीपी समेत 1,000 से ज्यादा पुलिसकर्मी एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के आसपास तैनात थे। यह बात डीके शिवकुमार के उस दावे के एक दिन बाद कही गई, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 5,000 पुलिसकर्मी मौजूद थे। सरकार ने कहा कि पानी के टैंकर, एंबुलेंस और कमांड और कंट्रोल वाहन भी मौजूद थे। यह इंतजाम पिछले मैचों के दौरान किए गए काम से कहीं ज्यादा थे।

शिव योग और सिद्ध योग में मनाई जाएगी एकादशी

इस बार दो दिन रखा जाएगा निर्जला एकादशी व्रत

हिंदू धर्म में निर्जला एकादशी व्रत को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। सभी 24 एकादशी व्रतों में निर्जला एकादशी व्रत को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जो व्यक्ति निर्जला एकादशी व्रत रखता है, उसे सभी 24 एकादशी व्रतों का फल प्राप्त हो जाता है। शास्त्रों के अनुसार, इस विशेष दिन पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की उपासना करने से और निर्जला उपवास रखने से विशेष लाभ मिलता है और जीवन में आ रही सभी समस्याएं दूर हो जाती हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 6 जून 2025 को देर रात 2:15 बजे से शुरू होकर, अगले दिन 7 जून को सुबह 4:47 बजे तक रहेगी। चूंकि तिथि का उदय 6 जून को हो रहा है, इसलिए व्रत भी इसी दिन रखा जाएगा। उदया तिथि के अनुसार 6 जून को निर्जला एकादशी व्रत रखा जाएगा। इस व्रत का बड़ा महत्व है। इस साल निर्जला एकादशी का व्रत 2 दिन रखा जाएगा। इसमें पहले दिन निर्जला एकादशी स्मार्त होगी और दूसरे दिन निर्जला एकादशी वैष्णव होगी। इस दिन व्रत करने से सालभर की एकादशी का पुण्य मिल जाता है। महाभारत काल में पांडव पुत्र भीम ने भी इस एकादशी पर व्रत किया था। इसलिए इसे भीमसेनी एकादशी भी कहते हैं। इस एकादशी पर पूरे दिन पानी नहीं पिया जाता। हस्त नक्षत्र और रवियोग के साथ सिद्ध योग के संयोग में निर्जला एकादशी व्रत मनाया जाएगा।

6 जून को निर्जला एकादशी व्रत है। स्कंद पुराण के विष्णु खंड में एकादशी महात्म्य नाम के अध्याय में सालभर की सभी एकादशियों का महत्व बताया गया है। हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित मानी जाती है। यही कारण है कि एकादशी के दिन भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। निर्जला एकादशी व्रत ज्येष्ठ शुक्ल की एकादशी तिथि के दिन रखा जाता है। पौराणिक शास्त्रों में इसे भीमसेन एकादशी, पांडव एकादशी और भीम एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। नाम से ही आभास हो रहा है कि निर्जला एकादशी व्रत निर्जल रखा जाता है। इस व्रत में जल की एक बूंद भी ग्रहण नहीं की जाती है। व्रत के पूर्ण हो जाने के बाद ही जल ग्रहण करने का विधान है। ज्येष्ठ माह में बिना जल के रहना बहुत बड़ी बात होती है। मान्यता है कि जो व्यक्ति निर्जला एकादशी व्रत को रखता है उसे सालभर में पड़ने वाली समस्त एकादशी व्रत के समान पुण्यफल प्राप्त होता है।

इस व्रत करने वालों को जगत के पालनहार भगवान विष्णु जी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यह व्रत एकादशी तिथि के रखा जाता है और अगले दिन यानी द्वादशी तिथि के दिन व्रत पारण विधि-विधान से किया जाता है।

निर्जला एकादशी 06 जून स्मार्त, 07 जून वैष्णव

दशमी तिथि द्वारा के दोनों स्थितियों में यह नियम समान रूप से प्रभावी होगा। इस प्राणोदय के वेदो कवियों में एकमत नहीं है।

अत्रशुद्धत्वात्स्मार्तानाम् एकादश्यामेवोपवासो न द्वादश्यामिति माधव।।

यहाँ माधव के अनुसार द्वादशी तिथि की वृद्धि हो जाने पर स्मार्त द्वादशीयुता एकादशी वाले दिन और वैष्णव सम्प्रदाय वाले षष्ठीपट्यात्मक द्वादशी के दिन व्रत करते है। हेमाद्रि, पद्मपुराण व नारद के मतानुसार स्मार्त व वैष्णव सम्प्रदाय वालों का व्रत षष्ठीघट्यात्मक द्वादशी को होना चाहिए।

यथा सर्वत्रैकादशी कार्या द्वादशीमिश्रिताः नरे।। मार्कण्डेय के अनुसार संधिग्धेषु च वाक्येषु द्वादशीं समुपोषयेत् ।। तथा विवादेषु च सर्वेषु द्वादश्यां समुपोषणम्। पारणं च त्रयोदशयामाज्ञेयं ।।

परन्तु यहाँ माधव के मत को ही मान्यता दी गयी है। इस वर्ष ज्येष्ठ शुक्ल द्वादशी की वृद्धि हुई है। यह 07 जून 2025 को अहोरात्र व्यापिनी है। अतः उपरोक्त बहुसम्मत माधवमतानुसार इस वर्ष निर्जला एकादशी स्मार्त हेतु 06 जून 2025 एवं वैष्णव हेतु 07 जून 2025 को श्रेयस्कर है।

निर्जला एकादशी पर बन रहे शुभ योग

हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल निर्जला एकादशी पर काफी शुभ योग बन रहे हैं। शिव योग दिनभर रहकर रात 9:39 मिनट तक रहेगा। इसके बाद सिद्ध योग लग जाएगा। इसके साथ ही दोपहर में 3:56 मिनट से लेकर अगले दिन सुबह 5:24 मिनट तक त्रिपुष्कर योग है।

निर्जला एकादशी

ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 6 जून 2025 को देर रात 2:15 बजे से शुरू होकर, अगले दिन 7 जून को सुबह 4:47 बजे तक रहेगी। चूंकि तिथि का उदय 6 जून को हो रहा है, इसलिए व्रत भी इसी दिन रखा जाएगा।

निर्जला एकादशी व्रत स्मार्त: शुक्रवार 6 जून 2025

निर्जला एकादशी व्रत वैष्णव: शनिवार 7 जून 2025

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

दो दिन पड़ेगा निर्जला एकादशी व्रत

अधिकतर यह व्रत एक दिन पड़ता है, लेकिन इस बार यह दो बार मनाया जा रहा है। 6 जून को एकादशी व्रत हस्त नक्षत्र में रखा जाएगा। वहीं, 7 जून को व्रत चित्रा नक्षत्र में यह व्रत किया जाएगा, जो कि बेहद पुण्यदायी माना जा रहा है। दरअसल, 6 जून को गृहस्थ व्रती व्रत का पालन करेंगे। इसके साथ ही 7 जून को वैष्णव संप्रदाय यानी साधु-संत व्रत करेंगे।

निर्जला एकादशी पर तुलसी पूजन

तुलसी की पूजा हिंदू धर्म में काफी समय पहले से चली आ रही है। हिंदू घरों में तुलसी के पौधे की खास पूजा की जाती है। सभी एकादशी के दिन तुलसी की खास पूजा की जाती है। वहीं यदि बात निर्जला एकादशी की करें तो इस दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की जाती है और भगवान विष्णु को तुलसी अति प्रिय है इसलिए इस दिन तुलसी पूजन का काफी महत्व होता है। तुलसी को माता लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। माना जाता है कि जिस घर में तुलसी का पौधा होता है वहां देवी-देवताओं का वास होता है।

भीम ने रखा था निर्जला एकादशी व्रत

कथा के अनुसार भीमसेन को अधिक भूख लगती थी। जिसके कारण वे कभी व्रत नहीं रखते थे। लेकिन वे भी चाहते थे कि मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति हो, उनको पुण्य प्राप्त हों। वे चाहते थे कि कोई एक ऐसा व्रत हो, जिसे करने से वे पाप मुक्त हो जाएं और मोक्ष भी मिल जाए। तब उनको निर्जला एकादशी व्रत रखने को कहा गया। ऋषि-मुनियों के सुझाव पर उन्होंने निर्जला एकादशी का व्रत रखा। व्रत के पुण्य प्रभाव और विष्णु कृपा से वे पाप मुक्त हो गए और अंत में मोक्ष को प्राप्त हुए।

ये कार्य करे अवश्य

निर्जला एकादशी के दिन दूध में केसर मिलाकर अभिषेक करने से भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। निर्जला एकादशी के दिन विष्णु सहस्त्र का पाठ करने से कुंडली के सभी दोष समाप्त होते हैं। निर्जला एकादशी के दिन भोग में भगवान विष्णु को पीली वस्तुओं का प्रयोग करने से धन की बरसात होती है। निर्जला एकादशी के दिन गीता का पाठ भगवान विष्णु की मूर्ति के समाने बठकर करने से पित्रों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। भगवान विष्णु की पूजा तुलसी के बिना पूरी नहीं होती है। इसलिए निर्जला एकादशी के दिन भगवान विष्णु को भोग में तुलसी का प्रयोग अवश्य करें।

न करें ये गलती

माता तुलसी को विष्णु प्रिया कहा जाता है।शास्त्रों के अनुसार एकादशी पर तुलसी में जल अर्पित नहीं करना चाहिए। इससे पाप के भागी बनते हैं क्योंकि इस दिन तुलसी भी एकादशी का निर्जल व्रत करती हैं। साथ ही विष्णु जी को पूजा में अक्षत अर्पित न करें। श्रीहरि की उपासना में चावल वर्जित हैं।

पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत्त हो जाएं। घर के मंदिर में दीप प्रज्वलित करें। गवान विष्णु का गंगा जल से अभिषेक करें। भगवान विष्णु को पुष्प और तुलसी दल अर्पित करें। अगर संभव हो तो इस दिन व्रत भी रखें। भगवान की आरती करें। भगवान को भोग लगाएं। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि भगवान को सिर्फ सात्विक चीजों का भोग लगाया जाता है। भगवान विष्णु के भोग में तुलसी को जरूर शामिल करें। ऐसा माना जाता है कि बिना तुलसी के भगवान विष्णु भोग ग्रहण नहीं करते हैं। इस पावन दिन भगवान विष्णु के साथ ही माता लक्ष्मी की पूजा भी करें। इस दिन भगवान का अधिक से अधिक ध्यान करें।

व्रत विधि

सुबह जल्दी उठकर नित्यकर्म के बाद स्नान करें और व्रत का संकल्प लें। इसके बाद भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। पूरे दिन भगवान स्मरण-ध्यान व जाप करना चाहिए। पूरे दिन और एक रात व्रत रखने के बाद अगली सुबह सूर्योदय के बाद पूजा करके गरीबों, ब्रह्मणों को दान या भोजन कराना चाहिए। इसके बाद खुद भी भगवान का भोग लगाकर प्रसाद लेना चाहिए।

पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, महाभारत काल के समय एक बार पाण्डु पुत्र भीम ने महर्षि वेद व्यास जी से पूछा- हे परम आदरणीय मुनिवर! मेरे परिवार के सभी लोग एकादशी व्रत करते हैं और मुझे भी व्रत करने के लिए कहते हैं। लेकिन मैं भूखा नहीं रह सकता हूं अत: आप मुझे कृपा करके बताएं कि बिना उपवास किए एकादशी का फल कैसे प्राप्त किया जा सकता है। भीम के अनुरोध पर वेद व्यास जी ने कहा- पुत्र! तुम ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की एकादशी के दिन निर्जल व्रत करो। इस दिन अन्न और जल दोनों का त्याग करना पड़ता है। जो भी मनुष्य एकादशी तिथि के सूर्योदय से द्वादशी तिथि के सूर्योदय तक बिना पानी पीये रहता है और सच्ची श्रद्धा से निर्जला व्रत का पालन करता है, उसे साल में जितनी एकादशी आती हैं उन सब एकादशी का फल इस एक एकादशी का व्रत करने से मिल जाता है। तब भीम ने व्यास जी की आज्ञा का पालन कर निर्जला एकादशी का व्रत किया था।

धन समृद्धि के लिए निर्जला एकादशी पर करें यह उपाय

निर्जला एकादशी आज 6 जून दिन शुक्रवार को मनाई जाएगी। ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर पूरे विधि विधान के साथ व्रत रखने से सालभर की सभी एकादशियों के बराबर पुण्य मिलता है। निर्जला एकादशी पर निर्जल उपवास रखा जाता है और दान-पुण्य करने का महत्व है। इसके साथ ही भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए निर्जला एकादशी पर कुछ उपाय बताए गए हैं। इस पर निर्जला एकादशी के दिन गजकेसरी योग का शुभ संयोग बन रहा है।

निर्जला एकादशी के उपाय

निर्जला एकादशी पर विधि पूर्वक व्रत रखना चाहिए। सुबह पानी में एक चुटकी हल्दी डालकर स्नान करें। इसके बाद मंदिर में भगवान विष्णु की प्रतिमा को स्थापित करें। इस दौरान आप पीले वस्त्र पहनें और पीले आसन पर ही बैठें। भगवान की प्रतिमा को भी पीले आसन पर स्थापित करें। इसके साथ ही भगवान विष्णु को चंदन लगाएं और पीले रंग के फूल और फल अर्पित करें। इसके साथ ही पीली मिठाई का भोग लगाएं। निर्जला एकादशी के दिन केले के पेड़ की पूजा करें। इसके साथ ही निर्जला एकादशी के दिन पीपल की जड़ में जल देने का भी महत्व है।

धन प्राप्ति के लिए निर्जला एकादशी के उपाय

निर्जला एकादशी पर 2 हल्दी की गांठ, एक रुपये का सिक्का, एक पीली कौड़ी एक पीले कपड़े में बांध लें। इसे भगवान विष्णु की प्रतिमा के सामने रखें और पूजा के बाद इसे धन रखने वाले स्थान पर रख दें।

निर्जला एकादशी पर एक सूखे नारियल के चारों ओर मौली बांध दें। इसके बाद 108 बार विष्णु शान्ताकारं मंत्र का जप करें। फिर इसे जल में प्रवाहित कर दें।

निर्जला एकादशी पर तुलसी के पौधे के पास घी का दीया जलाएं और धूप दिखाएं।

निर्जला एकादशी पर तुलसी पर लाल चुनरी चढ़ाएं। लेकिन जल नहीं चढ़ाएं।

पीपल के पेड़ के पास घी का दीया जलाने और परिक्रमा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

निर्जला एकादशी पर जरूरतमंदों को अन्न का दान करें।

निर्जला एकादशी पर एक पान के पत्ते पर ऊं विष्णवे नमः लिख दें।

आज विष्णु सहस्रनाम का पाठ करने का अक्षय फल मिलता है।

चित्रा नक्षत्र समेत कई मंगलकारी योग में मनाई जाएगी गायत्री जयंती

वैदिक पंचांग के अनुसार, शुक्रवार 06 जून को निर्जला एकादशी एवं गायत्री जयंती है। निर्जला एकादशी पर्व हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन निर्जला व्रत रख लक्ष्मी नारायण जी की पूजा की जाती है।इस शुभ तिथि पर गायत्री जयंती मनाई जाएगी। यह पर्व निर्जला एकादशी के साथ मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर देवी मां गायत्री की पूजा एवं साधना की जाती है। देवी मां गायत्री की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है।

गायत्री जयंती शुभ मुहूर्त

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 06 जून को देर रात 02 बजकर 15 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, 07 जून को ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि सुबह 04 बजकर 47 मिनट पर समाप्त होगी। सनातन धर्म में सूर्योदय से तिथि की गणना होती है। इसके लिए 06 जून को गायत्री जयंती और निर्जला एकादशी मनाई जाएगी।

भद्रावास योग

ज्योतिषियों की मानें तो गायत्री जयंती पर भद्रावास योग का निर्माण हो रहा है। इस शुभ योग का संयोग दोपहर 03 बजकर 31 मिनट से लेकर अगले दिन सुबह 04 बजकर 47 मिनट तक भद्रा पाताल में रहेंगी। भद्रा का पाताल में रहना शुभ माना जाता है। इसके साथ ही हस्त और चित्रा नक्षत्र का संयोग है।

वरीयान योग

गायत्री जयंती पर वरीयान योग का भी निर्माण हो रहा है। वरीयान योग सुबह 10 बजकर 14 मिनट से है।

ज्योतिष वरीयान योग में शुभ काम करने की सलाह देते हैं। इस योग में देवी मां गायत्री की पूजा करने से शुभ कामों में सफलता मिलेगी।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 05 बजकर 23 मिनट पर

सूर्यास्त - शाम 07 बजकर 17 मिनट पर

चन्द्रोदय- दोपहर 03 बजकर 01 मिनट पर

चन्द्रास्त- देर रात 02 बजकर 27 मिनट पर

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 02 मिनट से 04 बजकर 42 मिनट तक

विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 39 मिनट से 03 बजकर 35 मिनट तक

गोधूलि मुहूर्त - शाम 07 बजकर 16 मिनट से 07 : 36 मिनट तक

निशिता मुहूर्त - रात 12 बजे से 12 बजकर 40 मिनट तक

गायत्री मंत्र से होती है चारों वेदों के ज्ञान की प्राप्ति

देवी गायत्री को सनातन संस्कृति के धर्म शास्त्रों में बहुत महत्व दिया गया है। शास्त्रोक्त मान्यता है कि गायत्री मंत्र को समझने मात्र से चारों वेदों के ज्ञान की प्राप्ति हो जाती है। देवी गायत्री की आराधना से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है और मोक्ष की प्राप्ति है। देवी गायत्री को चारों वेदों की जन्मदात्री माना जाता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस कारण वेदों का सार भी गायत्री मंत्र को माना जाता है। मान्यता है कि चारों वेदों का ज्ञान प्राप्त करने के बाद जो पुण्य फल मानव को मिलता है अकेले गायत्री मंत्र को समझने मात्र से चारों वेदों का ज्ञान मिल जाता है। गायत्री माता को सनातन संस्कृति की जन्मदाता भी माना जाता है।

मान्यता है कि चारों वेद, शास्त्र और श्रुतियां की जन्मदात्री देवी गायत्री है। वेदों की जन्मदात्री होने के कारण इनको वेदमाता भी कहा जाता है। त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश की आराध्य देवी भी इनको माना जाता है। इसलिए देवी गायत्री वेदमाता होने के साथ देवमाता भी है। गायत्री माता ब्रह्माजी की दूसरी पत्नी है इनको पार्वती, सरस्वती, लक्ष्मी का अवतार भी कहा जाता है।

ऐसे हुआ था गायत्री का विवाह

शास्त्रों में एक कथा है कि एक बार ब्रहामाजी यज्ञ में शामिल होने के लिए जा रहे थे। यज्ञ जैसे धार्मिक कार्यों में सपत्नी शामिल होने पर उसका पूरा फल मिलता है, लेकिन उस समय उनकी पत्नी सावित्री उनके साथ में नही थी इसलिए यज्ञ में पत्नी के साथ शामिल होने के लिए उन्होंने देवी गायत्री से विवाह कर लिया।

गायत्री मंत्र का अवतरण

मान्यता है कि सृष्टि के प्रारंभ में ब्रह्मा जी पर गायत्री मंत्र प्रकट हुआ था। इसके बाद ब्रह्मा जी ने गायत्री मंत्र की व्याख्या देवी गायत्री की कृपा से अपने चारों मुखों से चार वेदों के रुप में की। प्रारंभ में गायत्री मंत्र सिर्फ देवताओं के लिए ही था। बाद में महर्षि विश्वामित्र ने अपने कठोर तप से गायत्री मंत्र को आमजनों तक पहुंचाया।

ओम भूर्भव: स्व: तत्सवितुर्वरेण्यं ।
भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो न: प्रचोदयात्।।

गायत्री मंत्र की महिमा अपरंपार

गायत्री मंत्र की महिमा अपरंपार है। इस मंत्र के जपने मात्र से कई तरह के पापों और कष्टों का नाश हो जाता है। गायत्री मंत्र के जाप से पुण्य फल में वृद्धि होती है और कार्यों में सफलता मिलती है। इसलिए शास्त्रों में गायत्री मंत्र के जाप का विधान बतलाया गया है। विशेष अवसरों पर इसको जपने से सिद्धियों की प्राप्ति होती है। कारोबार, रोजगार, संतान की प्राप्ति से लेकर कष्टों से मुक्ति तक में गायत्री मंत्र का जाप फायदेमंद है। विद्यार्थियों को इस मंत्र का जाप करने से विद्या अध्ययन में बड़ी सफलता मिलती है। पढ़ाई में मन लगता है याददाश्त तेज होती है जिससे परीक्षा में सफलता मिलती है। विद्यार्थी जीवन में सफलता के लिए गायत्री मंत्र का 108 बार जाप करना चाहिए। कारोबार में सफलता के लिए भी गायत्री मंत्र काफी कारगर है। व्यापारियों के इस मंत्र का जाप करने से खर्चों पर नियंत्रण रहता है और आमदनी में इजाफा होता है। इसके लिए शुक्रवार के दिन हाथी पर विराजमान गायत्री मंत्र का ध्यान कर 'श्रीं' का संपुट लगाकर जाप करने से धनलाभ होता है। संतान प्राप्ति के निए दंपत्ति को श्वेत वस्त्र धारण कर 'यौं' संपुट के साथ गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। इस उपाय से संतान की प्राप्ति के साथ यदि संतान है और रोगी है तो रोगमुक्त होती है।

शत्रु बाधा से छुटकारे के लिए अमावस्या रविवार या मंगलवार को लाल वस्त्र धारण करते हुए देवी दुर्गा का ध्यान करते हुए 'क्लीं' मंत्र का संपुट तीन बार लगाते हुए गायत्री मंत्र का 108 बार जाप करें।

विवाह में सफलता के लिए विवाह योग्य युवक युवतियों को पीले वस्त्र धारण कर माता पार्वती का ध्यान कर 'ह्रिं' का संपुट लगाकर गायत्री मंत्र का 108 बार जाप करना चाहिए। इससे विवाह की बाधाओं का निवारण होता है।

एम्मा वॉटसन से भूमि पेडनेकर और जैकी श्रॉफ तक

यह 7 हस्तियां बन चुकी हैं पर्यावरण की आवाज

पिछले कुछ सालों में जलवायु परिवर्तन एक बड़ी चिंता बन गया है। इससे निपटने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। कई सेलिब्रिटी भी इस दिशा में बड़ा काम कर रहे हैं।

यहाँ 7 ऐसे लोग हैं जो पर्यावरण की भलाई के लिए मेहनत कर रहे हैं:

1. जैकी श्रॉफ– जैकी श्रॉफ पेड़ लगाने के लिए जाने जाते हैं। वो जहाँ भी जाते हैं, पौधे गिफ्ट करते हैं और लोगों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करते हैं।

2. भूमि पेडनेकर– भूमि ने 'क्लाइमेट वॉरियर' नाम से एक डिजिटल मुहिम शुरू की है। वो लोगों को जलवायु और पर्यावरण के बारे में जागरूक कर रही हैं।

3. अजय देवगन– अजय अपने फिल्मों के काम में भी पर्यावरण का ध्यान रखते हैं। उन्होंने पर्यावरण के अनुकूल फिल्म निर्माण को अपनाया है।

4. दीया मिर्ज़ा– दीया संयुक्त राष्ट्र की गुडविल एंबेसडर हैं। वो पर्यावरण, कचरा कम करना और प्रकृति की रक्षा के लिए लगातार काम कर रही हैं।

5. लियोनार्डो डिकैप्रियो– लियोनार्डो ने एक फाउंडेशन बनाया है जो दुनियाभर में पर्यावरण की मदद करता है। वो जलवायु परिवर्तन और प्रकृति की रक्षा के लिए काम करते हैं।

6. एम्मा वॉटसन– एम्मा वॉटसन टिकाऊ फैशन को बढ़ावा देती हैं। वो ऐसे ब्रांड्स को चुनती हैं जो पर्यावरण का ध्यान रखते हैं।

7. जोकिन फीनिक्स– जोकिन शाकाहारी जीवनशैली और पर्यावरण की रक्षा के लिए आवाज उठाते हैं। वो बड़े मंचों से जलवायु बदलाव पर बोलते हैं।

कोविड से उबरने के बाद काम पर लौटीं जोइता चटर्जी, कहा

मुश्किल भरा था समय

कोविड की चपेट में आईं अभिनेत्री जोइता चटर्जी अब ठीक हैं। अभिनेत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि वह एकदम ठीक हैं और प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने के लिए तैयार हैं। कोविड पॉजिटिव रिपोर्ट आने से पहले, जोइता अपने प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने के लिए तैयार थीं। हालांकि, उनकी खराब सेहत के कारण शूटिंग को आगे बढ़ाना पड़ा। आ-खिरकार, निगेटिव रिपोर्ट आने के बाद अभिनेत्री काम पर वापस से लौटने के लिए तैयार हैं।

जोइता ने हाल ही में अपने ठीक होने के बाद काम पर वापस लौटने के दौरान आने वाली कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की।

'बालवीर' फेम अभिनेत्री ने खुलासा किया कि उनकी रिकवरी की यात्रा आसान नहीं थी क्योंकि रिकवरी की पूरी प्रक्रिया के दौरान उन्हें लगातार 2020 और 2021 की महामारी के पुराने डर सताते रहे।अपने डॉक्टर्स और सभी शुभचिंतकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए उन्होंने कहा, मेरे डॉक्टर्स और प्रशंसकों की प्रार्थनाओं का शुक्रिया, मैं अब कोविड से उबर चुकी हूं। मैं प्रोजेक्ट की शूटिंग और लंबे समय से पेंडिंग में पड़े प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू करने के लिए अब तैयार हूं। मैं काम फिर से शुरू करने को लेकर खुश और उत्साहित हूं।

अभिनेत्री ने साझा किया कि कोविड निगेटिव रिपोर्ट आने के बावजूद वह कमजोरी महसूस कर रही हैं। उन्होंने बताया, मैं कोविड-19 से ठीक हो चुकी हूं और अब रिपोर्ट भी नेगेटिव आ चुकी है। लेकिन, मुझे अभी भी कमजोरी है जिसे मैं महसूस कर रही हूं। कमजोरी के साथ काम फिर से शुरू करना वास्तव में चुनौतीपूर्ण है, लेकिन जोश और जुनून मुझे आगे बढ़ाता है। कमजोरी के बावजूद मुझे काम करने की ताकत देने के लिए ईश्वर का आभार। मेरे स्वस्थ होने की प्रार्थना करने वाले सभी लोगों की आभारी हूं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो जोइता के पास कई रोमांचक प्रोजेक्ट्स हैं। हालांकि, इनकी घोषणा अभी हुई नहीं है।

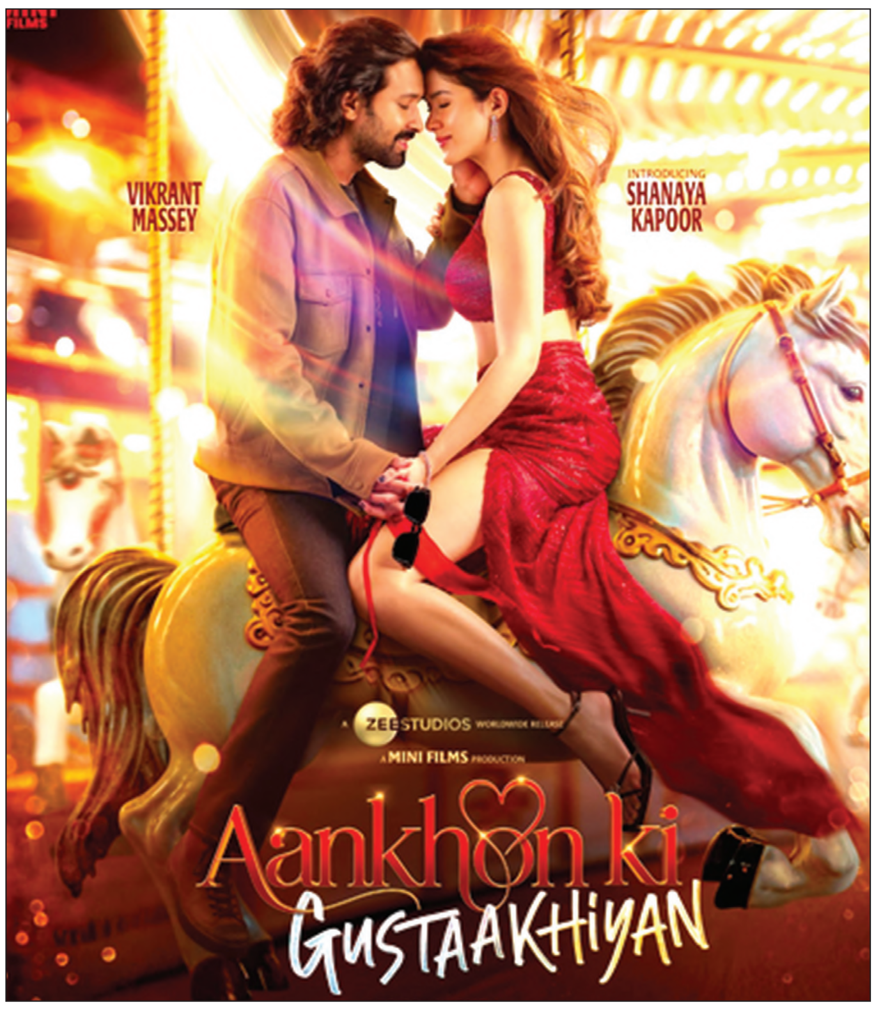

विक्रांत मैसी–शनाया कपूर स्टारर आंखों की गुस्ताखियां का टीजर जारी

संतोष सिंह के निर्देशन में तैयार अभिनेता विक्रांत मैसी और शनाया कपूर की अपकमिंग फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' के टीजर को फिल्म निर्माताओं ने जारी कर दिया है। लगभग 1 मिनट के टीजर में अनोखी प्रेम कहानी की झलक दिखी। प्यार, इमोशन और खूबसूरत पलों से भरे टीजर में दिखाया गया है कि कैसे दो लोग अचानक मिलते हैं और उनकी खूबसूरत कहानी शुरू होती है। बिना ज्यादा बात किए, इशारों और संगीत के जरिए प्यार गहराता जाता है। डांस के कुछ सीन टीजर को और खास बनाते हैं। टीजर में गायक विशाल मिश्रा का संगीत और खूबसूरत लोकेशन इस लव स्टोरी को और भी खास बनाते हैं। फिल्म को जी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स ने प्रस्तुत किया है।

स्टूडियोज ने बुधवार को 'आंखों की गुस्ताखियां' का फर्स्ट पोस्टर जारी किया था, जिसमें विक्रांत मैसी और शनाया कपूर के बीच शानदार केमिस्ट्री देखने को मिली थी। 'आंखों की गुस्ताखियां' म्यूजिकल प्रेम कहानी है, जो भावनाओं और प्यार के जादू को दिखाती है। शनाया कपूर इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं।

हाल ही में प्रोड्यूसर मानसी बागला ने 'आंखों की गुस्ताखियां' में शनाया कपूर को लॉन्च करने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की थी। फल्म में संगीत गायक विशाल मिश्रा ने दिया है। जानकारी के अनुसार यह कहानी दो ब्लाइंड लोगों के इर्द–गिर्द घूमती है, जो आधुनिक समय में प्रेम की खुशियों और चुनौतियों का सामना करते हैं। यह रस्किन बांड की कहानी 'द आइज़ हैव इट' से प्रेरित है।

फिल्म का निर्देशन संतोष सिंह ने किया है और इसे मानसी बागला और निरंजन अयंगर ने मिलकर संयुक्त रूप से लिखा है। जी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स ने फिल्म का निर्माण किया है। वहीं, मानसी और वरुण बागला ने प्रोड्यूस किया है।'आंखों की गुस्ताखियां' 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अब खुद को 'अनुराग बसु की हीरोइन' कह सकती हूं : सारा

फिल्म अभिनेत्री सारा अली खान के लिए यह एक सपना सच होने जैसा है। दरअसल, अभिनेत्री फिल्म निर्माता अनुराग बसु और 2007 की फिल्म 'लाइफ इन ए मेट्रो' की प्रशंसक रही हैं। सारा ने कहा कि दूसरी फिल्म में काम करने के बाद अब वह खुद को 'अनुराग बसु की हीरोइन' कह सकती हैं।सारा ने इंस्टाग्राम पर मेट्रो.इन दिनो के ट्रेलर लॉन्च का एक वीडियो शेयर किया। इसमें आगामी फिल्म के ट्रेलर की कुछ झलकियां भी दिखाई गई। फिल्म 4 जुलाई को रिलीज होने वाली है। कैप्शन में सारा ने लिखा, मेट्रो देखने और उसे पसंद करने से लेकर अब इसमें काम करने तक। सपने सच होते हैं। मैं अनुराग बसु की प्रशंसक रही हूं- अब मैं कह सकती हूं कि मैं भी अनुराग बसु की हीरोइन हूं।म्यूजिकल फिल्म का ट्रेलर 4 जून को जारी किया गया था और इसमें चार अलग–अलग उम्र के जोड़ों की दिलचस्प कहानी दिखाई गई थी। ट्रेलर के अनुसार, फिल्म का कथानक काफी हद तक अपनी पिछली फिल्म जैसा ही है। इसमें 4 जोड़ों की जिंदगी को दिखाया गया है और दिखाया गया है कि वे किस तरह से जीवन में आने वाले उतार–चढ़ावों का सामना करते हैं।

फिल्म में अनुपम खेर, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, फातिमा सना शेख, अली फजल और नीना गुप्ता हैं। अनुराग बसु, संगीत के दिग्गज प्रीतम, टी–सीरीज के निर्माता भूषण कुमार और शाश्वत सिंह, पापोन और राघव चैतन्य जैसे गायकों की उपस्थिति में फिल्म का पहला गाना 'जमाना लागे' जारी किया गया था।गुलशन कुमार और टी–सीरीज द्वारा प्रस्तुत, अनुराग बसु प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से, 'मेट्रो इन दिनो' का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु द्वारा किया गया है। यह फिल्म 4 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में आने वाली है।

प्रियंका चोपड़ा का पावर वीक

फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट का दूसरा ट्रेलर रिलीज

मेट गाला 2025 में अपनी शानदार उपस्थिति से इंटरनेट पर धूम मचाने के बाद, ग्लोबल आइकॉन प्रियंका चोपड़ा जोनास स्क्रीन पर वापस आ गई हैं – और वो भी ज़बरदस्त अंदाज़ में। उनकी आने वाली फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट का दूसरा ट्रेलर रिलीज़ हो चुका है और फैंस उनके जबरदस्त परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं, जिसमें वो एजेंट नोएल बिसेट का किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन इलिया नैशुलर ने किया है और इसे अमेज़ॅन चत्रह्व् स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

प्रियंका इस हाई–ऑक्टेन एक्शन–कॉमेडी फिल्म में इद्रिस एल्बा और जॉन सीना जैसे एक्शन स्टार्स के साथ नजर आएंगी। फिल्म 2 जुलाई को प्राइम वीडियो पर रिलीज़ होगी। इसकी कहानी एक ग्लोबल संकट के दौरान णघ के प्रधानमंत्री सैम क्लार्क (एल्बा) और णड राष्ट्रपति विल डेरीनजर (सीना) के साथ मिलकर काम करने की है। इस सबके बीच में फंसी होती हैं चख6 की बेहतरीन एजेंट, नोएल बिसेट, जिसे प्रियंका ने बेहद शानदार ढंग से निभाया है।

2 मिनट 46 सेकंड का यह ट्रेलर प्रियंका को एक स्थिर, तेज और आत्मविश्वासी शक्ति के रूप में दिखाता है, जो एल्बा और सीना द्वारा लाई गई अफरा–तफरी के बीच संतुलन बनाए रखती है। जहाँ फिल्म में जबरदस्त एक्शन, हास्य और ड्रामा है, वहीं फैंस की सबसे ज़्यादा तारीफ प्रियंका की स्क्रीन प्रेज़ेंस को मिल रही है।

ट्रेलर रिलीज़ के कुछ ही पलों बाद सोशल मीडिया पर हलचल मच गई। एक एक्स यूजर ने कहा, नोएल बिसेट असली क्वीन हैं! प्रियंका चोपड़ा। एक अन्य फैन ने लिखा, प्रियंका चोपड़ा जोनस, बहुत गर्व है, बहुत उत्साहित हूं, अब और इंतज़ार नहीं हो रहा !!!! इंस्टाग्राम पर एक यूज़र ने कमेंट किया, ये तो बहुत मजेदार लग रहा है। बेसब्री से इंतज़ार है इसे देखने का! कई लोगों ने इसे प्रियंका की हिट शो क्वांटिको से भी तुलना की, जिसमें से एक ने कहा, ओह माय!! यह मुझे क्वांटिको की याद दिला रहा है।

एक अन्य फैन ने ट्रेलर को अब तक का सबसे बेहतरीन ट्रेलर कहा, जबकि एक फैन ने टिप्पणी में बस इतना लिखा था: प्री ने शो चुरा लिया। यह चर्चा प्रियंका के मेट गाला 2025 में उनकी शानदार उपस्थिति के कुछ ही दिनों बाद आई है, जहाँ उन्होंने बालमेन का पावरफुल कॉउचर लुक और बुलगारी के पॉलीक्रोमा हाई ज्वैलरी कलेक्शन की एक खास ज्वेलरी के साथ सभी का ध्यान आकर्षित किया।

ईशा गुप्ता धमाल 4 की हीरोइन बनीं अजय देवगन संग करेंगी धमाल

बॉलीवुड की ग्लैमरस अभिनेत्री ईशा गुप्ता अब कॉमेडी फिल्म फ्रैंचाइजी धमाल 4 में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। निर्देशक इंद्र कुमार के निर्देशन में बन रही इस बहुचर्चित फिल्म में ईशा गुप्ता अभिनेता अजय देवगन के अपोज़िट एक अहम किरदार में नज़र आएंगी। यह जोड़ी इस साल की सबसे दिलचस्प कास्टिंग मानी जा रही है।

ईशा गुप्ता अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास से भरपूर स्क्रीन प्रेज़ेंस और दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने 'धमाल 3' में भी अपने स्टाइल और तेवरों भरे किरदार से दर्शकों को खूब प्रभावित किया था, जिसे काफी पसंद किया गया था। अब 'धमाल 4' में उनकी वापसी एक 'फुल–सर्कल मोमेंट' की तरह है, और इस बार उनका किरदार और भी बोल्ड तथा कहानी में केंद्रीय भूमिका निभाने वाला होगा।

निर्देशक इंद्र कुमार ने ईशा के साथ एक बार फिर काम करने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, हम बहुत खुश हैं कि ईशा गुप्ता दोबारा 'धमाल 4' में हमारे साथ हैं। वह 'धमाल 3' का भी हिस्सा रही थीं। वह एक बेहतरीन अभिनेत्री और शानदार इंसान हैं। उनके साथ काम करना हमेशा सुखद अनुभव होता है।

यह बयान ईशा के पेशेवर कौशल और व्यक्तिगत गुणों दोनों की सराहना करता है। हालांकि फिल्म में ईशा के किरदार की ज्यादा जानकारी अभी गोपनीय रखी गई है, लेकिन यह तय है कि वह सिर्फ ग्लैमर के लिए नहीं, बल्कि कहानी की दिशा और हास्य में भी बड़ी भूमिका निभाने वाली हैं। उनका किरदार कहानी में बड़े मोड़ और जबरदस्त कॉमिक मोमेंट्स लेकर आएगा। हाल ही में ईशा ने हनी सिंह और जुबिन नौटियाल के साथ 'ब्राउन आइज़ वाली' और 'इश्क मेरा' जैसे म्यूज़िक वीडियोज़ में भी धमाल मचाया है, जिससे उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई है। अब वह अपनी खास अदाओं और स्क्रीन पर दमदार उपस्थिति के साथ 'धमाल 4' में एक नई ताजगी लेकर आएंगी। दर्शक उम्मीद कर सकते हैं कि फिल्म में उन्हें अजय देवगन और ईशा गुप्ता के बीच शानदार केमिस्ट्री, चुटीले डायलॉग्स और हंसी से भरपूर सिचुएशन्स देखने को मिलेंगी, जो धमाल फ्रैंचाइजी की पहचान रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज–मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। संबंधियों से आपको सहायता प्राप्त होगी। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर टहलना पसंद करेंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अपने मूल्यों को दरकिनार करने से बचें और हर फ़ैसला तार्किक तरीक़े से लें। आप–को कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। जिसे आप चाहते हैं, उसके साथ आपका तल्ख़ रवैया आपके रिश्ते में दूरी बढ़ा सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपने बच्चों के साथ एक दोस्ताना रिश्ता विकसित करें। पुरानी बातों को पीछे छोड़कर आगे आने वाले अच्छे वक़्त की ओर देखें। आपकी कोशिशें फलदायी रहेंगी। क्योंकि आप किसी ख़ास के साथ की कमी महसूस कर रहे हैं। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। यात्रा करना फ़ायदेमंद लेकिन महंगा साबित होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है जिसके आने से आपको घर के उन समानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। जिनसे आप प्यार करते हैं, उनसे आज सारी ग़लतफ़हमी दूर हो सकती है। आपका प्रिय आज रोमांटिक मूड में होगा। चीज़ें कार्यक्षेत्र में बेहतर नज़र आती हैं। पूरे दिन आपका मिज़ाज बढ़िया रहेगा। खाली समय में आज आप कोई उपन्यास अथवा कोई धार्मिक ग्रन्थ पढ के बोरियत को दूर कर सकते हैं । आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उढ़ेलेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

स्वास्थ्य का ख़याल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आज आप नए दोस्त बनाने में सफल साबित होगें। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा चिंता और तनाव की आदत आपकी सेहत बर्बाद कर सकती है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आपका ऐसा व्यवहार न केवल आपके परिवार को दुःखी कर सकता है, बल्कि संबंधों में दूरी भी पैदा कर सकता है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रहा है और तरक़्क़ी साफ़ नज़र आ रही है। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। अगर आप सेमिनार और व्याख्यान आदि में शिरकत करेंगे, तो कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बचपन की यादें आपके मन पर छायी रहेंगी। लेकिन इस काम में आप ख़ुद को मानसिक तनाव दे सकते हैं। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। आपका लापरवाह रवैया आपके माता–पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 जून 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 04:50 तक
नक्षत्र : हस्त प्रातः 06:34 तक
योग : व्यतिपात प्रातः 10:12 तक
करण : वणिज दोपहर 03:33 तक
चन्द्रराशि : कन्या रात्रि 08:07 तक
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:33 , सूर्यास्त 06:38 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : निर्जला एकादशी व्रत,
भद्रा दोपहर 03:32 से रात्रि 04:50

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान को पानी में आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता : भजनलाल

जयपुर, 05 जून (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जल ही जीवन है। हम सभी का कर्तव्य है कि हम प्रकृति का संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि आज से शुरू हो रहे वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान के तहत प्रदेशभर में जल संचयन एवं पर्यावरण संरक्षण के तहत विभिन्न कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि जन सहभागिता को बढ़ावा देते हुए वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान में ज्यादा से ज्यादा श्रमदान करें। परंपरागत जलस्रोतों को स्वच्छ बनाएं जिससे वर्षा जल का संचयन हो।

भजनलाल शर्मा गुरूवार को विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर जयपुर के रामगढ़ में वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान के तहत रामगढ़ बांध पर श्रमदान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम सब रामगढ़ बांध को एक बार फिर जल से परिपूर्ण करने के लिए श्रमदान करने हेतु एकत्रित हुए हैं। आज हमारे द्वारा बहाई गई पसीने की एक–एक बूंद भविष्य में यहां पानी के बड़े भंडार में बदलकर प्रदेशवासियों के लिए अमृत का काम करेगी। उन्होंने इस अवसर पर जल संचयन एवं संरक्षण के कार्य करने के लिए पत्रिका समूह का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जमवारामगढ़ में सिंदूर का पौधा लगाया। इस दौरान वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने तुलसी का पौधा भेंट कर मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं पर्यावरणविद् उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वृहद स्तर पर जनमानस को जोड़ते हुए जल संग्रहण कार्यों के लिए राज्य सरकार द्वारा 'वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान' शुरू किया गया है। यह अभियान प्रदेशवासियों का अपना अभियान है एवं इसमें सभी की सहभागिता बहुत महत्व–पूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज गंगा दशमी के दिन अपने आसपास के जल स्रोतों, नदियों, जल धाराओं और तालाबों की पूजा–अर्चना करें तथा इनके संरक्षण में बढ़–चढ़कर योगदान दें।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सामाजिक सरोकार के अनेक काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान को जन–जन का अभियान बनाया। साथ ही, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिका लिंगानुपात में सुधार तथा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित किया गया। श्री मोदी ने देशभर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान चलाया जिससे आमजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता आई। इस अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार द्वारा पिछले वर्ष मानसून सीजन में 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। आगामी वर्षा काल में हम 10 करोड़ पौधे लगाने जा रहे हैं। भजनलाल शर्मा ने आमजन से आह्वान किया कि इस अभियान के तहत सभी कम से कम एक पेड़ लगाएं, जिससे पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को गति मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों एवं पानी की आवश्यकता को समझते हुए हमारी सरकार ने डेढ साल में जलापूर्ति के लिए लगातार निर्णय लिए हैं। ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही बांध, सोम–कमला–अंबा सहित विभिन्न परियोजन–ाओं के माध्यम से राज्य में जल संचयन तथा पानी की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम पानी के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं। भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में सतही जल कम होने के कारण भूजल पर दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में परंपरागत जल स्रोतों को साफ–सुथरा रखकर और नए जल स्रोतों का निर्माण कर हम पानी की लगातार बढ़ती जरूरत को पूरा कर सकते हैं। इसी क्रम में हमने इस साल जनवरी में 'कर्मभूमि से मातृभूमि' अभियान शुरू किया। प्रवासी राजस्थानी के माध्यम से प्रदेश में प्रत्येक जिले में जल संरक्षण संरचनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान वर्षा जल की एक–एक बूंद को सहेजकर जल उपलब्धता बढ़ाएगा तथा भूजल स्तर को बढ़ाने में भी मददगार बनेगा।

जिला प्रभारी सचिव ने की विभागीय योजनाओं और बजट घोषणाओं की समीक्षा

श्रीगंगानगर, 05 जून (एजेंसियां)।

स्वायत शासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव और जिला प्रभारी सचिव राजेश यादव की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय योजनाओं, बजट घोषणाओं एवं फ्लैगशिप योजन–ाओं की समीक्षा बैठक हुई। इस दौरान प्रभारी सचिव ने विभागीय योजनाओं और बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार आवंटित लक्ष्यों को पूर्ण करते हुए आमजन को अधिकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाये।

बैठक में नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत जारी गतिविधियों और जागरूकता कार्यक्रमों की सराहना करते हुए प्रभारी सचिव ने कहा कि चिकित्सक पर्ची के बिना एनडीपीएस दवाओं की बिक्री न हो। ऐसी दवाओं का रिकॉर्ड नियमानुसार संधारित किया जाये। विभागीय नियमानुसार नशा मुक्ति केन्द्र संचालन के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को नशा छोड़ने के लिये जागरूक करने के साथ–साथ प्रतिदिन प्रार्थना सभाओं में विद्यार्थियों को नशा मुक्ति के लिये जागरूक किया जाये। बजट घोषणा क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए प्रभारी सचिव ने कहा कि समस्त कार्य गुण–वत्तापूर्वक पूर्ण किये जाये। फ्लैगशिप योजनाओं, संपर्क पोर्टल और मुख्यमंत्री जनसुनवाई प्रकरणों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि निर्धारित समयावधि में प्रकरणों का निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाई जाये।

राजीविका महिलाओं को स्थानीय उत्पादों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना से आमजन और किसानों के साथ–साथ राजकीय कार्मिकों को भी जोड़ने के लिये विभागीय अधिकारी समुचित कार्यवाही करें। इस दौरान स्वास्थ्य, शिक्षा, जल संसाधन, कृषि, विद्युत, सार्वजनिक निर्माण विभाग सहित विभागीय योजनाओं और गतिविधियों की समीक्षा करते हुए प्रभारी सचिव ने कहा कि नगर विकास न्यास, नगरपरिषद द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिये प्रभावी कार्यवाही की जाये। सड़क किनारे पौधारोपण, बरसाती पानी निकासी और शहर सौन्दर्यकरण के लिये गंभीरतापूर्वक कार्यवाही करें।

ऑपरेशन सिंदूर : देश नहीं हारा, फौज नहीं हारी फिर क्यों डरी सरकार हमारी : गहलोत

जयपुर, 05 जून (एजेंसियां)।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार की ओर से किए गए ऑपरेशन सिंदूर और 4 दिन बाद अचानक सीज फायर करने को लेकर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र की मोदी सरकार और भाजपा को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को समझना चाहिए कि देश के मन में जो सवाल है वही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पूछ रहे हैं– देश नहीं हारा, फौज नहीं हारी, फिर क्यों डरी सरकार हमारी। आखिर ट्रम्प बार–बार कैसे भारत पर दबाव डालकर सीज़फायर की बात कर रहे हैं?

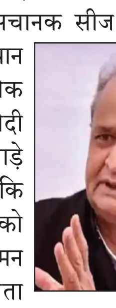

गहलोत ने एक्स हैंडल पर लिखा कि राहुल गांधी लगातार देशवासियों के आक्रोश को सरकार के सामने रख रहे हैं कि जब ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना लगातार पाकिस्तान के ऊपर बढ़त ले रही थी तब ट्रम्प के दबाव में आकर सीजफायर क्यों किया गया।पहलगाम हमले के बाद देशवासियों में गुस्सा था जिसके अनुरूप सेना ने आतंकियों एवं उनके पनाहगार देश पाकिस्तान पर कार्रवाई शुरू की। पूरा विपक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में सरकार के साथ था एवं देश एकजुट होकर तैयार था कि इस बार आतंकवाद को पूरी तरह नेस्तनाबूत करने के लिए सेना काम कर रही है। परन्तु ट्रम्प के सीजफायर वाले ट्वीट के कुछ मिनट्स बाद ही भारत सरकार ने सीजफायर का ऐलान कर दिया। इससे पूरे देश में सरकार के प्रति नकारात्मक संदेश गया।

गहलोत ने कहा कि अब भी देश की जनता के मन में ये सवाल हैं जिनके जवाब भाजपा सरकार को देने चाहिए। जैसे पहलगाम में 26 निर्दोष भारतीयों की उनकी पत्नी एवं बच्चों के सामने हत्या करने वाले आतंकवादी अभी तक क्यों नहीं पकड़े गए? सुरक्षा में चूक की जांच कहां तक पहुंची एवं जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई हुई ? भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर किन शर्तों पर हुआ? यदि ट्रम्प के कहने पर सीजफायर नहीं हुआ तो प्रधानमंत्री स्पष्ट क्यों नहीं कहते कि ट्रम्प गलतबयानी कर रहे हैं? इन बातों को लेकर ही जनता में आक्रोश है।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री सैनी ने की बड़ी घोषणाएं

चंडीगढ़, 05 जून (एजेंसियां)।

हरियाणा में प्राकृतिक खेती को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने और किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती तथा जैविक खेती से उत्पादित गेहूं, धान, दालों आदि उत्पादों के लिए प्राकृतिक तथा जैविक मंडी की स्थापना गुरुग्राम में की जाएगी। साथ ही, प्राकृतिक तथा जैविक खेती से उत्पादित फल, सब्जियों के लिए हिसार में भी प्राकृतिक खेती तथा जैविक मंडी की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा, प्राकृतिक तथा जैविक खेती के उपज के उचित मूल्य निर्धारण के लिए हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण के तहत एक समिति का गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित प्राकृतिक खेती

सम्मेलन को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती से प्राप्त उत्पादों की ब्रांडिंग और पैकेजिंग के लिए प्रति किसान 20 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि प्राकृतिक और जैविक खेती की उपज की जांच हेतु प्रयोगशालाएं भी स्थापित की जाएंगी। ये प्रयोगशालाएं किसानों की फसल की निःशुल्क जांच करेंगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि खंड पूंडरी, जिला कैथल में कृषि विभाग की 53 एकड़ भूमि प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को नीलामी के आधार पर पट्टे पर दी जाएगी। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि प्रत्येक पंचायत में पंचायती भूमि में से 10 प्रतिशत भूमि या कम से कम एक एकड़ भूमि प्राकृतिक खेती के लिए आरक्षित की जाएगी। यह भूमि केवल भूमिहीन किसानों को नीलामी के माध्यम से दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकारी और पंचायती जमीन पर जो भी किसान प्राकृतिक खेती करेगा, उन किसानों को भी प्राकृतिक खेती योजना के तहत वित्तीय प्रोत्साहन के रूप में कच्चे माल के भंडारण और संस्करण के लिये चार ड्रम की खरीद के लिए 3 हजार रुपये प्रति किसान दिया जाएगा। एक देसी गाय की खरीद पर 30 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के लोग वायु, जल व मिट्टी के संरक्षण का संकल्प ले रहे हैं और इन्हें हर प्रकार से प्रदूषण मुक्त करने के उपाय पर विचार कर रहे हैं। इस समय प्राकृतिक खेती इन सभी समस्याओं का समाधान है। प्राकृतिक खेती न केवल हरियाणा की कृषि को नई दिशा देगी, बल्कि पूरे देश के लिए यह प्रेरणा का एक स्रोत पर बनेगी।

उन्होंने कहा कि आज जब हम खाद्यानों के मामले में आत्मनिर्भर तो हैं, लेकिन इसके लिए हमें बहुत बड़ी कीमत भी चुकानी पड़ी है। रासायनिक खादों के उपयोग से भूमि, जल और वायु दूषित होते हैं। इसलिए हमारी आने वाली पीढ़ियां मजबूत, सशक्त हों, इसके लिए हमें प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ना होगा।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में पेपर लीक की जांच से क्यों भाग रही सरकार : हुड्डा

चंडीगढ़, 05 जून (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी हाल ही में हुए असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती के पेपरों में हुए गड़बड़झाले को छिपाने में जुट गई है। क्योंकि इन भर्तियों में अभ्यर्थियों को ऐसे पेपर बांटे गए, जिनकी सील पहले से ही टूटी हुई थी। इसीलिए अभ्यार्थी पेपर लीक की आशंका जता रहे हैं।

अभ्यार्थियों ने बाकायदा कमीशन को लिखित शिकायतें भेजी हैं, जिनमें सेंटर्स और अभ्यार्थियों के नाम दर्ज हैं। बावजूद इसके सरकार पेपर लीक के एंगल से पूरे मामले की जांच से क्यों भाग रही है। इससे सरकार की मंशा पर सवालिया निशान लगना लाजमी है। आज चंडीगढ़ जूलॉजी और केमिस्ट्री के कुछ अभ्यर्थियो ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा से मिलकर ज्ञापन सौंपा और पेपर दोबारा कड़ी सुरक्षा व पारदर्शी तरीके से पेपर कंडक्ट करवाने की मांग रखी।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग करी है। उन्होंने कहा कि पीड़ित अभ्यार्थियों की शिकायतों का संज्ञान लिया जाए, दोषियों पर सख़्त कार्रवाई हो और जरूरत पड़े तो परीक्षाएं दोबारा करवाई जाएं। क्योंकि यह गड़बड़ी हिंदी, जूलॉजी, केमिस्ट्री और फिजिक्स जैसी भर्तियों के पेपर उजागर हुई है।

राज्यपाल बंडारू ने विश्व पर्यावरण दिवस की थीम पर आधारित कला चित्र का किया अनावरण

चंडीगढ़, 05 जून (एजेंसियां)।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों, पर्यावरण प्रेमियों और सभी हितधारकों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस वर्ष की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को हराएं के अनुरूप, उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों की महत्ता पर जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण आज की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक है, जो मानव स्वास्थ्य, जैव विविधता और जलवायु पर विपरीत प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने नागरिकों, संगठनों और उद्योगों से सिंगल यूज प्लास्टिक को कम करने, अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर बनाने और पर्यावरण–अनुकूल विकल्प अपनाने का आह्वान किया।

दत्तात्रेय ने हरियाणा में पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यरत कार्यकर्ताओं, नागरिक निकायों, स्कूलों और गैर–सरकारी संगठनों की सराहना की। उन्होंने कहा, विश्व पर्यावरण दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि धरती माता के प्रति हमारी जिम्मेदारी को याद करने का अवसर है। उन्होंने स्थायी जीवनशैली और हरित पहलों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

राज्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करने वाली नीतियों

के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और युवाओं से हरित भविष्य के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से हम प्लास्टिक प्रदूषण को कम कर एक स्वच्छ, हरित हरियाणा का निर्माण कर सकते हैं।

इस अवसर पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की थीम पर आधारित एक कला चित्र का अनावरण भी किया। यह चित्र पंजाब के राज्य सूचना आयुक्त हरप्रीत संधू द्वारा विशेष रूप से तैयार किया गया है। विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व को रेखांकित करने और समाज में एकजुट होकर सकारात्मक पर्यावरणीय बदलाव के लिए संदेश फैलाने के उद्देश्य से एक नेक योगदान है चित्र के अनावरण के दौरान पंजाब के राज्य सूचना आयुक्त वरिंदरजीत सिंह बिलिंग, संदीप सिंह ढालीवाल और पूजा गुप्ता भी हरियाणा राजभवन, चंडीगढ़ में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय जातिगत जनगणना से पहले तेजस्वी यादव 85 प्रतिशत आरक्षण की जिद पर अड़े

सीएम नीतीश को लिखा पत्र

पटना (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार में आरक्षण की सीमा अड़ाने की जिद पर अड़ गए हैं। इसको लेकर तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार को पत्र भी लिखा है। सोशल मीडिया पर तेजस्वी यादव ने इस पत्र को शेयर करते हुए लिखा कि मैंने महागठबंधन सरकार में बढ़ाई गई 65% आरक्षण सीमा को अपनी ही सरकार में संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल कराने में घोर विफल रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी को पत्र लिखा है। बाक़ी हमें जो करना है वो हम करेंगे।

तेजस्वी ने मांग की है कि सर्वदलीय समिति का गठन करते हुए बिहार विधानसभा का एक दिन का विशेष सत्र आहूत की जाए, जिसमें कुल 85 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करते हुए विधेयक पारित करा उसे 9वीं अनुसूची में शामिल करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को तीन सप्ताह के अंदर भेजने की कृपा की जाए। ऐसा नहीं होने की स्थिति में राज्य के 90 प्रतिशत दलित-आदिवासी, पिछड़े-अति पिछड़े एवं सदियों से दबे-कुचले लोगों के हित में हमारे द्वारा राज्य भर में एक व्यापक जन-आन्दोलन की शुरूआत की जाएगी।

तेजस्वी यादव ने लिखा कि विपक्ष में रहते एवं अगस्त 2022 में सरकार में आने के बाद हमारे अथक प्रयासों से महागठबंधन सरकार द्वारा वर्ष 2023 में बिहार में जाति आधारित गणना का कार्य पूर्ण कराया गया था। गणना उपरान्त राज्य की विभिन्न जातियों की जनसंख्या एवं उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के आधार पर विधेयक पारित करा कर राज्य के पिछड़े, अति पिछड़े, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण की सीमा 65 प्रतिशत तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया था। फलस्वरूप बिहार में सरकारी नौकरियों एवं शैक्षणिक संस्थानों में नामांकन हेतु कुल 75 प्रतिशत आरक्षण सीमा निर्धारित की गयी थी। दलित-आदिवासी, पिछड़े अति पिछड़े के साथ-साथ आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों को महागठबंधन सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय से बढ़े हुए आरक्षण का लाभ दिलाना सुनिश्चित हुआ था। इस कानून को माननीय उच्च न्यायालय, पटना द्वारा यह कहकर रद्द किया गया कि राज्य की सरकारी नौकरियों एवं अध्ययन संस्थानों के नामांकन हेतु इन जातियों के लोगों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व का अध्ययन नहीं करा कर आरक्षण सीमा को बढ़ाया गया है।

तेजस्वी यादव ने लिखा कि सर्वदलीय समिति द्वारा किए गए अध्ययन के आलोक में बिहार विधानसभा का एक दिन का विशेष सत्र बुलाकर एक नया आरक्षण विधेयक पारित करा कुल 85 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान कर इसे 9वीं अनुसूची में डालने की अनुसंशा केन्द्र सरकार से की जाए ताकि आरक्षण विरोधी तत्वों एवं भाजपाई सरकार को इसे भी विभिन्न माध्यमों से पुनः रद्द कराने का मौका न मिल सके। नेता प्रतिपक्ष ने पूछा कि क्या भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस की नीतियों पर चल रही यह एनडीए सरकार नहीं चाहती कि वंचित वर्गों के आरक्षण की वर्तमान सीमा को बढ़ाकर 85 प्रतिशत किया जाए जिससे कि राज्य के दलित-आदिवासी, पिछड़ा अति पिछड़ा एवं अन्य दबे-कुचले लोगों को बढ़े हुए आरक्षण का यथाशीघ्र लाभ मिले तथा उन्हें शिक्षण संस्थानों में नामांकन के साथ-साथ सरकारी नौकरियों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिल सके। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि आप और आपकी सरकार जान-बूझकर इस मामले को लटका और भटका रही है। आपको मालूम है कि 17 महीनों की महागठबंधन सरकार के दौरान लाखों नौकरियां दी गई तथा लगभग 3,50,000 नौकरियां प्रक्रियाधीन की गयी।

शहीद सूरज नारायण सिंह स्मृति समारोह का उद्घाटन

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी रहे शामिल

दरभंगा (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दरभंगा में आयोजित शहीद सूरज नारायण सिंह स्मृति समारोह में शामिल हुए। उनका जोरदार स्वागत कार्यकर्ताओं ने किया। मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए उपस्थित लोगों का अभिवादन किया। समारोह में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद थे।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मंच पर मौजूद अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। यह आयोजन शहीद सूरज नारायण सिंह की याद में किया गया। सभा के दौरान पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह ने मुख्यमंत्री को पांच सूत्री मांग पत्र सौंपा। इस मांग पत्र में क्षेत्रीय विकास एवं जनता के हित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे।

मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए।

पूरे शहर में पुलिस बल की तैनाती की गई ताकि समारोह शांति और व्यवस्था के साथ संपन्न हो सके। शहीद सूरज नारायण सिंह स्मृति समारोह की तैयारी में पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण रही। वे करीब पंद्रह दिनों से दरभंगा में रहकर समारोह के सफल आयोजन में लगे हुए थे।

मामूली विवाद में पति ने पत्नी की कुदाल से की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

जहानाबाद (एजेंसियां)। जहानाबाद जिले के हुलासगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सूकियामा मुसहरी गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पति-पत्नी के मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया, जिसमें पति ने पत्नी की कुदाल से निर्मम हत्या कर दी। मृतका की पहचान पिंकी देवी के रूप में हुई है, जिनकी शादी गांव के ही पवन कुमार से हुई थी।

बताया जा रहा है कि बीते रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। झगड़े के दौरान गुस्से में पवन कुमार ने घर में रखे कुदाल से पत्नी के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से पिंकी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों और परिजनों ने पिंकी देवी को हुलासगंज अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है।

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पति पवन कुमार खुद को बचाने के लिए हुलासगंज अस्पताल भाग गया। पुलिस को सूचना मिलने पर तत्काल हरकत में आई और आरोपी को अस्पताल से ही गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। हुलासगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना में इस्तेमाल हथियार (कुदाल) को बरामद कर लिया गया है। वहीं, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जहानाबाद सदर अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

रानीतालाब गोलीकांड : बिहार एसटीएफ ने दो अपराधी किए गिरफ्तार

मुखिया पति पर हुआ था हमला

पटना (एजेंसियां)। पटना जिले के रानीतालाब थाना क्षेत्र के कुशवाहा कनपा गांव में 21 मई की रात नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह के दौरान बाइक सवार अपराधियों ने हमला कर दिया। इस दौरान बिक्रम प्रखंड के सैदाबाद पंचायत के मुखिया पति अंजनी सिंह, दर्शक धीरज कुमार और राजा कुमार को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी थी।

इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बिहार एसटीएफ ने जांच तेज की और मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के पाली गांव से एक मुख्य आरोपी संतोष कुमार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान योगेश्वर राय के पुत्र के रूप में हुई है।

गिरफ्तार संतोष कुमार की निशानदेही पर घटना के दिन गांव में लाइनर की भूमिका निभाने वाले एक अन्य आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों से रानीतालाब थाना पुलिस गहन पूछताछ कर रही है। घटना के दिन पुलिस को मौके से एक अपराधी की बाइक, कई जिंदा कारतूस के खोखे और एक खाली मैगजीन बरामद हुई थी। जांच में बाइक चोरी की निकली थी, जिससे मामला और गंभीर हो गया।

घटना के सात दिन बाद भी गिरफ्तारी न होने से ग्रामीणों में आक्रोश था।

इसी कारण कनपा पुल के पास एनएच-139 को जाम कर प्रदर्शन किया गया था। इसके बाद पालीगंज डीएसपी उमेश्वर कुमार चौधरी के नेतृत्व में बिक्रम और रानीतालाब थाना की संयुक्त टीम का गठन किया गया।

रानीतालाब थाना प्रभारी प्रमोद कुमार ने बताया कि बिहार एसटीएफ की मदद से दो आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है।

अन्य फरार अपराधियों की तलाश जारी है और जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।

चिराग के शाहाबाद दांव पर गरमाई सियासत

सासाराम आओ, मुकाबला करो : राजद विधायक

सासाराम (एजेंसियां)। सासाराम विधानसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक राजेश कुमार गुप्ता ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सुप्रीमो और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को सासाराम से चुनाव लड़ने की खुली चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि कोई भी देश का नागरिक कहीं से भी चुनाव लड़ सकता है।

उन्होंने कहा, ङ्कसासाराम वीरों की धरती है, जहां शेरशाह सूरी और सहस्त्रबाहु जैसे ऐतिहासिक योद्धाओं की गाथा है। अगर चिराग पासवान को शाहाबाद से ही लड़ना है, तो वे सासाराम आएं। हम दो दो हाथ करने के लिए तैयार हैं।

राजद विधायक ने यह भी आरोप लगाया कि चिराग पासवान, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शह पर नीतीश कुमार और जदयू पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उनका मकसद सिर्फ इतना है कि एनडीए गठबंधन में उन्हें ज्यादा सीटें मिल सकें। राजेश गुप्ता ने कहा, चिराग पासवान को अगर शाहाबाद की इतनी ही चिंता है, तो पहले मंत्री पद और सांसद पद से इस्तीफा दें और फिर जनता के बीच आकर चुनाव लड़ें। हम उनका स्वागत करेंगे।

हाल ही में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने ऐलान किया है कि चिराग पासवान आगामी विधानसभा चुनाव में शाहाबाद क्षेत्र की किसी सीट से चुनाव लड़ेंगे।

इसी के जवाब में राजद विधायक राजेश गुप्ता की यह तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है।

रामरेखा घाट पर गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़, यूपी-नेपाल से उमड़े भक्त

पटना (एजेंसियां)। गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर बक्सर के पावन रामरेखा घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बिहार के अलावा झारखंड, उत्तर प्रदेश और नेपाल से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए बक्सर पहुंचे। सुबह से ही गंगा में डुबकी लगाकर श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्घ्य दिया और मां गंगा की पूजा की।

घाट पर सुबह 10 बजे तक करीब 60 हजार लोगों ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। श्रद्धालुओं ने पुष्प, दीप और धूप से मां गंगा की आराधना करते हुए परिवार के सुख-समृद्धि की कामना की। रामेश्वरनाथ मंदिर में भी भक्तों ने विशेष पूजा-अर्चना की।

गंगा दशहरा के पावन अवसर पर बड़ी संख्या में लोग अपने बच्चों का चोल मुंडन संस्कार कराने घाट पर पहुंचे। बच्चों को पारंपरिक पोशाकों में सजाया गया। स्नान के बाद विधिपूर्वक मुंडन और पूजा संपन्न हुई। हालांकि भीड़ के कारण कई बच्चे और महिलाएं अपनों से बिछड़ गए, जिन्हें फिर से मिलाने के लिए घाट पर खोया-पाया केंद्र की व्यवस्था की गई है।

घाट पर गंगा आरती के पूजारी लाला बाबा ने बताया कि गंगा दशहरा के दिन मां गंगा का पृथ्वी पर अवतरण हुआ था।

उन्होंने कहा कि गंगा स्नान से मन, वचन और कर्म की शुद्धि होती है और समस्त पापों से मुक्ति मिलती है।

श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। घाटों पर मजिस्ट्रेट, नगर परिषद कर्मी, महिला पुलिस बल और स्थानीय पुलिस की तैनाती की गई है। ट्रैफिक कंट्रोल, सफाई व्यवस्था, और सुरक्षा प्रबंधन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। खोए हुए लोगों को उनके परिजनों से मिलाने के लिए माइक से अनाउंसमेंट भी लगातार किया जा रहा है।

रामरेखा घाट सहित नाथ बाबा घाट और अन्य गंगा घाटों पर भी दिनभर भक्तों की भारी भीड़ बनी रहने की संभावना है। प्रशासन का अनुमान है कि शाम तक 1 लाख से अधिक श्रद्धालु गंगा स्नान कर पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे।

मुजफ्फरपुर नाबालिग दुष्कर्म और हत्या मामला: विजय सिन्हा ने परिवार से की मुलाकात, दिया न्याय दिलाने का आश्वासन

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी प्रखंड क्षेत्र में 26 मई को हुई नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या की घोर निंदा करते हुए बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा आज पीड़िता के परिवार से मिलने जगन्नाथपुर पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद और मानवता को शर्मसार करने वाली है। दोषियों को किसी भी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा।

डिप्टी सीएम ने आश्वासन दिया कि मामले में स्पीडी ट्रायल कर दोषियों को सजा दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन से पूरी जानकारी लेकर कार्रवाई की जाएगी और राज्य सरकार दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस गंभीर घटना के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ गई है। सभी राजनीतिक दलों के नेता लगातार पीड़िता के परिवार से मिलने और समर्थन देने पहुंचे हैं। साथ ही, सत्तारूढ़ भाजपा के नेता भी घटनास्थल पर आकर खेद जताते हुए दोषियों को सजा दिलाने की बात कह रहे हैं।

डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि वे जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर पूरी जांच की जानकारी लेंगे और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने कहा कि ऐसी राक्षसी प्रवृत्ति वाले अपराधियों को कड़ी सजा देकर ही समाज को न्याय मिलेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com